Weather Report
अधिकतम तापमान: 32.0c
न्यूनतम तापमान: 21.0c
हवा गति: 11 कि./घं.
जयपुर सूर्योदय समय
सुबह: 6.06

दैनिक
संजीवनी टुडे
sanjeevnitoday.com
समय के साथ बढ़ता अखबार

वर्ष: 11 अंक: 46 जयपुर, शुक्रवार, 19 जुलाई 2024 पृष्ठ:8 मूल्य: ‘1.50

अब होगी खुशियों की बात संजीवनी टुडे के साथ
जन्मदिवस, वैवाहिक वर्षगांठ एवं नियुक्ति बधाई संदेश
मात्र 1100/- में
साईज 8X8 cm
संजीवनी टुडे
e-mail: sanjeevnitoday@gmail.com

4 राज्यों के 49 जिले मिलाकर भीलप्रदेश बनाने की मांग

4 राज्यों के आदिवासी बांसवाड़ा पहुंचे, कहा-कोई माई का लाल नहीं रोक सकता

■ संजीवनी टुडे

बांसवाड़ा। देश के 4 राज्यों के 49 जिले मिलाकर भील प्रदेश बनाने की मांग जोर पकड़ने लगी है। इस मांग को लेकर गुरुवार को बासंवाड़ा के मानगढ़ धाम में आयोजित महारैली में राजस्थान, मध्यप्रदेश, गुजरात और महाराष्ट्र से हजारों की संख्या में आदिवासी समाज के लोग राजस्थान के बांसवाड़ा स्थित मानगढ़ धाम पहुंचे। इस रैली में कई सांसद-विधायक भी शामिल हुए। मानगढ़ धाम आदिवासियों का तीर्थ स्थल है। राजस्थान सरकार भील प्रदेश की मांग पहले ही खारिज कर चुकी है। बांसवाड़ा से भारत आदिवासी पार्टी (बीएपी) के सांसद राजकुमार रोत ने कहा- भील प्रदेश की मांग नई नहीं है। बीएपी पुरजोर तरीके से यह मांग उठा रही है। महारैली के बाद एक डेलीगेशन राष्ट्रपति व प्रधानमंत्री से प्रस्ताव के साथ मुलाकात करेगा। मानगढ़ की महारैली में जुटे आदिवासियों को संबोधित करते हुए कहा कि नंदलाल मीणा भाजपा के थे। वे वसुंधरा सरकार में जब जनजाति मंत्री बने तो भील प्रदेश की मांग उठाई थी। राहुल गांधी कह चुके हैं कि देश के जंगल-जमीन के मालिक आदिवासी हैं। मानगढ़ की महारैली में जुटे आदिवासियों को संबोधित करते हुए कहा कि नंदलाल मीणा भाजपा के थे। वे वसुंधरा सरकार में जब जनजाति मंत्री बने तो भील प्रदेश की मांग उठाई थी।

भील प्रदेश की मांग में राजस्थान के 12, मप्र के 13 जिले शामिल

आदिवासी समाज ने राजस्थान, महाराष्ट्र, गुजरात एवं मध्य प्रदेश के 49 जिलों को मिलाकर नया राज्य भील प्रदेश बनाने की मांग की है। इसमें राजस्थान के पुराने 33 जिलों में से 12 जिलों को शामिल करने की मांग है। राहुल गांधी कह चुके हैं कि देश के जंगल-जमीन के मालिक आदिवासी हैं।

‘कोई माई का लाल हमें नहीं रोक सकता‘

महारैली के बाद दैनिक भास्कर से बातचीत में आदिवासी परिवार के संस्थापक भंवरलाल परमार ने कहा कि इसी मानगढ़ में सौ-सवा सौ साल पहले हमारे पुरखों ने आंदोलन शुरू कर दिया था, तब 1500 लोगों को मार दिया गया। उनका क्या कसूर था? अब हमने फिर आंदोलन शुरू किया है। कोई माई का लाल हमें नहीं रोक सकता। भील प्रदेश की मांग तो समय पर पूरी होगी ही। इसकी एक प्रक्रिया होती है।

मेनका डामोर बोलीं- हम हिंदू नहीं

भील समाज की सबसे बड़ी संस्था आदिवासी परिवार सहित 35 संगठनों ने यह महारैली बुलाई थी। आदिवासी परिवार संस्था की संस्थापक सदस्य मेनका डामोर ने मंच से कहा- आदिवासी महिलाएं पंडितों के बताए अनुसार न चलें। आदिवासी परिवार में सिंदूर नहीं लगाते, मंगलसूत्र नहीं पहनते। आदिवासी समाज की महिलाएं-बालिकाएं शिक्षा पर फोकस करें। अब से सब व्रत-उपवास बंद कर दें। हम हिंदू नहीं हैं। आदिवासी परिवार संस्था चारों राज्यों में फैली हुई है। राजस्थान विधानसभा में भी गुरुवार को अलग भील प्रदेश बनाने की मांग उठी है। धरियावद से बीएपी विधायक थावरचंद मीणा ने कहा कि आज जब मैं सदन में बोल रहा हूं, उस समय मानगढ़ धाम में 4 राज्यों के 10 लाख आदिवासी महासम्मेलन में शामिल हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम आदिवासियों को गुजरात, महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश और राजस्थान में बांट दिया गया हैं। हमारी बोली, संस्कृति, रीति-रिवाज एक है तो हम सब मिलकर भील प्रदेश क्यों नहीं बना सकते हैं? गहलोत ने कहा कि मैं भी प्रदेश की मांग जाति के आधार पर नहीं कर रहा हूं। जब गुजराती के नाम पर गुजरात, मराठी के नाम पर महाराष्ट्र, पंजाबी के नाम पर पंजाब राज्य बन सकता है तो भीली बोली के आधार पर भील प्रदेश क्यों नहीं बन सकता है। मैं मांग करता हूं कि इसका प्रस्ताव पास करके सरकार को भेजा जाए। उन्होंने कहा कि भील प्रदेश हमारा अधिकार।

जम्मू-कश्मीर में 3 जगह एनकाउंटर, कुपवाड़ा में 2 आतंकी ढेर

डोडा में आतंकियों ने अस्थायी कैंप पर हमला किया, 2 जवान घायल

■ संजीवनी टुडे

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा के केरन इलाके में सेना ने एनकाउंटर में 2 आतंकियों को मार गिराया है। सेना को यहां कुछ आतंकियों के छिपे होने की सूचना मिली थी, जिसके बाद सर्च ऑपरेशन चलाया गया। इसी दौरान आतंकियों-सेना के बीच मुठभेड़ शुरू हुई, जो अभी भी जारी है। उधर, डोडा में भी दो जगह एनकाउंटर चल रहा है। गुरुवार तड़के आतंकवादियों के हमले में दो सैनिक घायल हो गए। सेना के अधिकारियों ने बताया कि कास्तीगढ़ इलाके के जद्दन बाटा गांव में बुधवार देर रात स्कूल में बने अस्थायी सुरक्षा शिविर पर आतंकियों ने गोलीबारी की। इसमें दो जवान घायल हुए। सेना ने फायरिंग की तो आतंकी जंगल की ओर भागे, वहां सेना ने उन्हें घेर रखा है। यहां सेना और आतंकियों के बीच रुक-रुककर फायरिंग हो रही है। वहीं, जिले में एक अन्य जगह भी एनकाउंटर जारी है। डोडा में ही 15 जुलाई को आतंकियों से मुठभेड़ में सेना के एक कैप्टन और पुलिसकर्मी समेत 5 जवान शहीद हो गए थे। 16 जुलाई को डोडा के डेसा फोरेस्ट बेल्ट के कलां भाटा में रात 10:45 बजे और पंचान भाटा इलाके में रात 2 बजे फिर फायरिंग हुई थी। इन्हीं घटनाओं के बाद सर्च ऑपरेशन चलाने के लिए सेना ने जद्दन बाटा गांव के सरकारी स्कूल में अस्थायी सुरक्षा शिविर बनाया था। डोडा जिले को 2005 में आतंकवाद मुक्त घोषित कर दिया गया था। 12 जून के बाद से लगातार हो रहे हमलों में 5 जवान शहीद हुए, 9 सुरक्षाकर्मी घायल हुए। जबकि तीन आतंकवादी मारे गए। जम्मू रीजन में पिछले 84 दिन में 10 आतंकी हमलों में 12 जवानों की शहादत के बाद सेना ने अब सबसे बड़ा सर्च ऑपरेशन शुरू किया है। सैन्य सूत्रों के मुताबिक, ऑपरेशन में सेना और जम्मू-कश्मीर पुलिस के 7000 जवान, 8 ड्रोन, हेलिकॉप्टर्स, करीब 40 खोजी कुत्तों को लगाया गया है। जवानों में ज्यादातर राष्ट्रीय राइफल्स और पुलिस के स्पेशल कमांडोज हैं। इन्हें डोडा और कठुआ जिलों की पीर पंजाल श्रेणी के जंगलों में उतारा गया है। यहां 5 लोकेशन की पहचान की गई है।

यूपी में डिब्रूगढ़ एक्सप्रेस पटरी से उतरी, 3 की मौत

एक्सीडेंट के पहले ड्राइवर ने सुनी धमाके की आवाज, 21 कोच पटरी से उतरे

■ संजीवनी टुडे

गोंडा। यूपी के गोंडा में गुरुवार दोपहर 2.37 बजे चंडीगढ़-डिब्रूगढ़ एक्सप्रेस की 21 बोगियां पटरी से उतर गईं। इनमें इए की 5 बोगियां हैं। 3 बोगियां पलटी खा गईं। हादसे में 3 यात्रियों की मौत हो गई, 25 घायल हैं। वहीं, 2 यात्रियों के पैर कट गए। ज्यादातर घायल यात्री इए कोच के बताए जा रहे हैं। हादसे के बाद यात्री खिड़की के कांच तोड़कर बाहर कूदे। ट्रेन (15904) चंडीगढ़ से डिब्रूगढ़ जा रही थी। हादसा झिलाही रेलवे स्टेशन के बीच गोसाई डिहवा में हुआ। सूचना मिलते ही रेलवे अफसर मौके पर पहुंचे। रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। एसडीआरएफ टीम मौके पर है। ट्रेन के अंदर फंसे लोगों को बोगियां काट कर निकाला गया। पूर्वोत्तर रेलवे के सीआरपीओ पंकज कुमार ने बताया- लोको पायलट ने एक्सीडेंट के पहले धमाके की आवाज सुनी थी। हालांकि, डीजीपी प्रशांत कुमार ने किसी तरह के विस्फोट होने की बात से इनकार किया है। वहीं, रेल मंत्रालय ने मृतकों के परिवार को 10 लाख रुपए मुआवजे का ऐलान किया है। गंभीर घायलों को ढाई लाख और मामूली घायलों को 50 हजार रुपए की मदद दी जाएगी। साथ ही मामले की हाई-लेवल जांच के आदेश दिए गए हैं। हादसा स्थल की अयोध्या से दूरी 38 किमी और लखनऊ से 185 किमी है। तीन ट्रेनें स्टेशन पर खड़ी हैं। परेशान यात्रियों का कहना है कि हमारे पास कोई और विकल्प नहीं है, लग रहा है यही रात गुजारनी पड़ेगी। लखनऊ रेलवे स्टेशन पर गुवाहाटी-जम्मू तवी एक्सप्रेस करीब 5 घंटे लखनऊ जंक्शन पर खड़ी रही। फिर उसे मनकापुर-अयोध्या-बाराबंकी रूट से निकाला गया। आसपास के कई यात्री ट्रेन को छोड़कर बस और अन्य सवारी वाहनों के जरिए अपने गंतव्य की तरफ निकले। गैस कटर से ट्रेन की बोगियां काटी जा रही हैं। एसडीआरएफ की टीम कड़ी मशक्कत कर रेलवे ट्रैक से ट्रेन के कोच हटा रही है। प्रशासन ने यात्रियों को घटनास्थल से बस से रवाना किया। इन बसों में आसपास के यात्री हैं। उन्हें उनके स्टेशन तक छोड़ा जाएगा।

हादसे के दो मृतकों की शिनाख्त हुई, एक ने लखनऊ में दम तोड़ा

हादसे में बरेली की धनेटी तहसील में रहने वाले राहुल (38) और सरोज कुमार सिंह (31) की मौत हुई है। वहीं, लखनऊ के केजीएमयू लाए गए 3 घायलों में से 1 की देर रात मौत हो गई। मृतक की उम्र करीब 20 साल है। 2 अन्य मरीजों का केजीएमयू के ट्रॉमा सेंटर में इलाज चल रहा है। गोंडा में रेल हादसे के बाद लखनऊ के चारबाग रेलवे स्टेशन पर अफरातफरी मच गई। यहां करीब 10 हजार यात्री फंसे हैं। कुल 10 ट्रेनों का रूट बदला गया है।

पीएम मोदी भाजपा हेडक्वार्टर में कर्मचारियों से मिले

लोकसभा चुनाव में उनके प्रयासों की सराहना की, 4 जून को कार्यकर्ताओं को संबोधित किया था

■ संजीवनी टुडे

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार (18 जुलाई) को भाजपा हेडक्वार्टर में पार्टी कर्मचारियों से मुलाकात की। मोदी ने लोकसभा चुनावों में उनके काम की सराहना की और सफलता के बारे में बात की।उन्होंने लगातार तीसरी बार सत्ता में लौटने के बाद कर्मचारियों को और अच्छा परफॉर्म करने के लिए प्रेरित किया। कर्मचारियों से मोदी के मुलाकात को ‘स्नेह मिलन‘ नाम दिया गया। प्रधानमंत्री रात करीब 8:30 बजे पार्टी हेडक्वार्टर पहुंचे थे। वहां भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने उनका स्वागत किया। इसके बाद पीएम मोदी ने कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। मोदी करीब डेढ़ घंटे बाद रात 10 बजे पार्टी ऑफिस से बाहर निकले। 4 जून 2024 को नतीजों के बीच मोदी भाजपा हेडक्वार्टर पहुंचे थे। तब तक रिजल्ट लगभग स्पष्ट हो चुके थे। मोदी ने कार्यकर्ताओं को संबोधित किया, लेकिन जुबान पर भाजपा कम और गक्ह का नाम ज्यादा रहा। 34 मिनट के धन्यवाद भाषण में भाजपा का नाम 8 बार लिया तो गक्ह (भाजपा के सहयोगी दल) का हवाला 10 बार आया। प्रधानमंत्री ने विशेष तौर पर आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का जिक्र किया। भाजपा के आईटी डिपार्टमेंट हेड अमित मालवीय ने ङु पर मोदी की कार्यकर्ताओं से बातचीत की जानकारी दी। उन्होंने लिखा, ‘आज घ्ड्ढ मोदी उन कार्यकर्ताओं से मिले, जिनमें से कई दशकों से पार्टी के लिए काम कर रहे हैं। उन्होंने पार्टी को 2 सीटों से 303 तक बढ़ते देखा है। तब हमारे पास सिर्फ एक एंबेसेडर कार थी और अब एक बेड़ा है। उन्हें सम्मानित किया जाना एक भावनात्मक क्षण था। प्रधानमंत्री मोदी 2019 लोकसभा चुनाव में भाजपा की जीत के बाद भी पार्टी कार्यकर्ताओं से मिले थे और उनका आभार जताया था।

विधानसभा में ‘ठाकुर का कुआं‘ कविता को लेकर हंगामा

■ संजीवनी टुडे

जयपुर। विधानसभा में आज ‘ठाकुर का कुआं‘ कविता को लेकर जमकर हंगामा हुआ। अनुदान मांगों पर बहस के दौरान कांग्रेस विधायक हरीश चौधरी ने कहा- क्रांतिकारी कवि ओमप्रकाश वाल्मीकि ने ठाकुर का कुआं कविता के जरिए भेदभाव का दर्द बयां किया था। वो ही दर्द इस बजट को पढ़कर दिखेगा। हमारा क्या है, हमारा कुछ नहीं है, सब कुछ ठाकुर का है। बीजेपी विधायकों ने हरीश चौधरी पर जातिवाद फैलाने और एक वर्ग को आहत करने का आरोप लगाया। संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने सभापति से इसे कार्यवाही से निकालने की मांग की। पटेल ने कहा- हम सब एक हैं, आहत करने वाली टिप्पणी नहीं करनी चाहिए। बीजेपी विधायक अमृतलाल मीणा ने भी हरीश चौधरी पर पलटवार किया। उन्होंने कहा- हरीश चौधरी आदिवासी और सामाजिक न्याय की अनुदान मांगों पर बहस कर रहे थे।

द्वितीय पुण्यतिथि

चले गए वे अपने घर से, पर वे दिल से दूर नहीं हैं।
रूखसत हुए वे दुनिया से, लेकिन वे हम से दूर नहीं हैं ।।
हम जब उन्हें याद करते हैं, उनका हाथ अपने कंधों पर पाते हैं ।
वे हमें अपने साथ होने का अहसास दिला जाते हैं ।।

स्व. श्री शिव सहाय जी (वर्मा साहब)
(निर्वाण दिवस 19.07.2022)
आप वह चट्टान थे जिसने, हर तूफां से हमें बचाया था ।
अनुशासित रह, हम बच्चों को स्वाभिमान का पाठ पढ़ाया था ।।
आपके द्वारा स्थापित धैर्य एवं आध्यात्म के पथ पर,
निरन्तर चलने की शपथ लेते,
आपकी द्वितीय पुण्यतिथि पर श्रद्धानवत्
नाथीदेवी (धर्मपत्नी)
अशोक (XEn PHED) – अनिता, डॉ. दिनेश (SMS Hospital) – ऋचा
अरूण – सोनिया, प्रेम (AEn JDA)– प्रियंका (पुत्र – पुत्रवधु)
डॉ. आर्यन, डॉ. स्पर्श डेजी, प्रियांश
ओरम, पलक्षी, प्रिशा, आर्ष, एवं समस्त बैंदाड़ा परिवार
गीता – सतीश कुमार, सुनीता –नरेश कुमार (XEn PHED) (पुत्री–दामाद)
आयुषी – दीपक (पौत्री–दामाद)
डॉ. सिमरन, दिव्यांशु, अंकुर, अंशु, मोनिका–राहुल जी
पता –24, श्री बृज लाल नगर, मालपुरा, जिला टोंक (दौसा वाले)

पूजा खेडकर के पिता ने अग्रिम जमानत याचिका लगाई

जमीन विवाद मामले में पुलिस ढूंढ रही, पत्नी मनोरमा कल लॉज से गिरफ्तार हुई थीं

■ संजीवनी टुडे

पुणे। यूपीएससी सिलेक्शन को लेकर विवादों में घिरीं ट्रेनी आईएएस अफसर पूजा खेडकर के पिता दिलीप खेडकर ने पुणे की एक कोर्ट में अग्रिम जमानत याचिका लगाई है। जमीन विवाद में किसानों को धमकाने के मामले में पुलिस उनकी तलाश कर रही है। दिलीप फिलहाल फरार हैं। इस मामले में दिलीप खेडकर की पत्नी मनोरमा गुरुवार (18 जुलाई) को गिरफ्तार हुई थीं। मनोरमा रायगढ़ जिले में एक लॉज में छिपी हुई थीं। उनके साथ एक लड़का भी था, जिसे उन्होंने अपना बेटा बताया था। पुणे की ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट कोर्ट ने मनोरमा को 20 जुलाई तक पुलिस कस्टडी में भेजा है। दरअसल, सोशल मीडिया पर एक वीडियो सामने आने के बाद 11 जुलाई को पूजा के पेरेंट्स सहित 7 लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया था। इस वीडियो में पूजा की मां मनोरमा पिस्टल दिखाकर एक किसान को धमकाती दिखीं। पुलिस ने बताया कि ये वीडियो 4 जून, 2023 का है। पुणे की मुलशी तहसील के धडवाली गांव में कुछ जमीन को लेकर खेडकर परिवार का किसानों के साथ विवाद है। इसी विवाद को लेकर मनोरमा 65 साल के पंढरीनाथ पासलकर को पिस्टल से धमकी दे रही थीं।

पूजा ने पुणे कलेक्टर के खिलाफ हैरेसमेंट केस किया

पुणे के डिस्ट्रिक्ट कलेक्टर सुहास दिवासे ने पूजा खेडकर के आचरण को लेकर सबसे पहले शिकायत की थी। इसके बाद पूजा का ट्रांसफर पुणे से वाशिम किया गया। पूजा ने 15 जुलाई को अपने वाशिम स्थित आवास पर पुलिस को बुलाया और सुहास दिवासे के खिलाफ उत्पीड़न की शिकायत दर्ज कराई। जिसका वीडियो अब सामने आया। वीडियो वायरल होने के बाद किसान ने दिलीप खेडकर, उनकी पत्नी मनोरमा समेत 7 लोगों के खिलाफ केस दर्ज करावाया। पुलिस ने आर्म्स एक्ट के अलावा आईपीसी की धारा 307 (हत्या का प्रयास), 144 (घातक हथियारों से लैस गैरकानूनी जमावड़ा), 147 (दंगा) और 506 (आपराधिक धमकी) के तहत केस दर्ज किया है। हालांकि, खेडकर परिवार का दावा है कि पुणे के मुलशी तहसील में उन्होंने 25 एकड़ जमीन खरीदी थी। इसके एक हिस्से पर किसानों ने कब्जा कर लिया था। इसके चलते मनोरमा अपने सिक्योरिटी गार्ड्स के साथ वहां पहुंचीं और किसानों को पिस्तौल दिखाकर धमकाया। वायरल वीडियो में मनोरमा ने कहा कि जमीन उनके नाम पर है। पूजा के पिता के खिलाफ ओपन इन्क्वायरी की मांग जमीन विवाद के अलावा पूजा के पिता और रिटायर्ड अधिकारी दिलीप खेडकर आय से अधिक संपत्ति मामले में घिरते जा रहे हैं। पुणे एंटी करप्शन ब्यूरो ने बुधवार (17 जुलाई) को बताया कि उन्हें दिलीप खेडकर के खिलाफ ओपन इन्क्वायरी की मांग करते हुए एक शिकायत मिली है। इस मामले में पुणे इएउ ने इएउ हेडक्वार्टर से निर्देश मांगे हैं, क्योंकि दिलीप खेडकर के खिलाफ इएउ के नासिक डिवीजन में आय से अधिक संपत्ति के मामले में पहले से ही जांच चल रही है।

जगन्नाथ मंदिर का रत्न भंडार 4 दिन में दोबारा खुला

कीमती सामान स्ट्रॉन्ग रूम में शिफ्ट होगा, अब तक 6 बॉक्स खजाना निकल चुका

■ संजीवनी टुडे

पुरी। ओडिशा के पुरी स्थित जगन्नाथ मंदिर का रत्न भंडार (खजाना) गुरुवार (18 जुलाई) को एक बार फिर से खोला गया है। इस दौरान इनर रत्न भंडार में मौजूद आभषूण और कीमती सामान को अस्थायी स्ट्रांग रूम में शिफ्ट किया जाएगा। इससे पहले रविवार (14 जुलाई) को 46 साल बाद रत्न भंडार को खोला गया था, जिसमें आउटर रत्न भंडार का सामान 6 बक्सों में शिफ्ट करके सील किया गया था। मंदिर प्रशासन ने सुबह 8 बजे से मंदिर में श्रद्धालुओं के प्रवेश पर रोक लगा दी है। अधिकारियों के मुताबिक, भगवान जगन्नाथ और उनके भाई-बहनों के समक्ष प्रार्थना करने के बाद ओडिशा सरकार की ओर से गठित पर्यवेक्षी (सुपरविजन) कमेटी के सदस्यों ने 9 बजे मंदिर में प्रवेश किया। रत्न भंडार के खजाने को सुबह करीब 10 बजे खोला गया। अधिकारियों ने बताया कि यदि कीमती सामान को बाहर निकालने का काम आज भी पूरा नहीं हो पाता है तो तय मानक संचालन प्रक्रिया के तहत काम जारी रहेगा। पुरी कलेक्टर सिद्धार्थ शंकर स्वैन ने कहा कि केवल अधिकृत व्यक्तियों को पारंपरिक पोशाक के साथ रत्न भंडार में प्रवेश करने की अनुमति है। मंदिर में प्रवेश से पहले पर्यवेक्षी कमेटी के अध्यक्ष और उड़ीसा हाईकोर्ट के पूर्व जज जस्टिस विश्वनाथ रथ ने बताया, हमने भगवान जगन्नाथ से खजाने के भीतरी कक्ष (इनर केबिन) में रखे सभी कीमती सामान को आसानी से बाहर निकालने का आशीर्वाद मांगा है। इससे पहले 14 जुलाई को 46 साल बाद जगन्नाथ मंदिर का खजाना खोला गया था। उस दिन रत्न भंडार के बाहरी कक्ष के आभूषण और कीमती सामान को स्ट्रांग रूम में शिफ्ट किया गया था।

किसान वर्ग के अलावा प्रदेश में बिना एनओसी के नहीं कर सकेंगे भूजल का दोहन

■ संजीवनी टुडे

जयपुर। प्रदेश में भूजल का दोहन किसानों के अलावा अन्य किसी को बिना एनओसी के नहीं किया जा सकेगा। इसके लिए विभाग द्वारा किसानों को जागरुक भी किया जाएगा। साथ ही गिरते भूजल स्तर की स्थिति को मध्य नजर रखते हुए अधिक भूजल दोहन पर रोक लगाने के लिए सभी नए और विस्तारित उद्योग, उद्योग जो विस्तार करना चाहते हैं, बुनियादी ढांचा परियोजना, खनन परियोजना थोक जलापूर्ति, शहरी जल आपूर्ति योजनाएं एवं खारा जल निष्कर्षण हेतु भूजल के उपयोग के लिए एनओसी की अनिवार्यता को कठोरता से लागू करने का निर्णय लिया गया है। इनके द्वारा जितनी मात्रा में भूजल का दोहन किया जाएगा उसके निर्धारित अनुपात में भूजल का रिचार्ज किया जाना जरूरी होगा तभी जाकर इस श्रेणी को एनओसी प्रदान की जाएगी।वहीँ कुछ श्रेणियां में एनओसी लेने की छूट भी दी गई है। साथ ही केन्द्रीय भूमि जल प्राधिकरण द्वारा प्रदत्त गाईडलाइन की पालना नहीं करने पर अवैध ट्यूबवेलों को सील करने, विद्युत सप्लाई को रोकने, उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कानूनी कार्यवाही करने जैसे कदम उठाये जायेंगे। भूजल मंत्री कन्हैया लाल ने बताया कि वर्ष 2023 के भूजल संसाधन के आकलन के अनुसार राज्य के कुल 302 ब्लॉकों में से 216 ब्लॉक्स में अतिभूजल दोहन (100 प्रतिशत से अधिक) किया जा रहा है। प्रदेश के केवल 38 क्षेत्र भूजल की दृष्टि से सुरक्षित क्षेत्र हैं। उन्होंने बताया कि प्रदेश में न केवल भूजल का स्तर गिर रहा है बल्कि भूजल में बढ़ते टीडीएस, नाइट्रेट और फ्लोराइड के कारण भूजल की गुणवत्ता में भी कमी आई है। प्रदेश में भूजल का दोहन लगभग 148 प्रतिशत है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में गिरता भूजल स्तर चिंता का विषय है और इस संबंध में तुरंत एक्शन लिया जाना जरूरी है।

इनके लिए एनओसी लेना अनिवार्य

भूजल विभाग के शासन सचिव डॉ. समित शर्मा ने बताया कि बड़े उद्योग बिना एनओसी भूजल दोहन नहीं कर सकेंगे। उन्होंने बताया कि सभी नए और मौजूदा उद्योग, उद्योग जो विस्तार करना चाहते हैं, आधारभूत ढांचे से जुड़ीं परियोजनाएं, खनन परियोजनाएं, वृहत जल आपूर्ति, शहरी जल आपूर्ति योजनाएं, खारा जल निष्कर्षण के लिए एनओसी लेना अनिवार्य होगा।

इन श्रेणियों में एनओसी की अनिवार्यता की छूट

डॉ शर्मा ने बताया की कुछ श्रेणियां में एनओसी लेने की छूट दी गई है। व्यक्तिगत घरेलू उपभोक्ता द्वारा पीने के पानी एवं घरेलू कार्यों में उपयोग का पानी, ग्रामीण पेयजल आपूर्ति योजनाएं, सशस्त्र सेना और केन्द्रीय

सशस्त्र पुलिस बल प्रतिष्ठान, कृषि कार्य के लिए, छोटे और लघु उद्योग (10 क्यूबिक मीटर प्रतिदिन से कम भूजल निकालते हैं), सभी उद्योग-खनन आधारभूत परियोजनाएं जो केवल पीने या घरेलू उपयोग के लिए 5 क्यूबिक मीटर प्रतिदिन तक भूजल निकालते हैं, आवासीय अपार्टमेंट और ग्रुप हाउसिंग सोसायटी, पीने के पानी एवं घरेलू कार्य के लिए (प्रतिदिन 20 क्यूबिक मीटर भूजल का दोहन), सरकारी योजनाओं के तहत आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों की आवासीय इकाइयां को एनओसी लेने से छूट दे गयी है।

एनओसी के लिए ये रहेगी अनिवार्यता

एनओसी प्राप्त करने के लिए कुछ अनिवार्य शर्तें रखी गई हैं। जिसमें टेलिमेटरिक सिस्टम युक्त टैंपर प्रूफ डिजिटल वाटर फ्लो मीटर लगाना, रूफटॉप रेन वाटर हार्वेस्टिंग एवं रिचार्ज स्ट्रक्चर का निर्माण, डिजिटल जल प्रवाह मीटर के साथ पिजोमीटर लगाना, समय-समय पर भूजल की गुणवत्ता का विश्लेषण और मॉनिटरिंग आवश्यक होगी। इसकी अतिरिक्त कुछ विशिष्ट दिशा निर्देश भी दिए गए हैं, जिसके अनुसार उद्योगों को उचित जल प्रबंधन की तकनीक काम में लेनी होगी जिससे भूजल पर निर्भरता कम हो सके। उपचारित या अनुपचारित जल को एक्वायफर में डालना पूर्णतया निषेध होगा। साथ ही भूजल को प्रदूषित करने की रोकथाम करने के प्रयासों को सुनिश्चित करना होगा। खनन उद्योगों के लिए खनन गतिविधियों, डस्ट सस्पेंशन के दौरान किए जाने वाली जल निकासी प्रक्रिया के दौरान काम में लिए गए जल का उपयोग करना अनिवार्य किया गया है। आधारभूत ढांचों के प्रोजेक्ट में सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) का निर्माण अनिवार्य किया गया है। प्रदेश में ट्यूबवैल की खुदाई की ड्रिलिंग रिग (खुदाई मशीन) का रजिस्ट्रेशन भी अनिवार्य होगा और इन पंजीकृत ड्रिलिंग रिग्स द्वारा खोदे गए ट्यूबवेल का डेटाबेस भी रखा जाएगा।

जिला मजिस्ट्रेट एवं उप खंड मजिस्ट्रेट को पालना सुनिश्चित करने के लिए किया अधिकृत

केन्द्रीय भूमि जल प्राधिकरण (सीजीडब्ल्यूए) ने भूजल दोहन के लिए एनओसी का उल्लंघन करने वालों, एनओसी के लिए आवेदन नहीं करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करने का जिला कलक्टर और प्रत्येक उपखंड के एसडीएम को अधिकार दिए हैं। राज्य सरकार ने सभी जिला मजिस्ट्रेट एवं उपखंड मजिस्ट्रेट से केंद्रीय भूमि जल प्राधिकरण द्वारा प्रदत्त गाइडलाइंस की पालना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। भूजल दोहन के लिए केंद्रीय भूमि जल प्राधिकरण की एनओसी लेना अनिवार्य होगा। गाइडलाइन की उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। इसमें अवैध ट्यूबवेलों को सील करना, अवैध ट्यूबवेलों की विद्युत सप्लाई को रोकना, उल्लंघन करने वालों के खिलाफ पर्यावरण सुरक्षा एक्ट 1986 की अनुपालना में अभियोजन की कार्यवाही करना शामिल हैं।

खबरें फटाफट

कल के अस्तित्व के लिए पेड़ पौधों का होना आवश्यक : प्रेमचंद

■ संजीवनी टुडे

बांदीकुई। दिनांक 18 जुलाई 24 को पुलिस थाना बांदीकुई मैं थाना प्रभारी प्रेमचंद के नेतृत्व में 101 पौधे लगाए गये और उन्होंने कहा भविष्य में बढ़ते तापमान और कल के अस्तित्व के लिए पेड़ पौधों का होना आवश्यक है वृक्ष मनुष्य की ज़रूरतें और जीवन का आधार भी फलदार छायादार फूलदार पौधे लगाए और सभी पौधों की सार संभाल की ज़िम्मेदारी भी ली इस दौरान जिलाध्यक्ष नीरू दडगस सुरेन्द्र माल मोहन कुमार गौतम हुकम सिंह पदम माल हीरालाल भजाक माधोसिंह आदी लोग मौजूद थे।

महिला मेट ने लगाए फर्जी आईडी बनाकर 35 मस्टररोल के पैसे हड़पने का आरोप

■ संजीवनी टुडे

भींडर ।निकटवर्ती चारगदिया ग्राम पंचायत की मेट ने सरपंच पति के खिलाफ उसके मस्टररोल के पैसे हड़पने एवं धमकी देने के आरोप लगाते हुए एसडीएम को शिकायत की है। चारगदिया निवासी मेट अनिता प्रजापत ने शिकायत पत्र में बताया कि वह नरेगा में 4 सालों से मेट का काम करती है। उसके 35 मस्टररोल के पैसे बकाया हैं। सरपंच पति ने किसी और को मेट बनाकर उसकी फर्जी आईडी से सारा पैसा उठा लिया। सरपंच पति को बार-बार कहने पर अब वो धमकी देता है कि जो करना है वो कर लेना। मेट अनिता प्रजापत ने पंचायत के 5 साल में हुए मनरेगा कार्यों की जांच की मांग की है। चारगदिया सरपंच पति देवीलाल मीणा ने बताया कि उसके पास मेट की आईडी नहीं है, वो अभी बनी है। इसके अलावा मैंने पहले ही उसको बोल दिया था कि इसमें मेट का पेमेंट नहीं है। तुझे काम करना हो तो कर इसलिए उसका पेमेंट नहीं हुआ।

दीपक शर्मा ने एक बार फिर प्री नेशनल किया क्वालीफाई

■ संजीवनी टुडे

उदयपुर । हाल ही में जगतपुरा जयपुर में आयोजित हुई 22वीं राजस्थान स्टेट चैंपियनशिप में उदयपुर के दीपक शर्मा ने 10 एम पिस्टल शूटिंग में सीनियर कैटेगरी में प्री नेशनल कंपटीशन के लिए क्वालीफाई किया है, जो कि गोवा में होने वाला है । दीपक शर्मा ने पहले भी कई बार पिस्टल शूटिंग में मेडल हासिल करके शानदार प्रदर्शन किया है व उदयपुर का नाम रोशन किया है । दो बार वर्ल्ड रिकॉर्ड भी डिफरेंट कैटेगरी में बना चुके हैं । दीपक सारा अभ्यास बिना किसी कोचिंग एवं के ही करते हैं, पिछले वर्ष भी अच्छे अंक के साथ नेशनल के लिए क्वालीफाई किया था।

स्वाधीनता दिवस की पूर्व तैयारी बैठक 23 जुलाई को

■ संजीवनी टुडे

डूंगरपुर। स्वाधीनता दिवस समारोह, 2024 (15 अगस्त 2024) का कार्यक्रम सुनियोजित तरीके से आयोजित करने के लिए जिला कलक्टर अंकित कुमार सिंह की अध्यक्षता में 23 जुलाई को प्रातः 11 बजे ईडीपी सभागार, जिला कलक्टर कार्यालय परिसर डूंगरपुर में पूर्व तैयारी बैठक आयोजित की जाएगी। अतिरिक्त जिला कलक्टर कुलराज मीणा ने समस्त जिला स्तरीय अधिकारियों को बैठक में निर्धारित तिथि एवं समय पर स्वयं उपस्थित होने के निर्देश दिए हैं।

राजकीय सम्प्रेक्षण गृह में पौधारोपण किया

■ संजीवनी टुडे

डूंगरपुर। राजकीय सम्प्रेक्षण एवं किशोर गृह, डूंगरपुर में प्रधान मजिस्ट्रेट देवागिनी औदिच्य, किशोर न्याय बोर्ड डूंगरपुर द्वारा पौधारोपण किया गया। जिसमें बाल अधिकारिता विभाग की सहायक निदेशक पिंकी मीणा, लेखाधिकारी खुशवीर सिंह चौहान एवं समस्त किशोर न्याय बोर्ड सदस्य एवं कार्यालय स्टॉफ उपस्थित रहे।

बार एसोसिएशन बांदीकुई के अध्यक्ष पद निर्विरोध महावीर गुर्जर मनोनीत

■ संजीवनी टुडे

बांदीकुई । सभी अधिवक्ताओं बार एसोसिएशन बांदीकुई के अध्यक्ष पद पर निर्विरोध महावीर सिंह गुर्जर को नियुक्त किया गया इसमें सर्वप्रथम समस्त अधिवक्ता ने फूल माला पहनाकर और बार अध्यक्ष का राजस्थानी परंपरा के अनुसार साफा पहनकर स्वागत किया सभी सभी को लड्डू लड्डू खिलाकर मीठा मुंह करवाया इसके उपरांत नियुक्त अध्यक्ष ने न्यायिक अधिकारों से शिष्टाचार भेंट की अध्यक्ष ने कहा कि मैं वकीलों के हित के लिए सदैव तत्पर रहूंगा इस दौरान वरिष्ठ सीनियर अधिवक्ता रघुवीर सिंह ,पूर्व बार अध्यक्ष श्याम सुंदर अग्रवाल, ऋषभदेव जैमन, रामराय शर्मा, राजेंद्र प्रसाद ,राजेंद्र गुर्जर, राजेश भड़ाना ,घनश्याम गुर्जर, नवल किशोर, सुरेंद्र सिंह गुर्जर, मुकेश रानीवाल, दिलीप बैरवा, दिनेश नगर , सुभाष चंद्र ,सुरेश गुर्जर ,महेंद्र तंवर ,गोविंद गुरु, विनेश वर्मा, विश्राम दयाल प्रजापत , पूरणमल बैरवा ,निरंजन सिलोटिया, राजेश बेरवा, मानसिंह बेरवा, मुकेश शर्मा, दुलीचंद नागर, जयप्रकाश एवं अन्य अधिवक्ता गण उपस्थित रहे।

इनग्रुप के 'रुकना नहीं है' कैम्पेन का हिस्सा बने एथलीटों में नीरज चोपड़ा, मनु भाकर और पुरुष रिले टीम शामिल

■ संजीवनी टुडे

नई दिल्ली। पेरिस 2024 ओलंपिक खेलों के करीब आने के साथ जेएसडब्ल्यू ग्रुप ने अपने लंबे समय से चल रहे और बेहद सफल कैम्पेन - रुकना नहीं है - को एक नई फिल्म के लॉन्च के साथ फिर से जीवंत कर दिया है। यह कैम्पेन उन एथलीटों पर आधारित है जो अब से दो सप्ताह से भी कम समय में दुनिया के सबसे बड़े खेल आयोजन के दौरान भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। भारत के गोल्डन बॉय और मौजूदा ओलंपिक चौंपियन नीरज चोपड़ा द्वारा बुधवार को लॉन्च किए गए इस अभियान में डिजिटल प्लेटफॉर्म के लिए एक लंबा संस्करण और खेलों से पहले और उसके दौरान लोकप्रिय चैनलों पर प्रसारित होने वाला एक छोटा टीवी विज्ञापन शामिल है। पिछले एक दशक में भारत में ओलंपिक आंदोलन का नेतृत्व करने वाले जेएसडब्ल्यू ग्रुप ने हमेशा खेलों को आधार बनाकर आकर्षक अभियान चलाए हैं और पेरिस ओलंपिक की तैयारियां भी इससे अलग नहीं रही हैं। यह फ़िल्म एथलीटों की तैयारी को उजागर करने के साथ-साथ खेलों में जीत न पाने के भावनात्मक परिणामों को भी दर्शाती है। यह एथलीट के प्रदर्शन के बारे में लोगों की धारणा को दर्शाती है - अगर वे जीतते हैं तो जश्न और प्रसिद्धि, और अगर वे हारते हैं तो शर्मिंदगी और आलोचना। और इस प्रक्रिया में, यह कैम्पेन इस बात पर ज़ोर देता है कि एथलीटों को किसी भी परिणाम से विचलित नहीं होना चाहिए, जल्दी से अभ्यास पर लौटना चाहिए और अपनी अगली चुनौती के लिए तैयारी करनी चाहिए।

सरल लेकिन विचारोत्तेजक, यह फ़िल्म एथलीटों के मजबूत संकल्प और चाहे कुछ भी हो जाए, रुकने से इन्कार करने के जज्बे को रेखांकित करती है। ओगिल्वी द्वारा परिकल्पित और गुड मॉर्निंग फ़िल्म्स के शशांक चतुर्वेदी द्वारा निर्देशित, इसमें विभिन्न ओलंपिक विषयों के जाने-माने और उभरते हुए एथलीटों को जोड़ा गया है, जिनमें नीरज चोपड़ा, निशांत देव, प्रीति पवार, मनु भाकर, मनिका बत्रा और मुहम्मद अनस शामिल हैं। सेलिब्रिटी फिल्म स्टार अजय देवगन ने इस फिल्म को अपनी आवाज दी है। यह अभियान पेरिस ओलंपिक 2024 के लिए भारतीय ओलंपिक संघ के साथ जेएसडब्ल्यू ग्रुप के सहयोग का भी जश्न मनाता है। अभियान और फिल्म के बारे में अपने विचार साझा करते हुए जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स के फाउंडर पार्थ जिंदल ने कहा, "जेएसडब्ल्यू समूह के अभियान के रूप में 'फ्रुकना नहीं है', अब अपने तीसरे ओलंपिक खेलों में प्रवेश कर चुका है, और यह एक नारे से बढ़कर अब एक भावना, एक विश्वास बन गया है कि टीम इंडिया और हम सभी पेरिस जाएंगे। फिल्म एथलीटों के अथक परिश्रम को पूरी तरह से हमारे सामने लाती है। हमारे लिए, वे पहले से ही चैंपियन हैं। मुझे यकीन है कि यह फिल्म पेरिस में हमारे खिलाड़ियों की टीम और हर उस भारतीय को प्रेरित करेगी, जो खेलों की पूरी यात्रा में एथलीटों का समर्थन करने के लिए तैयार है।" टीवीसी की लॉन्चिंग के अवसर पर ओगिल्वी के चीफ क्रिएटिव ऑफिसर सुकेश नायक ने कहा, "फ्रुकना नहीं है' का कॉन्सेप्ट बहुत दिलचस्प और प्रेरणादायक है। हमें जेएसडब्ल्यू ग्रुप और हमारे एथलीटों के साथ पहले दिन से ही इस यात्रा का हिस्सा बनने पर गर्व है। यह अभियान हमारे एथलीटों की मानसिकता को चित्रित करके 'रुकना नहीं है' के वास्तविक जज्बे को जीवंत करता है। जिनके लिए जीत और असफलताएँ अध्याय हैं और कहानी का अंत नहीं, यह कैम्पेन उनके अथक प्रयास का सम्मान करता है जो हमारे देश को उज्ज्वल बनाता है।" फिल्म के अलावा, कैंपेन को व्यापक 360-डिग्री मीडिया प्लानिंग के माध्यम से आगे बढ़ाया जाएगा, जिसमें टीवी, डिजिटल, ओटीटी, डिजिटल इनोवेशन, ओओएच, ऑन-ग्राउंड एक्टिवेशन और प्रिंट का लाभ उठाया जाएगा। जेएसडब्ल्यू इंस्पायर, जिसे जेएसडब्ल्यू ग्रुप ने 2022 में लॉन्च किया था, एक एथलीजर ब्रांड है जिसने 2022 कॉमनवेल्थ गेम्स और 2023 एशियाई खेलों में टीम इंडिया को प्रायोजित किया था। ब्रांड का उद्देश्य पेशेवर और महत्वाकांक्षी एथलीटों दोनों के लिए वैश्विक मानकों से मेल खाते हुए उच्च गुणवत्ता वाले, भारत निर्मित एक्टिववियर प्रदान करना है। ओलंपिक गेम्स पेरिस 2024 के लिए आधिकारिक टीम इंडिया किट आकिब वानी द्वारा डिज़ाइन की गई है, जिन्होंने भारतीय क्रिकेट टीम की जर्सी भी डिज़ाइन की है।

बैंक ऑफ बड़ौदा के 117वें स्थापना दिवस पर किया पौधारोपण

■ संजीवनी टुडे

राजगढ़ (अलवर)। पंचायत समिति क्षेत्र के गांव सकट में बैंक ऑफ बड़ौदा बैंक के 117 वे स्थापना दिवस के उपलक्ष में बैंक ऑफ बड़ौदा शाखा सकट की और से गुरुवार को बैंक के शाखा प्रबंधक पवनजीत यादव के नेतृत्व में कस्बे की काली पहाड़ी की तलहेटी में स्थित भैंसासुर महाराज मंदिर परिसर में एक बरगद का पौधा लगाकर पौधरोपण कार्यक्रम की शुरुआत की गई। शाखा प्रबंधक पवनजीत यादव ने बताया कि बैंक का स्थापना 20 जुलाई को मनाया जाएगा। बैंक के स्थापना दिवस कार्यक्रम को लेकर तीन दिवसीय पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा जिसके तहत धार्मिक व सार्वजनिक स्थलों के साथ ही विधालयो में पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इस दौरान उन्होंने कहा कि हरियाली से ही खुशहाली संभव है। पौधों से हमें

ऑक्सीजन मिलती है प्रत्येक मनुष्य को एक वर्ष में कम से कम पांच पौधे अवश्य लगाने चाहिए। पेड़ों के कारण ही बरसात आती है। इसलिए लोगों को अधिक से अधिक पौधे लगाकर उनकी देखभाल करनी चाहिए। इस मौके पर लोगों को पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। इस मौके पर बैंक के सहायक मैनेजर दीपक कुमार छावरिया, हेड कैशियर संत राम मीणा, बाबूलाल मीणा, भगवान सहाय, विनोद कुमार सैनी सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

आपसी रंजिश में एक व्यक्ति की मारपीट कर हत्या : हत्यारों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर कोटखावदा बाजार 4 घंटे तक रहा बंद

■ संजीवनी टुडे

कोटखावदा । यहां गुरुवार को तुगां सड़क पर पेट्रोल पंप के सामने बुधवार रात करीब एक से डेढ़ बजें के बीच ढाबे पर सो रहे रमजानीपुरा निवासी राम खिलाड़ी मीना पुत्र जोधा राम मीना की आपसी रंजिश के चलते कुछ लोगों ने लाठी व डण्डों से मार-पीट कर हत्या कर दी? गई है । और गुरुवार को सुबह एक व्यक्ति की हत्या की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीणों की भीड़ ने आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर पुलिस थानें के सामने इकठ्ठे हो गए और चाकसू - दौसा स्टैट हाइवे पर टायर जलाकर रास्ता जाम कर दिया और इतना ही नहीं घटना के विरोध में कोटखावदा बाजार बंद कर दिया गया था और वही कोटखावदा थाना अधिकारी अब्दुल वहीद ने बताया कि इस सम्बन्ध में मृतक के भाई नंदराम मीना पुत्र जोधा राम मीना निवासी रमजानीपुरा ने सुरज्ञान जाट पुत्र गोगाराम जाट निवासी रामनगर, राहुल जाट पुत्र प्रहलाद जाट निवासी लक्ष्मी पुरा जयप्रकाश मीना (जेपी) पुत्र राम प्रसाद मीना नंदलालपुरा सहित अन्य के खिलाफ मारपीट कर हत्या का मामला दर्ज करवाया है । कि मेरा भाई राम खिलाड़ी बुधवार को दोपहर बाद 3 बजें के लगभग गांव से कोटखावदा आया था। रात को 10 बजें के लगभग राम खिलाड़ी व रमजानीपुरा का ही सन्नी मीना ढ़ाबे पर खाना खाने आए थे। उनके पहुंचे के बाद 4-5 व्यक्ति भी ढ़ाबे पर आए तो किसी बात को लेकर झगड़ा हो गया। खाना खाने के बाद मेरा भाई व सन्नी वहीं ढ़ाबे पर खाटों में सो गए था और रात को लगभग 1.30 पर सन्नी के मोबाइल पर फोन आया कि जिस जगह पर सो रहे हो वहीं पर रहना।उसी बीच 8-10 व्यक्ति आएं और सो रहे राम खिलाड़ी पर ताबड़तोड़ मारपीट कर मरा हुआ समझ कर भाग गए और वही सन्नी मीना भी घटना के बाद घर चला गया व घटनाक्रम को लेकर किसी भी तरह की कोई जानकारी नहीं दी गई और रात 2 बजें के लगभग पेट्रोल पंप के सामने ढ़ाब से सुरज्ञान का जितेन्द्र मीना के पास फोन आया और बताया की राम खिलाड़ी के साथ 8-10 लड़कों ने मारपीट कर दी जिससे वह घायल हो गया जिससे अस्पताल लेकर जा रहा हूं। सूचना पर हम अस्पताल पहुंचे ओर पुलिस को सूचना दी गई और जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर चाकसू मौचरी में रखा गया और जहां शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया गया था और वही परिजनों ने दाग़ संस्कार कर दिया गया है । वहीं पुलिस घटना की जांच में जुट गई है ।

न्याँगली का निराला अंदाज,मंत्री को करनी पड़ी जाँच की घोषणा, घोटाले की भेंट चढ़े 11 नलकूप, मंत्री दिलावर ने दिए जाँच के आदेश

विधायक मनोज न्याँगली के प्रश्न के जवाब में सदन में असहज नजर आई सरकार

■ संजीवनी टुडे

गत सरकार की कारगुजारी पर पंचायत राज मंत्री ने दुख प्रकट करते हुए शेष 11 नलकूपों को शुरू करने का दिया आश्वासन

जयपुर। गुरुवार को प्रश्नकाल के दौरान विधानसभा में सादुलपुर विधायक मनोज न्याँगली ने एक बड़े घोटाले को उजागर किया। क्षेत्र व प्रदेश के आमजन के मुद्दों को इन दिनों गंभीरता के साथ सदन में रख रहे विधायक न्याँगली ने सादुलपुर क्षेत्र में नलकूप निर्माण के मुद्दे पर सरकार को घेरा। अपने तारांकित प्रश्न की मार्फत उन्होंने पंचायत राज मंत्री मदन दिलावर से पूछा कि विगत तीन वर्ष में सादुलपुर क्षेत्र में पंचायत समिति मद से कुल कितने नलकूप/बोरवेल स्वीकृत किये गए हैं। मंत्री ने ज्यों ही स्वीकृत कुल 16 नलकूप की ग्रामवार सूचि सदन पटल पर रखी तो विधायक ने सवाल किया कि उक्त स्वीकृत 16 नलकूप में से कितने चालू हालत में हैं। विधायक ने यह उत्तर प्राप्त होते ही कि इनमे से केवल 5 पांच नलकूप ही चालू हालत में हैं,मंत्री से पूरक सवाल किया कि शेष 11 नलकूपों दो वर्ष बीत जाने के बाद भी सरकार क्यों नहीं शुरू करवा पाई,कार्य पूर्ण होने से पूर्व ही संबंधित फर्म को भुगतान क्यों किया गया,क्या सरकार लाखों रूपये राशि से स्वीकृत इन नलकूपों को शुरू करने तथा इनका भुगतान उठाने वाली फर्म व मामले में शामिल

अधिकारियों के खिलाफ कार्यवाही करना चाहती है? विधायक मनोज न्याँगली के उक्त प्रश्नों से असहज मंत्री दिलावर ने दुख प्रकट करते हुए सदन में घोषणा की कि गत सरकार की विफलता से ऐसा हुआ है तथा वे इस मामले की जाँच करवाएंगे एवं इस मामले में शामिल अधिकारियों के खिलाफ भी कार्यवाही की जाएगी जिन्होंने जनता के पैसे का दुरूपयोग किया है। मंत्री ने घोषणा की कि सरकार शेष नलकूपों को भी जल्दी ही शुरू करवा देगी।

सदन पटल पर रखे आंकड़ों के अनुसार विगत तीन वर्ष में गत सरकार ने दक्षिण राजगढ़ के नौ गाँवो में पेयजल सुविधा हेतु पंचायत समिति मद से कुल 16 नलकूप स्वीकृत किये गए थे। ये नलकूप नुहंद, थिरपाली छोटी, थिरपाली बड़ी,गूगलवा,सुलखनीया बड़ा, सुलखनीया छोटा,नोरंगपुरा,नवा आदि गाँवो में शुरू किये जाने थे। इनके निर्माण के लिए प्रत्येक नलकूप हेतु करीब 4 से 10 लाख रूपये तक की राशि स्वीकृत की गई थी। गौरतलब है कि कुछ दिन पूर्व गर्मियों के मौसम में पूरा क्षेत्र गंभीर पेयजल की समस्या से जूझ रहा था। ये नलकूप कागजो में सक्रिय हालत में दर्शाए जा रहे थे।

नौनिहालों की अनूठी मुहीम, 1000 से ज्यादा सीड्स बॉल बनाये

■ संजीवनी टुडे

जयपुर। सांगानेर क्षेत्र के प्रताप नगर में संचालित कीवी किड्स एकेडमी स्कूल की पहल काम कर रही है, स्कूल के विद्यार्थी अध्यापिकाओं के साथ मिलकर बरसात के दिनों हजारों सीड बॉल तैयार करते हैं ताकि ये बीज बरसात के दिनों में पौधों का आकार लेकर बड़ी मात्रा में ऑक्सीजन का स्त्रोत बनें। सीडबॉल पद्धति से इस बार जिले में करीब 1000 सीडबॉल बनाये और इन्हे गुलेल के माध्यम से ऐसी जगहों पर छिड़का जाएगा जहां जाना संभव नहीं हो पाता और गड्डे खोदकर मिटटी में दबाकर पेड़ पौधों को बढ़ने का कार्य किया जायेगा। संस्था संचालक राघवेंद्र शर्मा ने बताया कि विद्यालय की अध्यापिकाओं और विद्यार्थियों ने पिछले कुछ दिनों में गोबर मिट्टी और बीज मिक्स कर सीड्स बॉल बनाई एक बॉल में कई बीज होते हैं जो प्राकृतिक तरीके से उगते हैं विशेषज्ञों के अनुसार है इसकी सफलता काफी अधिक होती है पहाड़ी और दुर्गम क्षेत्रों में पौधारोपण कठिन है ऐसे में यह तकनीक अपनाई गई है। मुख्य तौर पर पीपल बड़ नीम शीशम तथा जामुन के बीज है। छिड़काव से पहले इन बीजों को भिगोकर रखा गया, ताकि थोड़ी सी भी मिट्टी मिलती ही यह बीज जड़ पकड़ ले। शर्मा ने बताया की बच्चों को शिक्षा के साथ पर्यावरण के बारे में भी जागरूक करना आवश्यक है।

खबरें फटाफट

सड़क हादसे में पति-पत्नी घायल, दोनों की हालत नाजुक

■ संजीवनी टुडे

राजसमंद। राजसमंद में कुंवारिया पुलिस थाना इलाके में फियावड़ी के पास सड़क हादसे में बाइक सवार पति-पत्नी घायल हो गए। दोनों की हालत नाजुक बताई गई है। जानकारी के अनुसार कांकरोली-भीलवाडाफोरलेन पर फियावड़ी के पास किरण माहेश्वरी कॉलेज के ठीक सामने यह हादसा हुआ। जिसमे बाइक पर सवार होकर पति-पत्नी गुजर रहे थे कि बाइक गाय की चपेट में आ गई। इससे बाइक सवार दंपती नीचे गिर गए और गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद राहगीरों ने 108 एम्बुलेंस को सूचना दी। इसके बाद मौके पर एम्बुलेंस पहुंची और ग्रामीणों की मदद से दोनों घायल को आरके हॉस्पिटल पहुंचाया गया। जहां दोनों की हालत गंभीर होने पर अनंता हॉस्पिटल के लिए रेफर कर दिया गया। जानकारी के अनुसार बताया कि बुजुर्ग दंपती दयाराम व उनकी पत्नी जमना बाइक पर सवार होकर राजसमंद-भीलवाड़ा राजमार्ग से खंडेल की तरफ जा रहे थे। इसी दौरान फियावड़ी के पास किरण माहेश्वरी कॉलेज के सामने यह हादसा हो गया।

एरियापति स्थित सांवरियाजी मंदिर के शिखर का निर्माण कार्य शुरू

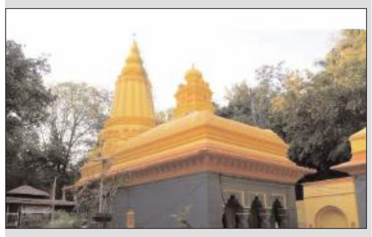

■ संजीवनी टुडे

प्रतापगढ़। एरियापति रोड स्थित सांवरियाजी मंदिर का बुधवार को देवशयन एकादशी के पर्व पर शिखर का निर्माण कार्य प्रारंभ किया गया। जिसमें वार्ड पार्षद मुकेश जैन सहित कॉलोनी के सदस्यों ने बढ़-चढक़र हिस्सा लिया। जिसमें सहयोग राशि भी दी। इस मंदिर में प्रस्तावित निर्माण कार्य मंदिर शिखर निर्माण कार्य छत पर चाइना मोजक कार्य, मंदिर कलर वह लाइटिंग, स्टील रेलिंग कार्य एवं मंदिर सौंदर्यकरण आदि किए जाएंगे। मंदिर पुजारी सेवक प्रकाश ने यह जानकारी दी।

राजस्थान पुलिस के दामन पर फिर लगा दाग, कांस्टेबल ने घर पर विवाहिता से किया रेप

■ संजीवनी टुडे

कोटा।राजस्थान के कोटा शहर से बड़ी खबर सामने आई है। यहां तैनात एक कांस्टेबल ने खाकी को एक बार फिर शर्मसार किया है। पुलिस ने एक विवाहिता की शिकायत पर गुरुवार को शहर पुलिस के एक कांस्टेबल के खिलाफ बलात्कार का मामला दर्ज किया है। पीड़िता आरोपी कांस्टेबल को पहले से ही जानती थी। पुलिस को दी जानकारी के मुताबिक, विवाहिता ने बताया कि नयापुरा निवासी कांस्टेबल का उसके घर आना जाना था। तीन दिन पहले कांस्टेबल घर आया और मुझे अकेली पाकर बलात्कार किया। पीड़िता ने आगे बताया कि आरोपी ने उसे धमकी दी की अगर यह बात किसी को बताई तो उसके लिए अच्छा नहीं होगा। कांस्टेबल विज्ञाननगर थाना क्षेत्र में तैनात है। कोटा सिटी एसपी डॉ.अमृता दुहन ने बताया कि विवाहिता की शिकायत पर कांस्टेबल के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

हाईवे पर हो रही लूटपाट पर रोक की मांग, आईजी को सौंपा ज्ञापन

■ संजीवनी टुडे

उदयपुर।होटल संस्थान दक्षिणी राजस्थान ने पर्यटकों के साथ हाईवे पर हो रही लूटपाट एवं पत्थरबाजी की घटनाओं पर रोकथाम के लिए आईजी उदयपुर रेंज अजय पाल लांबा और पर्यटन उपनिदेशक को ज्ञापन सौंपा। होटल व्यवसायियों ने कहा कि यहां पर्यटक चार पहिया एवं दो पहिया वाहनों से भी आते हैं। इनके अलावा बाइकर्स ग्रुप भी यहां के हाईवे से गुजरते हैं। पिछले कुछ समय से पर्यटकों की गाड़ियों पर पत्थरबाजी एवं उन्हें रोककर लूटना, मारपीट करने की घटनाओं से प्रदेश की छवि खराब हो रही है। उदयपुर से पिंडवाड़ा-बिछीवाड़ा- सलूंबर हाईवे पर सबसे ज्यादा घटनाएं होती हैं। इन पर रोक लगाने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाने जरूरी हैं। इस दौरान अध्यक्ष सुभाष सिंह राणावत, उपाध्यक्ष केपी अग्रवाल, सचिव राकेश चौधरी, कोषाध्यक्ष अंबालाल साहू, सदस्य राहुल सिंह कुमावत आदि मौजूद रहे।

जवाहर नवोदय विद्यालय में संभाग स्तरीय एथलेटिक्स जूडो प्रतियोगिता शुरू

■ संजीवनी टुडे

राजसमंद। भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय द्वारा संचालित जवाहर नवोदय विद्यालय की संकुल संभाग स्तरीय एथलेटिक्स एवं जूडो का गीत प्रतियोगिता का शुभारंभ जवाहर नवोदय विद्यालय राजसमंद में 18 जुलाई 2024 को हुआ। प्रतियोगिता 20 जुलाई 2024 तक आयोजित होगी। विद्यालय प्राचार्य श्री गणेश मीणा ने बताया कि उक्त प्रतियोगिता में जयपुर संभाग के 22 विद्यालय के कुल 228 खिलाड़ी विभिन्न वर्गों में भाग लेने हेतु उपस्थित हुए हैं उक्त प्रतियोगिता का उद्घाटन विद्यालय परिसर में किया गया है।

अघौषित बिजनली कटोती से ग्रामीण परेशान: ग्रामीणों कि शिकायत पर प्रधान ने कि जनसुनवाई

एवीवीएनएल भूपालसागर में आधे से ज्यादा टेक्नीकल पद रिक्त, अधिकारी बोले सावा के बजाय चन्देरीया से जुडवायें लाईन

■ संजीवनी टुडे

भूपालसागर। भूपालसागर पंचायत समिति के प्रधान कक्ष क्षेत्र के बबराना, बुल, लुणेरा, पारी, काना खेड़ा, उसरोल, बबराना, रामाखैड़ा, बालद बाबरीयों का खैड़ा आदि गावों में पीछले कई दिनों से हो रही अघोषित बिजली कटोती को लेकर परेशान ग्रामीणों कि शिकायत पर भूपालसागर प्रधान हेमेन्द्र सिंह राणावत ने जनसुनवाई आयोजित कि जिसमें पंचायत समिति सदस्य सत्यनारायण अहीर, सुरेशचन्द्र गाडरी, एसीबीओ लक्ष्मण सिंह चुण्डावत, सहायक अभियन्ता हरिशंकर मीणा, कनिष्ठ अभियन्ता अनिरूद्ध, लाईनमेन कमलेश जायसवाल, नरवर सिंह, एफआरटी कार्मीक एवं ग्रामीण उपस्थित रहे। भूपालसागर पंचायत समिति क्षेत्र के गांवों में पीछले कई दिनों से हो रही अघोषित बिजली कटोती कि ग्रामीणों से प्राप्त शिकायत पर प्रधान ने अधिकारी, जनप्रतिनिधी एवं ग्रामीणों की संयुक्त जनसुनवाई का आयोजन किया जिसमें क्षेत्र में उत्पन्न बिजली संकट के बारें में विस्तृतअ चर्चा कि गई। राणावत ने एइएन से पीछले कई दिनों से हो रही बिजली कटोती से क्षेत्र में गहराये बिजली संकट के बारें में जानकारी ली तो एइएन ने बताया कि लोड सीडींग के साथ साथ अभी बारीश का मौसम है जिससे कि उपभौक्ताओं को दोहरी बिजली कटोती का सामना करना पड़ रहा है। बारीश के मौसम में आने वाले फाल्ट, हवा से लाइन पर पेड़ गिरने, बिजली के गिरने, इन्सुलेटर के फुटने आदि कई कारणों से बिजली सप्लाई को बंद रखना पड़ता है साथ ही वर्तमान में उपर से लोड सीडींग कि कटोती आगे से ही होना यह सब बातें बिजली कटोती एवं बिजली संकट की और इशारा करती है। साथ ही भूपालसागर क्षेत्र में 50 फीडर है जिन पर 61 तकनिकी कर्मचारीयों के पद स्वीकृत है और उसमें से सीर्फ 30 कर्मचारी कार्यरत है। साथ ही कनिष्ट अभियन्ता के भी 2 पद रीक्त है, मंत्रालयिक कर्मचारीयों के 10 पद स्वीकृत है जिमें से 4 पद रीक्त है। कर्मचारीयों कि कमी से भी काम करने में समय लग रहा है फिर भी जो कर्मचारी कार्यरत है वे दिन रात बिजली में आने वाले फाल्ट को निकालने में लग रहे है। बुधवार को भी आकाषीय बिजली गिरने से जैन मन्दिर के पास ट्रांस्फारमर जल गया जिससे भी करीबन 3 घण्टे तक बिजली बंद रही तत्काल के लिए अन्य ट्रांस्फारमर से जोड़कर बिजली को सुचारू किया गया।

सावा के बजाय चन्देरीया से जुडवायें लाईन

सहायक अभियन्ता ने बताया कि अभी भूपालसागर में सावा से बिजली सप्लाई चल रही है जिस पर लोड सीडींग के ज्यादा मैसेज आते है, अगर इस लाईन को चन्देरीया से जोड दिया जाय तो कपासन सहित भूपालसागर में भी बिजली संकट कम हो जायेगा क्योकि चन्देरीया वाली लाइन पर लोड सीडींग कम आता है।

प्रधान ने सांसद, विधायक एवं एससी को फोन लगाकर कर बिजी व्यवस्था सुधारने कि की मांग

प्रधान राणावत ने सांसद सीपी जोशी, विधायक अर्जुन लाल जीनगर एवं एससी सिंह को फोन लगाकर बिजली समस्या को सुचारू करने कि मांग करते हुए कहा कि अगर सावा वाली लाइन में लोड सीडींग ज्यादा आता है तो तुरन्त हमारी लाईन को चन्देरीया से जोड़कर क्षेत्रवासीयों को बिजली संकट से राहत दिलाये। प्रधान ने अधिकारी से यह भी कहा कि अगर बिजली समस्या से क्षेत्रवासीयों को निजात नहीं मिलती है तो क्षेत्रवासी आन्दोलन कि राह पकड़ लेगें जिससे कि बाद में हमारे को ही समस्या आयेगी।

लापरवाह बिजली विभाग: एक फॉल्ट निकालने में विभाग को लगे 7 घंटे, उपभोक्ता हुए परेशान

■ संजीवनी टुडे

कानोड़। नगर का बिजली विभाग कितना लापरवाह है ,इसकी बानगी गुरुवार को दिन में देखने को मिली, कानोड़, भींडर-उदयपुर मुख्य सड़क मार्ग पर शनिदेव मंदिर के एलटी लाइन बॉक्स में स्पार्किंग हुआ और लाइन फाल्ट हो गई, एलटी लाइन में आग लगती देख स्थानीय लोगों ने विभाग कर्मचारी को फोन कर बिजली बंद कराई जिसके कुछ देर बाद कर्मचारी मौके पर पहुंचे और मिट्टी डालकर आग बुझाई और लोट गए , गनीमत रही की लाइन में कोई विस्फोट नहीं हुआ वरना एक बड़ा हादसा हो जाता , 1 सप्ताह में लगातार तीसरी बार एलटी लाइन में लगी आग से स्थानीय लोग डरे हुए थे , लोगों ने विभाग अधिकारियों के खिलाफ आक्रोश भी व्यक्त किया । स्थानीय श्रवण श्रीमाली , महिपाल तेजावत सहित लोगों ने घटना की जानकारी के लिए जिम्मेदार अधिकारियों से शिकायत की तो करीब डेढ़ घंटे बाद बिजली विभाग के कर्मचारी पुनः फाल्ट को निकालने के लिए पहुंचे और कार्य शुरू किया बार-बार होते स्पार्किंग से परेशान लोगों ने मौके पर पहुंचे जेईन गोविंद

धाकड़ के सामने आक्रोश जताया । तेज गर्मी की उमस और दूसरी ओर करीब 7 घंटे तक बिजली बंद होना कॉलोनी वासियों का घर में रहना मुश्किल हो गया लेकिन विभाग अधिकारी बेपरवाह नजर आए । देर शाम करीब 6.50 बजे बिजली बहाल हुई । जमीन में डाली गई बिजली लाइन के इस एलटी बॉक्स में बीते समय में कई बार आज लगकर स्पार्किंग हो चुकी है ।

ना ग्लब्स ना संसाधन, कर्मचारी भी परेशान

फाल्ट निकालने पहुंचे कर्मचारी भी विभाग की उदासीनता का रोना रोते दिखे, उनके पास ना तो बिजली लाइन को ठीक करने के लिए हाथों में ग्लब्स उपलब्ध थे ना ही अन्य कोई संसाधन जिससे वह स्वयं भी देर तक डरे हुए परेशान होते रहे, कर्मचारियों ने विभाग के जेईएन के सामने अपनी पीड़ा व्यक्त की जिन्होंने भी कर्मचारियों यह कहकर पल्ला झाड़ दिया कि विभाग कार्यालय में ग्लब्स पड़े होंगे- मंगवा लेते । कर्मचारियों के पास ग्लब्स व संसाधन नहीं देख स्थानीय लोगों ने भी फाल्ट निकालने से मना कर दिया बिना संसाधन के हादसे का डर बना हुआ था ।

इनका कहना -

11 हजार केवी लाइन का फाल्ट जल्दी निकल जाता है, एलटी लाइन के फाल्ट निकालने में टाइम लगता है, कर्मचारी लगे हुए हैं, बिल्कुल सही है , बिजली लाइन के बंद रहने से , लोगों को परेशान होना पड़ा है । बारिश शुरू होते ही मैं सभी कर्मचारियों को ग्लब्स उपलब्ध कराए हैं।

महेश शर्मा
सहायक अभियंता कानोड़

जिला कलक्टर की अध्यक्षता में हुई जिला स्तरीय जनसुनवाई: अधिकारी जन समस्याओं के प्रकरणों को प्राथमिकता से निस्तारित करें

■ संजीवनी टुडे

सलूंबर। आमजन की जन समस्याओं के त्वरित निराकरण के लिए त्रि स्तरीय जनसुनवाई कार्यक्रम के तहत गुरुवार को जिला कलेक्टर परिसर के वीसी कक्ष में जिला कलक्टर जसमीत सिंह संधू की अध्यक्षता में जिला स्तरीय जनसुनवाई की गई। आमजन की समस्याओं का समाधान करने के लिए आयोजित जनसुनवाई के तहत सभी जिला स्तरीय अधिकारी वीसी कक्ष में उपस्थित रहे। जिला कलक्टर ने एक-एक कर परिवादियों की समस्याओं को धैर्यपूर्वक सुना और संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। जनसुनवाई में जिले के विभिन्न स्थानों से परिवादी अपने अभाव अभियोग लेकर उपस्थित हुए। जनसुवाई में अतिक्रमण, सड़क निर्माण, पानी, बिजली, सामाजिक न्याय की योजनाओं, भू स्वामित्व, साफ सफाई, कार्यों की गुणवत्ता सहित सरकारी विभागों से संबंधित प्रकरणों में आमजन की विभिन्न समस्याओं का निस्तारण करते हुए जिला कलेक्टर ने अधिकारियों को नियमानुसार कार्रवाई करने सहित आवश्यक दिशा निर्देश प्रदान किए। उन्होंने जनसुनवाई की सूचना संपर्क पोर्टल पर अपडेट करने के निर्देश भी दिए। जिला कलेक्टर जसमीत सिंह संधू ने जनसुनवाई के दौरान जिले में चिल्ड्रन पार्क बनाने पर विस्तार से चर्चा की गई ओर शहर की कॉलोनियों में रोड लाइट को दुरस्त करने के लिए जिला परिषद को निर्देशित किया एवं जनसुनवाई के दौरान पंचायती राज विभाग को अतिक्रमण, कब्जे व पट्टे संबंधित जांच कर जिला परिषद को आवशयक कार्यवाही के लिए निर्देशित किया साथ ही सेवानिवृत एएनएम के एरियर भुकतान करने के लिए सीएमएचओ को निर्देश दिए। जनसुनवाई में अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी दिनेश पाटीदार, डीओआईटी जीवन राम मीणा, सामाजिक न्याय अधिकारिता विभाग हेमंत खटीक, सीएमएचओ डॉ जेपी बुनकर, पीआरओ पुष्पक मीणा,पियूष जैन डीईओ, दीपक कुल्हार डीएसओ,प्रवीण सिंह एलडीएम, डॉ हरिकेश मीणा पशुपालन विभाग सहित जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

प्रभु श्री सांवलिया सेठ मेहमान बन कर नारायणपुरा गांव पहुंचे, श्रद्धालुओं ने किया फूलों से स्वागत

■ संजीवनी टुडे

बड़गाँव। बड़गाँव ग्रामपंचायत के नारायणपुरा गांव में गुरुवार सुबह करीब 9 बजे कृष्णधाम मंडफिया से प्रभु श्री सांवलिया सेठ मेहमान बनकर पहुंचे। ग्रामीणों ने मुख्य चौक पर भगवान की अगवानी करते हुए सांवरा सेठ के जयकारों से पूरे चौक को गुंजायमान कर दिया। गुरुवार को प्रभु श्री सांवरिया सेठ के मुख्य पुजारी भगवानदास प्रभु श्री सांवलिया सेठ को मंडफिया से लेकर गाजे-बाजे के साथ नारायणपुरा गांव में मेहमान बनाकर लाए। भक्त भगवान को गांव के मुख्य मार्गो से होते हुए नगर भ्रमण पर निकले। रास्ते में जगह-जगह भक्तों ने प्रभु को लाड़ लड़ते हुए पूजा, आरती की, पुष्प वर्षा कर स्वागत किया। महिलाओं ने मंगल गीत गाए, युवक-युवतियां ढोल-नगाड़ों की थाप पर खूब थिरके। जुलूस गांव के मुख्य मार्ग डांगियों का मोहल्ला, जोशीपुरा मार्ग से होते हुए चारभुजानाथ मंदिर पर पहुंचा, जहां सांवरा सेठ के मुख्य पुजारी भगवानदास ने महाआरती कर भोग धराया। वहां से निचली पोल पहुंचे, जहां भक्तों ने पूजा-अर्चना की। इस बीच जगह-जगह सांवरा सेठ के स्वागत में पुष्प वर्षा की गई। इसके बाद गांव के कमलाशंकर व्यास के घर सांवरिया सेठ मेहमान बन कर पहुंचे, जहां स्वागत किया गया।

वयोवृद्ध व्याधि चिकित्सा शिविर आयुर्वेद औषधालय राजपुरा में लगा , 40 रोगियों की जांच

■ संजीवनी टुडे

कानोड़। भारत सरकार के सौ दिवसीय प्रोटोकॉल के तहत आयुर्वेद विभाग उदयपुर द्वारा आयुष्मान आरोग्य मंदिर, राजपुरा में गुरुवार को वृद्धावस्था में होने वाली विभिन्न बीमारियों की जांच एवं स्वास्थ्य परीक्षण के साथ चिकित्सा हेतु निः शुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया, ग्राम पंचायत स्तरीय इस शिविर में गणमान्य नागरिकों के साथ भगवान धनवंतरी को दीप प्रज्वलित एवं माल्यार्पण कर शिविर का शुभारंभ किया गया, इस अवसर पर चिकित्साधिकारी प्रभारी डॉ .जीत पटेल एवं डा. प्रियंका मीणा द्वारा 40 वरिष्ठ नागरिकों के स्वास्थ्य का परीक्षण कर उनको निः शुल्क औषधि प्रदान की गई, जिसमे उच्च रक्तचाप, मधुमेह, मूत्ररोग, घुटने का दर्द, विभिन्न संधिगत रोग, उदर रोग, अर्श एवं भगंदर आदि रोगों के उपचार हेतु सलाह दी गए,शिविर में कंपाउंडर अशोक कुमार सैन, योग प्रशिक्षक मीनाक्षी पाटीदार, युद्धवीर सिंह शक्तावत, आशा सहयोगिनी सीमा कुलमी , केसर ने अपनी सेवाएं दीं।

सावन में इस बार सावन मास में पांच सोमवार

■ संजीवनी टुडे

उदयपुर। आषाढ़ माह के बाद श्रावण मास शुरू होता है। इस बार सावन मास में पांच सोमवार होंगे। प्रतापगढ़।वहीं 22 जुलाई से सावन मास प्रारंभ हो रहा है। जिसका समापन सोमवार 19 अगस्त को होगा। ऐसे में इस साल सावन का महीना 29 दिनों का होगा। हिंदू पंचाग के आधार पर ज्योतिर्विंद डा. संजय गील ने बताया कि इस बार 72 साल बाद श्रावण मास बहुत ही शुभ योग संयोग खासतौर पर सोमवार से शुरू हो रहा है। साथ ही श्रावण की शुरुआत पर अनेक दुर्लभ संयोगों का निर्माण हो रहा है। जिनमें प्रीति योग, आयुष्मान योग, नवम पंचम योग, शश राजयोग, सर्वार्थ सिद्ध योग आदि प्रमुख है।

सावन सोमवार की पांचों तिथियां

1. सावन का आगाज सोमवार से होगा। जो 22 जुलाई को रहेगा।
2. द्वितीय श्रावण सोमवार 29 जुलाई को होगा।
3. तृतीय श्रावण सोमवार 5 अगस्त को होगा।
4. चतुर्थ श्रावण सोमवार 12 अगस्त को होगा।
5. पंचम श्रावण सोमवार 19 अगस्त को होगा।

गोरी सोमनाथ मंदिर में प्रतिदिन रुद्राभिषेक

कृषि उपज मंडी के पीछे गोरी सोमनाथ महादेव मंदिर पर सावन में प्रतिदिन महादेव का रुद्राभिषेक किया जाएगा।

एमजी महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा साइबर सुरक्षा जारूकता पर नुक्कड़ नाटक का मंचन

■ संजीवनी टुडे

उदयपुर। राजकीय मीरा कन्या महाविद्यालय में प्राचार्य प्रो.दीपक माहेश्वरी की अध्यक्षता में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा साइबर सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण विषय के प्रति सभी को जागरुक करने के उद्देश्य से महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना प्रभारी डॉक्टर सुनीता आर्य द्वारा निर्देशित नुक्कड नाटक का मंचन स्वयं सेविकाओं द्वारा किया गया। नाटक में साइबर सुरक्षा से जुड़े हुए महत्वपूर्ण विषयों को बताते हुए तकनीक का सही तरीके से एवं सही दिशा में इस्तेमाल करना सिखलाते हुए पर्सनल फोटो सोशल साइट पर अपलोड करने के खतरे ,डिवाइस अपडेट , फाइल्स का रेगुलर बैकअप तथा 1930 हेल्प लाइन नंबर की उपयोगी जानकारी नाटक के माध्यम प्रदान की गई । इंद्रा,ध्वनि, अंजली,दिव्या, ताहिरा,हिमांशी आदि स्वयं सेविकाओं द्वारा प्रस्तुत नुक्कड़ नाटक द्वारा साइबर सुरक्षा के प्रति सभी को जागरूकत करने के प्रयास की सराहना करते हुए डॉ दीपक माहेश्वरी ने महाविद्यालय की सभी छात्राओं को डिजिटल लिटरेसी का महत्व बताते हुए सावधानी पूर्वक तकनीक का उपयोग करने एवं स्वयं को सुरक्षित रखने के लिए जागरूक किया । कार्यक्रम में डॉ अशोक सोनी, डॉ संध्या पठानिया ,डॉ सावित्री पाटीदार ,डॉ भावना आचार्य, डॉ सुनीता शर्मा, डॉ रेहाना तथा महाविद्यालय की छात्राएं उपस्थित रही।

बालक को दत्तक ग्रहण में दिए जाने के लिए बैठक आयोजित, अपनो ने छोड़ा तो पराए ने गले लगाया

■ संजीवनी टुडे

डूंगरपुर। राजकीय शिशु गृह में आवासीत बालक को दत्तक ग्रहण में दिए जाने के लिए दत्तक ग्रहण समिति द्वारा बैठक का आयोजन किया गया। बाल अधिकारिता विभाग की सहायक निदेशक पिंकी मीणा ने बताया कि बालक को दत्तक ग्रहण में लेने के लिए केन्द्रीय दत्तक ग्रहण संसाधन प्राधिकरण नई दिल्ली द्वारा चयनति दम्पत्ति गुजरात से आए। दत्तक ग्रहण समिति सदस्य भावेश जैन तथा डॉक्टर कल्पेश जैन ने दम्पत्ति के दस्तावेजों की जांच की गई। दस्तावेजों के आधार पर दम्पत्ति बालक के दत्तक ग्रहण के लिए उपयुक्त पाए गए। दत्तक ग्रहण समिति ने सर्वसम्मति से बालक को दम्पत्ति को दत्तक ग्रहण में दिए जाने का निर्णय लिया। तत्पश्चात दम्पत्ति को जिला मजिस्ट्रेट एवं कलक्टर अंकित कुमार सिंह के समक्ष प्रस्तुत किया गया। जिला मजिस्ट्रेट सिंह ने दत्तक दम्पत्ति से वार्ता कर बालक की अच्छी परवरिश करने तथा अच्छी शिक्षा देने के निर्देश प्रदान किए।

राजकीय शिशु गृह के प्रबंधक कुलदीप शर्मा ने बताया कि जिले में वर्ष 2024 में बाल कल्याण समिति के आदेश से कुल 5 बच्चें प्रवेशित हुए हैं, जिसमें 2 बालिका तथा 3 बालक हैं। 1 बालिका को 10 जुलाई को दत्तक ग्रहण किया गया हैं तथा 1 बालिका का 16 जुलाई को दत्तक ग्रहण किया गया हैं। अन्य बच्चों का प्रक्रियाधीन हैं। सभी आमजनों से बाल अधिकारिता विभाग की सहायक निदेशक पिंकी मीणा ने अपील की है कि अनचाहे बच्चों को असुरक्षित स्थान पर परित्याग ना कर जिला चिकित्सालय में तथा राजकीय शिशु गृह में लगे पालना गृह में परित्याग करें। इसमें परित्याग करने वाले व्यक्ति के खिलाफ कोई कानूनी कार्यवाही नहीं होती हैं एवं उसकी पहचान को गोपनीय रखा जाता हैं। दत्तक ग्रहण बैठक में शिशु गृह से जिमिका भावसार, आशा भोई तथा बाल अधिकारिता विभाग के लेखाधिकारी खुशवीर सिंह चौहान सहित अन्य मौजूद रहे।

बिलानाम जमीन पर कब्जा करने की लेकर सरपंच पति के खिलाफ ग्रामीणों का ज्ञापन

■ संजीवनी टुडे

मावली।क्षेत्र की भीमल ग्राम पंचायत के सरपंच पति व भाजपा डबोक मंडल उपाध्यक्ष कैलाश गायरी अपनी ग्राम पंचायत भीमल में बाहरी भूमाफियाओ को लाकर बिलानाम जमीन पर अपने पद की धौंस जमाते हुए अतिक्रमण करवा रहे है। जिस पर ग्रामीणों ने एकत्र होकर मावली उपखंड अधिकारी मनसुख राम डामोरको ज्ञापन दिया और कारवाई करने की मांग की हैं। ज्ञापन में बताया की पंचायत भीमल में सरपंच पति ओर भाजपा डबोक मंडल उपाध्यक्ष कैलाश गाडरी अपने मित्र व भू माफिया प्रभुलाल डांगी निवासी खेमपुरा उदयपुर के साथ मिलाकर सरकारी भूमि पर अतिक्रमण करवा रहा है ओर ग्रामीणों के रोकने पर उनको मारने की धमकी दे रहा हैं। ग्राम पंचायत भीमल में स्थित आराजी संख्या 812 भूमि किस्म नाडा बिलानाम भूमि जिस पर पिछले करीब 70 वर्षों से गांव का कब्जा होकर उक्त भूमि पर समस्त ग्रामवासी अपने पालतु पशुओं को चारा एवं तलाई से पानी पिलाने के उपयोग में आ रही है। गांव के भी पशु चरते है जिससे उक्त भूमि समस्त ग्रामवासियों के उपयोग में आ रही है। वर्तमान में उक्त जमीन पर सरपंच पति और प्रभूलाल डांगी निवासी खेमपुरा, उदयपुर उक्त भूमि पर पिछले कई दिनों से नाजायज कब्जा करने की नियत से उक्त भूमि पर पत्थर डलवा रहे है। व गांव के पशुओं को वहां उक्त भूमि पर नहीं जाने दे रहे है। ग्रामवासियों के पुछने पर सरंपच पति कैलाश गाडरी ने बताया की उक्त भूमि के कब्जा प्रभुलाल को दिलाने के लिये मैनें 1 करोड़ रुपए प्राप्त किये है मैं उक्त भूमि का कब्जा प्रभुलाल को दिलवाकर रहूंगा। उक्त भूमि पर अपना कब्जा करने के लिये अपने पद का नाजायज फायदा उठा कर अपनी राजनैतिक शक्तियों का दुर्पयोग कर उक्त बिलानाम भूमि पर कब्जा करना चाह रहे हैं। यह कि उक्त भूमि के सम्बन्ध में पूर्व में भी मावली न्यायालय में प्रकरण संख्या 82/2007 मुकदमा चालु होकर विचाराधीन है। किन्तु अभियुक्तगण उक्त भूमि पर अपना कब्जा बताने के लिये जबरन उक्त भूमि पर कब्जा करना चाह रहे है,तथा जब हम ग्रामवासियों द्वारा उक्त अभियुक्तगणों को पत्थर डालने से रोका तो उक्त अभियुक्तगण कुछ पत्थर तो उठा कर ले गये एवं हम ग्रामवासियों से गाली गलोच करने लगे व धमकी देकर कहा की उक्त जमीन हमारी है हमारी ईच्छा होगी जो करूंगा, तुम हमें रोकने वाले कौन होते हो जिस पर हम ग्रामवासियों ने उक्त अभियुक्तगणों को समझाया की उक्त भूमि सरकार की है, उक्त भूमि के सम्बन्ध में किसी भी प्रकार का निर्णय लेने का अधिकार तहसीलदार को है जिस पर वर्तमान सरपंच पति और प्रभुलाल डांगी अपनी गाडी टख27 3282 एवं एक जेसीबी गुण्डो को बुलवाकर समस्त ग्रामवासियों पर गुण्डो से लट्ठ एवं पत्थर बरसाये व गाली ग्लोच करने लगें। जिस पर ग्रामीणों ने उक्त अभियुक्तगणों के उपयोग में आने वाले समस्त औजार और साधन जब्त करवाकर इनके खिलाफ सख्त से सख्त कानूनी कार्यवाही करने की मांग की, सरकार की तरफ से इनके उपर मुकदमा दर्ज करवाने की मांग की।

सम्पादक की कलम से....
सम्पादकीय

भारत में प्रतिवर्ष सृजित हो रहे हैं रोजगार के 2 करोड़ नए अवसर

केंद्र सरकार द्वारा कौशल विकास के क्षेत्र में लगातार किए जा रहे प्रयासों एवं निजी एवं सरकारी क्षेत्र में रोजगार के अधिक से अधिक अवसर सृजित करने के लिए दिए जाने वाले विभिन्न प्रोत्साहनों का असर भी अब धरातल पर स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा है। आजकल विदेशी वित्तीय एवं आर्थिक संस्थान भारत के आर्थिक मामलों में अक्सर अपनी राय देने से चूकते नहीं हैं। अभी हाल ही में सिटीग्रुप इंडिया ने भारत की अपने बढ़ते कार्यबल के लिए पर्याप्त मात्रा में नौकरियां सृजित करने की क्षमता के मामले में चिंता जताई थी और एक प्रतिवेदन में कहा था कि भारत को आगामी दशक में प्रतिवर्ष 1.2 करोड़ नौकरियां सृजित करने की आवश्यकता है, जबकि वह प्रतिवर्ष केवल 80-90 लाख नौकरियां ही सृजित करने की राह पर आगे बढ़ता दिखाई दे रहा है। यह विदेशी वित्तीय एवं आर्थिक संस्थान अपनी आधी अधूरी जानकारी के आधार पर भारतीय अर्थतंत्र के बारे अपनी राय जारी करते दिखाई देते हैं क्योंकि हाल ही में भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा भी एक प्रतिवेदन जारी किया गया है जिसके के अनुसार वित्तीय वर्ष 2023-24 में भारत में रोजगार के नए अवसर सृजित होने के मामले में 6 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज हुई है और इस दौरान लगभग 4.7 करोड़ रोजगार के नए अवसर सृजित हुए हैं और देश में कार्य करने वाले नागरिकों की संख्या अब 64.33 करोड़ के आंकड़े को पार कर गई है, जबकि पिछले वर्ष यह वृद्धि दर 3.2 प्रतिशत की रही थी। अब कहां सिटीग्रुप इंडिया की भारत में केवल 80-90 लाख नौकरियों के अवसर सृजित होने की राह पर की बात की है और कहां भारतीय रिजर्व बैंक की भारत में 4.7 करोड़ रोजगार के अवसर सृजित होने की बात है, दोनों संस्थानों के आंकलन में भारी अंतर दिखाई देता है। सिटीग्रुप इंडिया के भारत में रोजगार सृजित होने के संदर्भ में जारी उक्त प्रतिवेदन के जवाब में भारत सरकार के श्रम मंत्रालय द्वारा भी पिरीआडिक लेबर फोर्स सर्वे (घ्ख्रक्क्ट) एवं भारतीय रिजर्व बैंक के खख्रक्ख्रट्ट डाटाबेस के आंकड़ों का प्रयोग करते हुए बताया गया है कि भारत में वर्ष 2017-18 से 2021-22 के बीच 8 करोड़ रोजगार के अवसर सृजित हुए हैं, जो कि वर्ष 2020-21 में कोविड-19 महामारी के कारण होने वाले वैश्विक आर्थिक व्यवधानों के बावजूद प्रतिवर्ष औसतन 2 करोड़ से अधिक नौकरियां बनती है। इस जानकारी के उपयुक्त होने को घ्ख्रक्क्ट डाटा से भी बल मिलता है जिसके अनुसार भारत में पिछले पांच वर्षों में रोजगार के अवसरों की संख्या, श्रमबल में नए प्रवेशकों की संख्या से अधिक रही है, जिससे देश में बेरोजगारी दर में लगातार कमी आ रही है। इन आंकड़ों के अनुसार, भारत में बेरोजगारी की दर वर्ष 2017-18 में 6 प्रतिशत से घटकर वर्ष 2022-23 में 3.2 प्रतिशत पर नीचे आ गई है। वित्त वर्ष 2023-24 में भारत में 466,59,221 रोजगार के अवसर निर्मित हुए एवं वित्त वर्ष 2023-24 में देश में कुल रोजगार बढ़कर 64.33 करोड़ के स्तर को पार कर गया जो वर्ष 2022-23 में 59.66 करोड़ के स्तर पर था एवं वर्ष 2019-20 में 53.44 करोड़ के स्तर पर था। उक्त आंकड़ों की सत्यता एवं विश्वसनीयता को और भी अधिक बल मिलता है जब इस संदर्भ में विभिन्न अनुपातों पर नजर डालते हैं। इससे ध्यान में आता है कि भारत में श्रमिक जनसंख्या अनुपात (डधन्द्मद्न-घ्ध्थ्ध्प्ब्थप्द्धधद्ब टथप्द्वध) वर्ष 2017-18 के 46.8 प्रतिशत से बढ़कर वर्ष 2022-23 में 56 प्रतिशत हो गया है। इसी प्रकार भारत में श्रमिक सहभागिता दर (ख्रथथ्धफ क्क्षन्दद्म घ्थन्प्द्बदद्बध्थप्द्बधद्ब टथप्द्म) भी वर्ष 2017-18 के 49.8 प्रतिशत से बढ़कर वर्ष 2022-23 में 57.9 प्रतिशत हो गई है। जिसके चलते देश में बेरोजगारी की दर (ठद्बद्बद्बध्द्यधभद्बद्मद्बप टथप्द्म) भी वर्ष 2017-18 में 6 प्रतिशत से गिरकर वर्ष 2022-23 में 3.2 प्रतिशत तक नीचे आ गई है। कृषि, आखेट, वानिकी, मछली पालन के क्षेत्र में वर्ष 2022-23 में 25.3 करोड़ व्यक्ति रोजगार प्राप्त कर रहे हैं, जबकि वर्ष 2021-22 में 24.82 करोड़ व्यक्ति इन क्षेत्रों में रोजगार प्राप्त कर रहे थे। इसी प्रकार वर्ष 2022-23 में निर्माण, व्यापार, यातायात एवं भंडारण के क्षेत्र मुख्य रोजगार प्रदाता क्षेत्रों में गिने जा रहे थे। सर्वे में भी भारत में 56.8 करोड़ नागरिकों को रोजगार प्राप्तकर्ता बताया गया है। भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा उपलब्ध कराई गई

आज का राशिफल

यह राशिफल जन्म राशि पर आधारित है। व्यक्ति के जन्म के समय चंद्रमा जिस राशि पर थे, वही उसकी जन्म राशि होती है। यदि राशि की जानकारी आपको नहीं है तो अपने नामाक्षर से राशिफल देखें।

मेष (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ) : आज भाग्य से कोई नया प्रस्ताव मिल सकता है। सरकारी काम आसानी से बन जाएंगे। अधिकारी सहयोग करेंगे। किसी चैरिटी आदि में धन खर्च करेंगे। मित्रों के साथ पार्टी में जा सकते हैं।

वृषभ (ई,उ,ए,ओ,वा,वी,वू,वे,वो) : सुख-सुविधाओं पर खर्च होगा। व्यक्तिगत मामलों में गलतफहमी को जन्म देने वाली कोई बात हो सकती है। परिवार के साथ पार्टी में जा सकते हैं। कोई नया प्रस्ताव यदि आज मिलता है।

मिथुन (क,की,कू,घ,ङ, छ, के,को, ह) : कार्यों को मन लगाकर पूरा करेंगे। आपकी बढ़ते प्रभाव से कुछ लोगों को परेशानी हो सकती है। आज की गई मेहनत का पूरा फल नहीं मिलेगा। व्यक्तिगत मामलों को सावधानी से हल करें।

कर्क (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो) : किसी योजना का क्रियान्वयन हो जाएगा। अधूरे काम भी किसी न किसी सहयोग से आज पूरे हो जाएंगे। धैर्यपूर्वक निर्णय लेने पड़ेंगे। भाग-दौड़ बनी रहेगी, परंतु यात्रा करना आज ठीक नहीं रहेगा।

सिंह (मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे) : परिवार के बड़े सदस्यों की आज्ञा मान कर चलेंगे तो फायदे में रहेंगे। लाभ के एक से अधिक अवसर सामने होंगे। चाहा गया सहयोग नहीं मिलने से काम खुद ही पूरे करने पड़ेंगे। बड़े भाई से लाभ होगा।

कन्या (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो) : आज घर और बाहर दोनों जगह आपके काम की सराहना होगी। काम के घंटे बढ़ जाएंगे अतः पिछले छूटे कामों को पहले पूरा कर लें। अधिकारी वर्ग प्रसन्न रहेगा। विद्यार्थी वर्ग लाभ में रहेगा।

तुला (रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते) : आज काम बनने में थोड़ी असुविधा हो सकती है। विरोधियों से सावधान रहना होगा। प्रोपर्टी के खरीदने या बेचने से संबंधी बात हो सकती है। पुराने मित्रों से मुलाकात होने की संभावना है।

वृश्चिक (तो, ना, नी, नू, ने, नो, या, यी, यू) : व्यावसायिक कार्यों का विस्तार करने के लिए अतिरिक्त परिश्रम करना पड़ेगा। सहयोग मिल जाने से थोड़ी आसानी हो जाएगी। व्यक्तिगत संबंधों में सौहार्द्र की भावना बढ़ने से मन प्रसन्न होगा।

धनु (ये, यो, भ, भी, भू, धा, फा, ढा, भे) : आज का दिन महत्वपूर्ण काम करने के लिए नहीं है। निजी समस्याओं को अपने ऊपर हावी न होने दें। परिवार के साथ समय बिताना आवश्यक है, चाहें तो कहीं आउटिंग के लिए जा सकते हैं।

मकर (भो, जा, जी, खी, खू, खे, खो, ग, गी) : आज स्वास्थ्य का ध्यान रखना होगा, परंतु काम फिर भी आसानी से बन जाएंगे। लाभ की कोई नई योजना बनाकर उस पर अमल करेंगे। मित्र विशेष सहयोगी बनकर सामने आएंगे।

कुंभ (गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा) : आज घर की बुजुर्ग स्त्री की सलाह काम आएगी, महत्वपूर्ण निर्णय लेते समय उसको नजरअंदाज ना करें। यात्रा करना हित में नहीं रहेगा, बहुत जरूरी हो तो पहले मंदिर जाएं फिर यात्रा करें।

मीन (दी, दू, थ, झ, ञ, दे, दो, चा, ची) : आज योग्यता दिखाने का उचित अवसर मिलेगा। लाभ देने वाली छोटी यात्रा की संभावना है। बडी प्रतिस्पर्धा में भी विजयी होंगे। वाहन धीमी गति में चलाएं, अन्य कामों में भी जल्दबाजी ना करें।

फिर आतंकी हमलें, सैनिकों का बलिदान व्यर्थ न जाये

लगातार जम्मू-कश्मीर में बढ़ रही आतंकी घटनाएं चिन्ता का कारण बन रही है। डोडा जिले में एक आतंकी हमले में कैप्टन समेत सेना के चार जवानों और जम्मू कश्मीर के एक पुलिसकर्मी का बलिदान अब यही दर्शा रहा है कि शांति एवं अमन की ओर लौटा जम्मू-कश्मीर एक बार फिर आतंकवादी आघातकारी घटनाओं की भेंट चढ़ रहा है, इन घटनाओं का माकुल जबाव नहीं दिया गया तो यह घाटी एक बार फिर खूनी घाटी बन जायेगी। क्योंकि कुछ ही दिनों पहले कठुआ में एक सैन्य अफसर सहित पांच जवान आतंकियों का निशाना बन गए थे। इसके पहले भी जम्मू संभाग में ही सेना के कई जवान आतंकियों से लोहा लेते हुए अपना सर्वोच्च बलिदान दे चुके हैं। ये बहुत चिंतित करने वाले त्रासद एवं घिनौने घटनाक्रम हैं कि पिछले कुछ समय से कश्मीर घाटी के साथ-साथ जम्मू संभाग में भी आतंकियों की गतिविधियां बढ़ती जा रही हैं। हाल की कुछ घटनाओं से तो यह भी लगता है कि आतंकियों ने जम्मू संभाग को अपनी गतिविधियों का प्रमुख केंद्र बना लिया है। एक ऐसे समय जब जम्मू कश्मीर में विधानसभा चुनाव कराने की तैयारी हो रही है, तब आतंकियों का सक्रिय होना और सफलतापूर्वक अपने मनसूबों को कामयाब करना गंभीर चिंता का विषय है। ज्यादा चिन्ताजनक यह है कि पाकिस्तान प्रशिक्षित आतंकी न केवल घुसपैठ कर रहे हैं, बल्कि अपनी गतिविधियों को अंजाम देने और इस क्रम में सेना को निशाना बनाने में भी सफल हो रहे हैं। सरकार को उन खूनी हाथों को खोजना होगा अन्यथा खूनी हाथों में फिर खुजली आने लगेगी। हमें इस काम में पूरी शक्ति और कौशल लगाना होगा। आदमखोरों की मांद तक जाना होगा। अन्यथा हमारी खोजी एजेंसियों एवं सेना की काबिलीयत पर प्रश्नचिन्ह लग जाएगा कि कोई दो-चार व्यक्ति कभी भी पूरे प्रांत की शांति और जन-जीवन को अस्त-व्यस्त कर सकते हैं, हमारी संवेदनाओं को झकझोर सकते हैं। संवेदनाओं एवं भावनाओं को झकझोर भी रहे हैं, जब आतंकवादी हमलों में शहीद जवानों के पार्थिव शरीर तिरंगे में लिपटे घर की ड्योढ़ी पर आते हैं तब कारुणिक माहौल को देखकर दिल दहल उठता है क्योंकि देश के लिए अपना सर्वोच्च लुटा देने वाला जवान किसी का बेटा, किसी का पति और किसी का पिता होता है। हर आंख में आंसू होते हैं। किसी की गोद, किसी की मांग सूनी हो जाती है। देशवासी सोचने को विवश हैं कि वे शोक संतप्त परिवार के साथ करुणा और पीड़ा को कैसे बांटें।

ललित गर्ग

विचार बिन्दु

ज्यादा चिन्ताजनक यह है कि पाकिस्तान प्रशिक्षित आतंकी न केवल घुसपैठ कर रहे हैं, बल्कि अपनी गतिविधियों को अंजाम देने और इस क्रम में सेना को निशाना बनाने में भी सफल हो रहे हैं। सरकार को उन खूनी हाथों को खोजना होगा अन्यथा खूनी हाथों में फिर खुजली आने लगेगी। तभी आतंकवाद को नेस्तनाबूद किया जा सकता है। पुलिस के आला अधिकारी यदि यह कह रहे हैं कि घाटी के नागरिक समाज में पाकिस्तानी 'घुसपैठ' को बढ़ावा देने में कतिपय राजनीतिक दलों का रुख भी जिम्मेदार रहा है, तो क्या यह आधारहीन है?

डोडा वारदात की जिम्मेदारी लेने वाले 'कश्मीर टाइगर्स' जैसे आतंकी संगठनों की ताजा बौखलाहट की एक बड़ी वजह जम्मू-कश्मीर में राजनीतिक प्रक्रिया की बहाली को लेकर बढ़ी सरगर्मी है। राज्य में लोकप्रिय सरकार के गठन के लिए अगले चंद महीनों में ही विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। ऐसे में, आतंकियों की बेचैनी समझी जा सकती है कि जिस तरह लोकसभा चुनाव में घाटी में लोग मतदान केंद्रों पर उमड़ पड़े और दशकों पुराना रिकॉर्ड टूटा, अगर विधानसभा चुनाव में लोगों का उत्साह और बढ़ा, तो जिन 'स्लीपर सेल्स' की बदौलत वे दहशत का अपना पूरा कारोबार चलाते हैं, वे भी मुख्यधारा के प्रति आकर्षित होकर, उनके खिलाफ हो सकते हैं। इसलिए उन्होंने घाटी के बजाय जम्मू संभाग में अपनी सक्रियता बढ़ाई है, ताकि लोकतांत्रिक प्रक्रिया को बाधित किया जा सके और सीमा पार के आकाओं से मदद हासिल करने का सिलसिला जारी रहे। जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 की समाप्ति के बाद हुए पहले लोकसभा चुनाव में रिकॉर्ड मतदान से पाकिस्तान बौखलाया है। इसी का परिणाम है लगातार हो रहे आतंकी हमलें। इन हमलों ने आंतरिक सुरक्षा के लिये नये सिरे से चुनौती पैदा की है। जम्मू में रियासी, कठुआ और डोडा के आतंकी हमले चिन्ता का बड़ा कारण बने है। जम्मू-कश्मीर का माहौल सुधरने के बाद वहां के बाजार, पर्यटक स्थल गुलजार हुए हैं और राज्य की अर्थव्यवस्था सुधर रही है। इसलिए देशद्रोही नहीं चाहते कि कश्मीर में शांति आए और वहां पर निर्वाचित सरकार काम करे। केन्द्र में गठबंधन वाली मोदी सरकार के सामने यह एक बड़ी चुनौती है। क्या इन आतंकी घटनाओं को केन्द्र सरकार ने गंभीरता से नहीं लिया है? जो सरकार पाकिस्तान में घूस कर बदला ले सकती है, वह सरकार अब तक शांत क्यों है? ऐसा क्यों हो रहा है, इसकी तह तक जाने की जरूरत है। आतंकी जिस तरह अपनी रणनीति बदलकर सुरक्षा बलों को कहीं अधिक क्षति पहुंचाने में समर्थ दिखने लगे हैं, वह किसी बड़ी साजिश का संकेत है। एक ओर सीमा पार से होने वाली आतंकियों की घुसपैठ पर प्रभावी नियंत्रण करना होगा, वहीं दूसरी ओर पाकिस्तान को नए सिरे से सबक भी सिखाना होगा। यह इसलिए अनिवार्य हो गया है, क्योंकि पिछले कुछ समय में आतंकी हमलों में बलिदान होने वाले सैनिकों की संख्या कहीं अधिक बढ़ी है।

पाकिस्तान सत्ता प्रतिष्ठानों की मदद से यह आतंक का खेल फिर शुरू कर रहा है। कहीं न कहीं दिल्ली में बनी गठबंधन सरकार को यह संदेश देने की कोशिश की जा रही है कि पाक पोषित आतंकवादी जम्मू-कश्मीर में शांति एवं अमन को कायम नहीं रहने देंगे। एक आंकड़े के अनुसार पिछले तीन वर्ष में करीब 50 जवानों को अपना बलिदान देना पड़ा है। यह बिल्कुल भी स्वीकार्य नहीं। आतंक को करारा जवाब केवल तभी नहीं दिया जाना चाहिए, जब एक साथ बड़ी संख्या में सुरक्षा बलों के जवानों को बलिदान देना पड़े। वास्तव में हमारे एक भी सैनिक का बलिदान व्यर्थ नहीं जाना चाहिए। डोडा की घटना के बाद यह जो कहा जा रहा है कि सैनिकों के बलिदान का बदला लिया जाएगा, उसे न केवल पूरा करके दिखाया जाना चाहिए, बल्कि आतंकियों, उनके आकाओं और उन्हें सहयोग-समर्थन देने वालों पर ऐसा करारा प्रहार किया जाना चाहिए, जिससे वे अपनी हरकतों से हमेशा के लिए बाज आएं। पाकिस्तान भले ही आर्थिक संकट और राजनीतिक अस्थिरता से जूझ रहा हो, लेकिन वह जम्मू कश्मीर में पहले की तरह ही आतंकवाद को बढ़ावा देने में लगा हुआ है। उसकी घरेलू व विदेश नीति 'कश्मीर' पर ही आधारित है। चूंकि इसकी भरी-पूरी आशंका है कि चीन उसे उकसाने में लगा हुआ होगा, इसलिए भारत को कहीं अधिक सतर्क रहना होगा। केन्द्र सरकार ने कश्मीर में विकास कार्यों को तीव्रता से साकार किया है, न केवल विकास की बहुआयामी योजनाएं वहां चल रही है, बल्कि पिछले 10 सालों में कश्मीर में आतंकमुक्त करने में भी बड़ी सफलता मिली है। बीते साढ़े तीन दशक के दौरान कश्मीर का लोकतंत्र कुछ तथाकथित नेताओं का बंधुआ बनकर गया था, जिन्होंने अपने राजनीतिक स्वार्थों के लिये जो कश्मीर देश के माथे का ऐसा मुकुट था, जिसे सभी प्यार करते थे, उसे डर, हिंसा, आतंक एवं दहशत का मैदान बना दिया। लेकिन वहां विकास एवं शांति स्थापना का ही परिणाम रहा कि चुनाव में लोगों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लेकर लोकतंत्र में अपना विश्वास व्यक्त किया। बढ़ती आतंकी घटनाओं पर गृहमंत्री अमित शाह और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह नजर बनाए हुए हैं। इसमें कोई संदेह नहीं कि सुरक्षा बल आतंकवादियों को मुंहतोड़ जवाब देगा लेकिन रक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि सुरक्षा बलों को आतंकियों के प्रति अपनी रणनीति बदलनी होगी और आतंकी जिन बिलों में छिपे होंगे उन्हें वहां से निकालकर ढेर करना होगा। आतंकवाद पर अंतिम प्रहार करने की तैयारी करनी होगी और साथ ही आतंकियों के मददगारों की भी पहचान करनी होगी(

महाकाल के दर्शन मात्र से ही दूर हो जाते हैं सभी काल

यहां स्थित महाकालेश्वर का मुख भी दक्षिण दिशा की ओर है, इसीलिए तंत्र मंत्र की क्रिया करने वाले लोग विशेष रूप से इस मंदिर में दर्शन के लिए आते हैं। भारत के 12 ज्योतिर्लिंगों में प्रमुख स्थान रखने वाले मध्यप्रदेश के उज्जैन स्थित 'महाकालेश्वर' मंदिर, किसी परिचय का मोहताज नहीं है।

बता दें कि कुछ दिनों पहले ही एक उत्तर प्रदेश के कानपुर के एक बदमाश विकास दुबे के महाकाल के मंदिर से गिरफ्तार किए जाने के बाद इस मंदिर की चर्चा लगातार हो रही है। हम आपको बताएंगे कि महाकालेश्वर मंदिर की महिमा कितनी अपरंपार है और देश-विदेश से लोग इस मंदिर में दर्शन के लिए क्यों आते हैं? महाकालेश्वर मंदिर के निर्माण और स्थापना को लेकर भी बहुत सारी कहानियां प्रचलित हैं और इनका पुराणों तक में वर्णन है। पुराणों के अनुसार कहा जाता है कि जब सृष्टि की रचना हो रही थी, उस समय सूर्य की 12 रश्मियां सबसे पहले धरती पर गिरीं और उन्हीं से धरती पर 12 ज्योतिर्लिंगों की स्थापना हुई। उज्जैन के महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग भी उन्हीं सूर्य रश्मि से उत्पन्न हुआ एक ज्योतिर्लिंग है। कहा जाता है कि उज्जैन की पूरी धरती 'उसर' यानी की उपजाऊ नहीं है और इसलिए इसे शमशान भूमि भी कहा जाता है। यहां स्थित महाकालेश्वर का मुख भी दक्षिण दिशा की ओर है, इसीलिए तंत्र मंत्र की क्रिया करने वाले लोग विशेष रूप से इस मंदिर में दर्शन के लिए आते हैं। महाकाल के इस मंदिर में और भी बहुत सारे देवी देवताओं की मूर्तियां स्थापित हैं, जिसमें माता पार्वती और गणेश तथा कार्तिकेय भगवान का नाम आता है। इतना ही नहीं, महाकाल की नगरी उज्जैन में हर सिद्धि भगवान, काल भैरव भगवान, विक्रांत भैरव आदि देवताओं के भी मंदिर स्थापित हैं। महाकाल मंदिर के प्रांगण में एक कुंड बना हुआ है और कहा जाता है कि इस कुंड में स्नान करने के बाद मनुष्य के सारे पाप, दोष, संकट उसके ऊपर से हट जाते हैं।

वैसे तो महाकाल के दर्शन आप 12 महीने कर सकते हैं, लेकिन कार्तिक पूर्णिमा, बैशाख पूर्णिमा और दशहरे के अवसर पर यहां विशेष रूप से मेले का आयोजन किया जाता है। इसमें भारी मात्रा में लोग शामिल होते हैं और बाबा भोलेनाथ के दर्शन के साथ ही मेले का आनंद लेते हैं। उज्जैन के इस ज्योतिर्लिंग को महाकाल भी कहा जाता है और इसके पीछे यह वजह है कि प्राचीन समय से ही उज्जैन में संपूर्ण विश्व के मानकों का निर्धारण किया जाता रहा है। इस कारण इस ज्योतिर्लिंग को महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग कहा जाता है। जी हां! महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग का स्वरूप तीन खंडों में विभाजित है, जिसमें सबसे निचले खंड में महाकालेश्वर स्थित हैं। बीच में यानी कि मध्य खंड में 'ओमकारेश्वर' भगवान की पूजा की जाती है। वहीं ऊपर के खंड में नागचंद्रेश्वर मंदिर स्थित है। कहा जाता है कि नागचंद्रेश्वर शिवलिंग के दर्शन साल में एक बार ही किया जा सकता है।

आज का इतिहास

19 जुलाई की महत्त्वपूर्ण घटनाएँ

1995 रूस एवं उससे अलग हुए गणराज्य चेचेन्या के बीच रूसी महासंघ में ही 'समप्रभु गणराज्य' का दर्ज़ा देने संबंधी समझौता सम्पन्न।
2001 नेपाल के प्रधानमंत्री गिरिजा प्रसाद कोइराला ने अपने पद से इस्तीफ़ा दिया; ताश, लिपस्टिक, नाखून पालिश और शतरंज सहित 30 वस्तुओं का आयात अफ़ग़ानिस्तान में प्रतिबंधित।
2003 रूस के अंतरिक्ष यात्री यूरी माले थान्को अंतरिक्ष में शादी रचाने वाले पहले व्यक्ति बने।
2004 तीन बार टाले जाने के बाद दुनिया के सबसे बड़े दूर संचार उपग्रह को लेकर एरियन-5 फ़्रेंच गुयाना के कोरू प्रक्षेपण केन्द्र से रवाना।
2005 प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने अमेरिकी कांग्रेस को सम्बोधित किया।
2006 लेबनान में इस्रायली हमले में 3 भारतीय सहित 55 लोग मारे गए।
2007 इराक में एक अमेरिकी सैनिक मैरिन कॉरपोरल ट्रेंट थॉमस को 11 विकलांग बच्चों की हत्या का दोषी करार दिया गया।
2008 अमेरिका ने प्रशान्त महासागर में लक्ष्य निर्धारित कर लम्बी दूरी तक मार कर सकने में सक्षम मिसाइल का परीक्षण किया।

जन्मे व्यक्ति
1948 अल्तमस कबीर - भारत के भूतपूर्व 39वें मुख्य न्यायाधीश थे।
1894 ख़्वाजा नजीमुद्दीन - बंगाल के मुस्लिम नेताओं में से एक।
1827 मंगल पांडे - स्वतंत्रता सेनानी
1925 दिनेश सिंह - द्वितीय, तीसरी, चौथी, पाँचवीं, आठवीं और नौवीं लोकसभा के सदस्य।

आध्यात्मिक संतुष्टि का प्रभु प्रार्थना ही एकमात्र स्रोत

विचार बिन्दु

डा. जगदीश गांधी
शिक्षाविद् व संस्थापक
सीएमएस, लखनऊ

किताब -ए-अकदस' का सन्देश है कि ईश्वर एक है, धर्म एक है तथा मानव जाति एक है। परमात्मा के करोड़ों नाम हमने रखे हैं। क्या परमात्मा ऐसा भी हो सकता है कि केवल किसी एक धर्म के अनुयायियों के लिए अपना ज्ञान दे। यह मानव जीवन हमें एकमात्र अपनी आत्मा के विकास के लिए मिला है। जब हम संसार से निराश हो जाते हैं, तब हम अपनी आत्मा के पिता परमपिता परमात्मा की ओर पूरी तरह से मुड़ जाते हैं और यही वह क्षण होता है जब कि हमें कहीं-न-कहीं से जीवन में आगे बढ़ने के लिए उचित मार्गदर्शन मिल जाता है। प्रार्थना अध्यात्म का 'प्राण' और 'सार' है और कोई भी व्यक्ति प्रार्थना के बिना उद्देश्यपूर्ण ढंग से जी ही नहीं सकता। इसलिए प्रार्थना मनुष्य के जीवन का मर्म होनी चाहिए। प्रार्थना जैसे अध्यात्म का सबसे मार्मिक अंग है, वैसे ही मानव-जीवन का भी है। प्रार्थना मनुष्य को फौलाद की तरह मजबूत बना देती है। वास्तव में पूजा या प्रार्थना वाणी से नहीं बल्कि हृदय से करने की चीज है। सच्चे हृदय से की हुई प्रार्थना चमत्कार कर सकती है। जीवन में आत्मिक सुख प्रार्थना से मिलता है। प्रार्थना आत्मा के विकास के लिए आवश्यक है। परमात्मा आत्म-तत्व है इसलिए उसे इन भौतिक आंखों से नहीं देखा जा सकता। परमात्मा की समीपता की अनुभूति तो हमें अपनी आत्मा के माध्यम से होती है। वास्तव में हर पल आत्मा के विकास के लिए जीना ही वास्तविक जीवन है। परमात्मा से हमारा जन्मों-जन्मों का नाता है। तभी वह हमें अपनी आत्मा के विकास के लिए युग-युग में अवतारों के रूप में, इस धरती पर अवतरित होकर, पवित्र ग्रन्थों की शिक्षाओं के माध्यम से सदा-सदा के लिए प्रेरित करता रहता है। इसलिए हमें कभी भी अपनी आत्मा की आवाज को अनसुनी नहीं करना चाहिए। हमारे दैनिक कार्यों में व्यवस्था, एकता और शांति लाने का एकमात्र उपाय प्रार्थना है। प्रार्थना एक प्रकार का आवश्यक आध्यात्मिक अनुशासन है। अनुशासन और संयम ही हमें पशुओं से अलग करता है। हमारी प्रार्थना तो अपने हृदय को पवित्र बनाने की एक सरल एवं सहज प्रक्रिया है। वह तो हमें ही यह स्मरण दिलाती है कि हम प्रभु के सहारे के बिना लाचार हैं। प्रार्थना तो आत्मा की खुराक है। जिस तरह खुराक के बिना शरीर कमजोर होता जाता है, उसी तरह प्रार्थना के बिना हमारी आत्मा कमजोर हो जाती है। फलस्वरूप आत्मा का विकास रूक जाने से हमारा जीवन असंतुलित हो जाता है। प्रार्थना तभी प्रार्थना है, जब वह अपने-आप हृदय से निकलती है। ऐसा कोई भी कार्य नहीं होता, जिसका कि कोई फल न हो और प्रार्थना तो सबसे उत्तम कार्य है। पवित्र ग्रन्थों से हमें जो दिव्य ज्ञान मिल सकता है वह हमें कही और से नहीं मिल सकता। मृत्यु किसी भी क्षण आ सकती है। इसलिए रात्रि में सोने के पूर्व अपने कर्मों का लेखाजोखा कर लेना चाहिए। हम सब एक सागर की बूंदों तथा एक वृक्ष के पत्तों के समान हैं। इसलिए आओ हम सब एकता की डोर से बांधकर सारे विश्व को एक कर दें। एक कर दे हृदय अपने सेवकों के हे प्रभु। हम पर हमारे जीवन का महान उद्देश्य उजागर कर। परमात्मा की बनायी यह सारी धरती एक देश के समान है। प्रभु का प्रथम उपदेश है एक शुद्ध, दयालु एवं प्रकाशित हृदय धारण कर ताकि पुरातन, अमिट एवं अनन्त श्रेष्ठता का साम्राज्य तेरा हो। हमें सदैव न्याय की राह में चलकर जीवन में हमेशा सूरज की तरह प्रकाशित रहना चाहिए। सभी पवित्र ग्रन्थ जैसे गीता, त्रिपटक, बाईबिल, कुरान, गुरू ग्रन्थ साहिब, किताबे-अकदस, किताबे अजावेस्ता आदि-आदि का ज्ञान सारी मानव जाति के लिए हैं। गीता का सन्देश एक लाइन में यह है कि न्याय के लिए अपने बन्धु को भी दण्ड देना चाहिए। त्रिपटक का सन्देश है कि वर्ण (जाति) व्यवस्था ईश्वरीय आज्ञा नहीं है वरन् समता ईश्वरीय आज्ञा है। बाइबिल का सन्देश है कि पृथ्वी का साम्राज्य उनका होगा जो दूसरों पर दया करेंगे। कुरान का सन्देश है कि ऐ खुदा, सारी खिलकत को बरकत दे। जब हम सारी मानव जाति की भलाई करेंगे तब नानक का नाम हमें ऊँचाई पर ले जायेगा। 'किताब -ए-अकदस' का सन्देश है कि ईश्वर एक है, धर्म एक है तथा मानव जाति एक है। परमात्मा के करोड़ों नाम हमने रखे हैं। क्या परमात्मा ऐसा भी हो सकता है कि केवल किसी एक धर्म के अनुयायियों के लिए अपना ज्ञान दे। परमात्मा की शिक्षायें समय-समय पर विभिन्न अवतारों के माध्यम से परमपिता परमात्मा से सम्पूर्ण मानव जाति की भलाई के लिए आयी हैं।

अस्थमा अटैक के पहले के लक्षणों को जानें

गले और ठोढ़ी में खुजली

अस्थमा की समस्या शुरु होने से पहले गले और ठोढ़ी में खुजली की समस्या हो सकती है। यह समस्या क्यों होती है इसके बारे में कोई जानकारी नहीं है। लेकिन ज्यादातर लोग इस लक्षण को नजरअंदाज कर देते हैं जो कि ठीक नहीं है।

मूड में बदलाव

अचानक से रोगी के मूड में बदलाव देखने को मिलता है। बोलते-बोलते चुप हो जाना, तनाव और चिंताग्रस्त हो जाना भी अस्थमा अटैक का संकेत हो सकता है। अगर आपको या आपके आसपास किसी अस्थमा रोगी में यह लक्षण दिखे तो इसे नजरअंदाज ना करें।

कफ

अस्थमा का मुख्य लक्षण है कफ की समस्या। जब यह समस्या पूरी रात आपको सताने लगे तो इसके पीछे कुछ खास वजह हो सकती है। हो सकता है कि यह साइनस या अन्य किसी वजह से हो लेकिन जब किसी अस्थमा रोगी को यह समस्या होती है तो इसे हल्के में ना लें।

सांसों में घरघराहट

अस्थमा रोगी को सांस लेने में समस्या होना सामान्य माना जाता है लेकिन जब सांस लेते वक्त घरघराहट की आवाज आने लगे तो इसे सामान्य ना समझें। यह गंभीर समस्या का संकेत हो सकता है।

सांस लेने में समस्या

अस्थमा अटैक होने से पहले रोगी को सांस लेने में समस्या महसूस होने लगती है क्योंकि सांस लेने वाली जगह के आसपास की मांसपेशियां कठोर हो जाती हैं और एयरवे लाइनिंग में सूजन आ जाती है। अत्यधिक म्यूकस बनने के कारण सांस नली ब्लॉक हो जाती है।

पॉश्चर बदलना

ठीक तरह से सांस लेने के प्रयास में रोगी आगे की तरफ झुकने लगाता है जिससे वो कूबड़नुमा आकार में आ जाता है। लेकिन सांस लेने में कठिनाई होने पर इस स्थिति में आना समस्या को और बढ़ा सकता है।

सीने में जलन

जब अस्थमा की समस्या बढ़ने वाली होती है तो रोगी को सीने में जलन या कुछ अन्य तरह की समस्या भी हो सकती है। अस्थमा ग्रस्त बच्चों में जब यह समस्या होती तो वो समझ नहीं पाते कि उन्हें क्या हो रहा है। ऐसे में उनके माता-पिता को ज्यादा सर्तक रहना चाहिए।

होठों और अंगुलियों में नीलापन

जब शरीर को पर्याप्त मात्रा में ऑक्सीजन नहीं मिल पाता है तो होठों और अंगुलियों और होठों पर नीलापन दिखायी देने लगता है। इस स्थिति को केयानोसिस कहते हैं। यह स्थिति इशारा करती है कि रोगी को तुरंत चिकित्सक के पास ले जाया जाए।

अस्थमा अटैक से बचने के लिए जरूरी है कि रोगी को उसके पहले दिखायी और महसूस होने वाले संकेतों के बारे में पता हो? इन संकेतों के बारे में जानकारी आपको अस्थमा अटैक से बचाने में मददगार साबित हो सकती है। आइए जानें अस्थमा अटैक से पहले दिखने वाले लक्षणों के बारे में।

सेहत का सतरंगी खजाना

अपने बोरिंग खाने में जरा रंग भरिए। गहरे रंग के फलों और सब्जियों, जैसे खुबानी, गाजर और लाल व पीली मिर्च और पालक जैसी हरी पत्तेदार सब्जियों, अस्थमा के मरीजों के लिए लाभप्रद बीटा-कैरोटीन नाम का एक खास तत्व पाया जाता है। जिस सब्जी या फल का रंग जितना गहरा होगा उसमें एंटी-ऑक्सीडेंट्स की मात्रा उतनी अधिक होगी।

आपके लिए नहीं है विटामिन-ई

यूं तो विटामिन-ई काफी गुणों से भरपूर होता है, लेकिन अस्थमा मरीजों को इससे जरा दूर ही रहना चाहिए। यह खाना पकाने के लगभग सभी तेलों में मौजूद होता है, लेकिन इसका इस्तेमाल जरा सीमित मात्रा में ही करना चाहिए। सूरजमुखी के बीज, केल (एक प्रकार की गोभी), बादाम और अधिक साबुत अनाजों में विटामिन- ई की मात्रा कम होती है। इन आहारों को अपने भोजन में अवश्य शामिल करें।

विटामिन बी,बना है आपके लिए

ऐसा भोजन जिसमें विटामिन-बी मौजूद हो, अस्थमा के मरीजों के भोजन का अहम हिस्सा होना चाहिए। हरी पत्तेदार सब्जियां और दालें, अस्थमा मरीजों को तनाव के जरिए होने वाले अटैक से बचाने में सहायक होती हैं। इस बात के भी साक्ष्य मिले हैं कि विटामिन बी6 और नियासिन (विटामिन बी3, निकोटिन और विटामिन पीपी) की कमी से भी अस्थमा का खतरा बढ़ जाता है।

प्याज- खांसी पर वार,गले से प्यार

प्याज चाहे लाल हो या हरा, यह अस्थमा मरीजों के लिए किसी वरदान से कम नहीं। प्याज में मौजूद सल्फर तत्व अस्थमा के मरीजों को जलन से राहत दिलाते हैं। यह बात साबित हो चुकी है कि प्याज का सेवन सांस संबंधी तकलीफों से भी राहत दिलाने वाला होता है।

ओमेगा-3 फैटी एसिड- अस्थमा में दिलाए राहत

ओमेगा-3 फैटी एसिड फेफड़ों में होने वाली जलन और उत्तकों को होने वाले नुकसान से बचाने में मदद करता है। यह जानना बहुत जरूरी है लगातार जलन और खांसी से उत्तकों को काफी नुकसान पहुंचता है, जिसके चलते नियमित अस्थमा अटैक आते रहते हैं। यह मुख्य रूप से सलमन, मैक्रेल और ऐसी मछलियों में पाया जाता है जिनमें ऑयल की मात्रा अधिक होती है।

मसालों को ना, सेहत को हां

मसाले गर्म होते हैं और अस्थमा मरीजों को इनसे दूर ही रहना चाहिए। मसाले खाने से, मुंह, गले और फेफड़ों की कोशिकाएं उत्तेजित हो जाती हैं, परिणामस्वरूप उनमें से साल्विया निकलने लगता है। साल्विया से बलगम पतला हो जाता है। तो, मसालेदार भोजन से दूर ही रहना चाहिए।

दुग्ध उत्पाद, सेहत के साथ स्वाद

वसायुक्त दूध, मक्खन और अन्य दुग्ध उत्पाद अस्थमा होने से रोकते हैं। वे बच्चे जो वसायुक्त दुग्ध उत्पादों का सेवन करते हैं उन्हें सांस में घरघराहट संबंधी तकलीफें भी होने की आशंका कम होती है।

कॉफी- मदद करती है काफी

अस्थमा अटैक होने पर कॉफी का सेवन बहुत मदद करता है। यह श्वसन प्रक्रिया को मदद पहुंचाता है। हालांकि कई डॉक्टर यह भी कहते हैं कि अगर आपके अटैक तनाव के कारण हो रहे हैं तो आपको कैफीन की अधिक मात्रा का सेवन नहीं करना चाहिए।

कैसा हो अस्थमा के मरीजों का आहार

अस्थमा को नियंत्रिण में रखने में भोजन की महत्त्वपूर्ण भूमिका होती है। अपने आहार में समुचित बदलाव कर इस बीमारी के असर को कम किया जा सकता है। ऐसे खाद्य पदार्थों की लिस्ट बहुत लंबी है जिनसे अस्थमा के मरीजों को दूर रहने की सलाह दी जाती है। ऐसी कई चीजें हैं जिनसे एलर्जी और अस्थमा अटैक पड़ने का खतरा होता है। तो, आइए जानते हैं कि आपकी रसोई में ऐसे कौन से खाद्य पदार्थ हैं जो आपको अस्थमा से लड़ने में मददगार हो सकते हैं।

घुटने का दर्द धीमी न कर दे चाल

युवाओं में घुटनों के दर्द के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। सही जांच व उपचार में देरी का नतीजा होता है कि हल्का मांसपेशीय दर्द बढ़ कर घुटने, जांघ व कूल्हे की मूवमेंट पर असर डालने लगता है। तीस की उम्र के करीब की एक स्कूल टीचर हैं। घर और काम के बीच संतुलन बनाने की कोशिश करती हुई वह बेहद व्यस्त रहती हैं। वह जानती हैं कि सेहतमंद और फिट रहना उनके लिए कितना जरूरी है, बावजूद इसके व्यायाम के लिए समय निकालना उनके लिए मुश्किल होता है। व्यायाम की भरपाई के तौर पर उन्होंने कुछ समय पहले खुद को अधिक सक्रिय बनाए रखने का फैसला किया, जिसके चलते वह लिफ्ट की जगह सीढ़ियों का इस्तेमाल करने लगीं और रिक्शा की जगह पैदल घर व बाजार जाने लगीं। वह तीसरी मंजिल पर रहती हैं। शुरुआत में सीढ़ियां चढ़ने में थकान होती थी, पर आदत हो जाने के बाद अब समस्या नहीं होती।

समय रहते दें ध्यान

लेकिन एक माह बाद ही उन्हें सीढ़ियां उतरते हुए सीधे पैर के घुटने में सामने के हिस्से में कुछ परेशानी महसूस होने लगी, पर उन्होंने ज्यादा ध्यान नहीं दिया। करीब एक सप्ताह गुजरने के बाद यह परेशानी हल्के दर्द में बदल गई। धीरे-धीरे सीढ़ियां चढ़ते हुए भी पैरों में दर्द होने लगा। डॉक्टर ने इसे घुटने के सामने वाले हिस्से का दर्द बताया, जिसे चिकित्सकीय भाषा में पेटेलोफीमोरल पेन सिंड्रोम/ एंटीरियर नी पेन या फिर कॉन्ड्रोमेलेसिया पटेला कहते हैं। डॉक्टर ने उन्हें कुछ दर्द निवारक दवाएं लेने को कहा है। साथ ही सीढ़ियां चढ़ने-उतरने से बचने की सलाह दी है। दर्द दोबारा न हो, इसलिए मांसपेशियों को मजबूत बनाने के लिए फिजियोथेरेपिस्ट के पास जाने की सलाह भी दी है।

दर्द का कारण

जांघ की हड्डी को फीमर, जोड़ की मुख्य बड़ी हड्डी को टिबिया और नी कैप को पटेला कहते हैं। जांघ की हड्डी और नी कैप से मिल कर जो जोड़ बनता है, उसे पेटेलोफीमोरल जॉइंट कहते हैं। लगभग 20 फीसदी मरीज पेटेलोफीमोरल पेन सिंड्रोम (पीएफपीएस) के शिकार होते हैं। पुरुषों की तुलना में महिलाओं में यह समस्या अधिक होती है। यह दर्द नी कैप और जांघ की हड्डी के बीच अधिक घर्षण होने के कारण होता है। इस वजह से पंजे की एड़ियों का पिछला हिस्सा, टखना, कूल्हे का ऊपरी हिस्सा, पेडू और पैरों के मध्य में दर्द बढ़ जाता है। नी कैप के जांघ की हड्डी से टकराने के कई कारण होते हैं। पीएफपीएस के अधिक होने का मुख्य कारण पैर की मांसपेशियों का प्रभावित होना है। ये मांसपेशियां एक तरह से हमारे शरीर का इंजन रूम होती हैं, जिनकी सक्रियता के कारण ही हमारी सक्रियता बनी रहती है। चलने से लेकर दौड़ने जैसी हर गतिविधि इन्हीं मांसपेशियों के कारण होती है। जब ये मांसपेशियां ढंग से काम नहीं करतीं तो घुटनों पर दबाव पड़ने लगता है। जांघ के बाहरी और सामने वाले हिस्से की मांसपेशियों पर काफी वजन पड़ता है, जिससे कई बार ये मांसपेशियां चोटिल हो जाती हैं व उनमें खिंचाव आ जाता है। उनका लचीलापन भी कम होने लगता है। मांसपेशियों में अकड़न बढ़ने से दर्द बढ़ने लगता है और मांसपेशियों की कार्यकुशलता कम होने लगती है। घुटने के जोड़ में दर्द भी होता है। आमतौर पर जांघ के भीतरी हिस्से की मांसपेशियों की तुलना में बाहरी मांसपेशियां अधिक कड़ी हो जाती हैं। इस असंतुलन के कारण नी कैप बाहर की ओर उठने लगती है और चलते समय जांघ वाली हड्डी से टकराती है। इसी वजह से नी कैप और जांघ की हड्डी के बीच सूजन और दर्द बढ़ जाता है।

उपचार का तरीका

फिजियोथेरेपिस्ट दर्द में आराम देने के लिए एक्यूप्रेशर या क्रॉस फ्रिक्शन मसाज तकनीक का इस्तेमाल करते हैं, जिसमें दर्द वाले हिस्से पर थोड़ा जोर देकर प्रेशर दिया जाता है। इसके अलावा मालिश से भी काफी आराम मिलता है। नियमित मालिश से मांसपेशियों की अकड़न वाले हिस्से में लचीलापन आ जाता है। कुछ आराम आने पर मांसपेशियों में मजबूती लाने के लिए स्ट्रेचिंग कराई जाती है। अपने डॉक्टर और फिजियोथेरेपिस्ट से आप घर में किए जाने वाले व्यायाम से राहत पा सकते हैं। आमतौर पर आराम आने में 12 से 16 सप्ताह का समय लग जाता है। घर में व्यायाम, डॉक्टर द्वारा की गयी सही जांच और फिजियोथेरेपिस्ट द्वारा अपनाई गयी विभिन्न तकनीक और मसाज कूल्हे और टखने के लचीलेपन को बढ़ा देते हैं। स्थायी निजात पाने के लिए, नियमित व्यायाम करना ही सबसे बेहतर उपाय है। ऐसा करने पर घुटने के आसपास की सभी मांसपेशियां मजबूत हो जाती हैं।

ये व्यायाम देंगे मांसपेशियों के दर्द से आराम

इलियोटिबियल बैंड को कूल्हे, जांघ और घुटने के भीतरी हिस्से की मांसपेशियों का समूह समझा जा सकता है। इस हिस्से में होने वाले दर्द में राहत पाने के लिए फोम रोलिंग एक प्रभावी तरीका है। इसके लिए आपको एक ट्यूब की जरूरत होगी, जिसे फोम रोलर कहते हैं। यह आसानी से आपको किसी आसपास के स्पोर्ट्स स्टोर से मिल जाएगा। फोम रोलर पर इस तरह लेटें, जिससे आपके शरीर का पूरा वजन जांघ के बाहरी हिस्से पर रहे। जांघ के निचले हिस्से से शुरू कर रोलर को मूव करते हुए धीरे-धीरे ऊपरी हिस्से तक जाएं। हर पैर से ऐसा पांच मिनट तक करें। लगातार दर्द वाली जगह पर इस तरह रोल करना मांसपेशियों को आराम पहुंचाएगा।

जांघ की सामने वाली मांसपेशियां

फोम रोलर पर इस तरह लेटें कि रोलर आपके दोनों घुटनों यानी नी कैप से थोड़ा ऊपर रहे। धीरे-धीरे ऊपर से नीचे और नीचे से ऊपर तक लाएं। ऐसा 5 से 10 मिनट तक करें।

घुटने का लचीलापन बढ़ाएं

पेट के बल लेटें। पेट की मांसपेशियों को भीतर की ओर खींचें। एक घुटने को मोड़ते हुए पीछे की ओर ले जाएं और पैर से पंजे को पकड़ते हुए एड़ी को कूल्हे पर टिकाने का प्रयास करें। 30 से 60 सेकंड तक इस मुद्रा में रहें। फिर इसे दूसरे पैर से दोहराएं। ऐसा तीन बार करें।

फोम रोलिंग, बाहरी कूल्हे के लिए

फोम रोलर पर इस तरह लेटें कि ये आपकी कूल्हे की हड्डी के पास हो। थोड़ा आगे और पीछे धीरे-धीरे मूव करें। हर तरफ से पांच मिनट ऐसा करें। इससे कूल्हे व कमर दोनों की मांसपेशियां मजबूत बनेंगी। दर्द कम होगा।

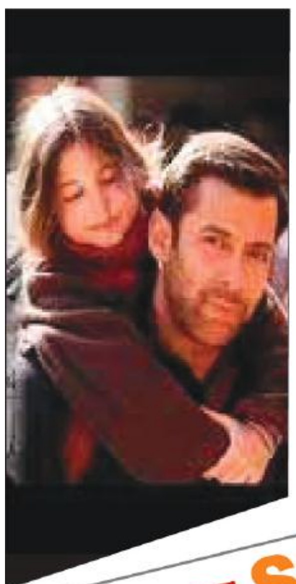

'बजरंगी भाईजान' के नौ साल पूरे निर्माताओं ने जारी किया वीडियो

नई दिल्ली। 'बजरंगी भाईजान' 17 जुलाई 2015 को रिलीज हुई थी। इस फिल्म ने अपनी रिलीज को नौ साल पूरे कर लिए। इस खास मौके पर फिल्म को बनाने वाली कंपनी सलमान खान फिल्म्स ने बरजंगी भाईजान के कुछ पर्दे के पीछे दृश्य फैंस के साथ साझा किए। इसके साथ कैप्शन में लिखा, 'हम बजरंगी भाईजान के नौ साल पूरे होने का जश्न मना रहे हैं, ऐसे में हम आपको बजरंगी भाईजान के पर्दे के पीछे (बीटीएस) एक्शन से पहले और कट के बाद हुई पागलपन भरी मस्ती के पलों के साथ पुरानी यादों में ले चल रहे हैं।' इस बीटीएस वीडियो में फिल्म के कलाकारों को मस्ती मजाक करते हुए देखा जा सकता है।

लाइफ Style

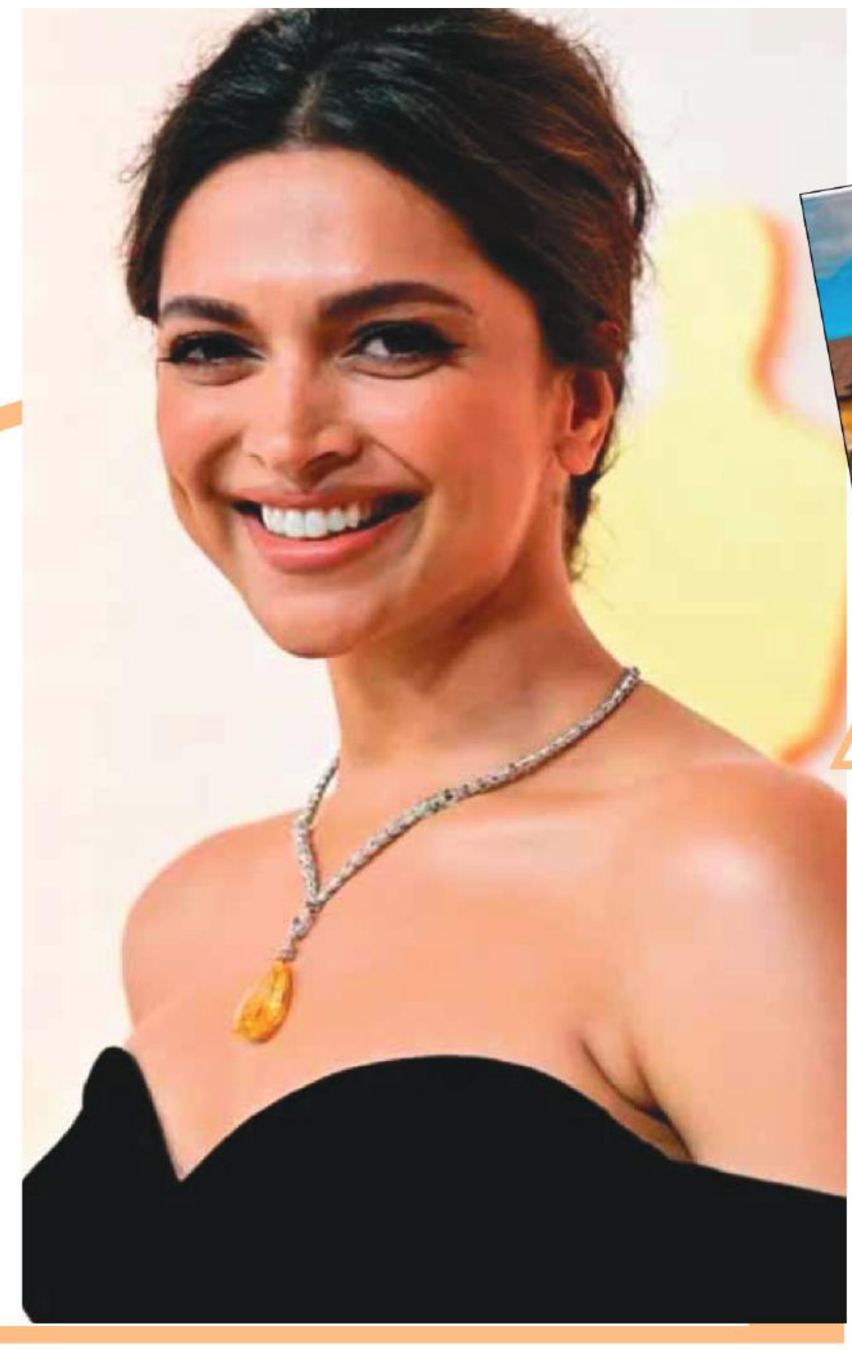

दीपिका
परोसी थाली दिखाकर दिए डाइटिंग टिप्स

अभिनेत्री दीपिका पादुकोण इन दिनों अपना पूरा ख्याल रख रही हैं। रखना भी चाहिए, आखिर नई जिम्मेदारी जो निभानी है। दीपिका गर्भवती हैं और इन दिनों अपनी सेहत और खानपान का ध्यान रख रही है। सोशल मीडिया पर भी भरपूर समय बिता रही हैं और अपने फैंस को भी बीच-बीच में सलाह दे देती हैं।

एजेंसी ▶▶ मुंबई

दीपिका ने अपने फैंस को खानपान संबंधी कुछ टिप्स दिए हैं और साथ ही संतुलित आहार का महत्व बताती दिखी हैं। दीपिका पादुकोण ने इंस्टाग्राम पर खाने के कुछ आइटम्स की तस्वीरें साझा की हैं। इनमें समोसा है, मिठाई है, केक और आइसक्रीम जैसी चीजें भी हैं। इसके साथ उन्होंने लिखा है, 'क्या आप मेरे फीड पर यह देखकर हैरान हैं? खैर, मैं ये सब खाती हूं! और मैं अच्छे से खाती हूं! जो कोई भी मुझे जानता है, उससे पूछिए। इसलिए आप जो कुछ भी सुनते या पढ़ते हैं, उस पर विश्वास न करें'। दीपिका ने आगे लिखा, 'लेकिन इसकी ट्रिक क्या है? बैलेंस, स्थिरता और अपने शरीर की सुनना। ऐसा लगता है कि 'डाइट' शब्द को लेकर बहुत सी गलतफहमियां हैं। हम अक्सर मानते हैं कि 'डाइट' का मतलब है भूखा रहना, कम खाना और वो सब खाना जिनसे हमें नफरत है। लेकिन, 'डाइट' का मतलब हकीकत में यह है कि कोई व्यक्ति जो भी खाना और पेय पदार्थ लेता है। यह शब्द वास्तव में ग्रीक शब्द 'डायटा' से आया है, जिसका अर्थ है 'जीवन जीने का तरीका'। दीपिका ने आगे लिखा, 'जहां तक मुझे याद है, मैंने हमेशा 'संतुलित आहार' का पालन किया है। और यह मेरे लिए 'जीवन जीने का एक तरीका' है। मैंने कभी भी ऐसा आहार नहीं अपनाया है, जिसका मैं लगातार पालन न कर सकूं या जो एक सनक बन जाए।

हॉलीवुड मसाला

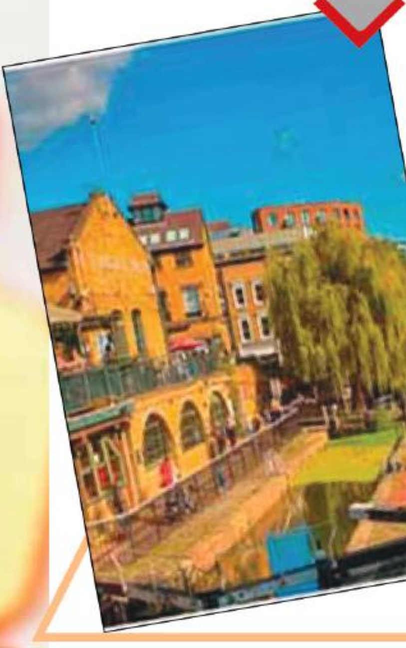

फिल्म क्वार्टर की योजना का अनावरण

लंदन। कैमडेन फिल्म क्वार्टर नामक विकास परियोजना के तहत लंदन में नए फिल्म और टीवी स्टूडियो बनाने की योजना का अनावरण किया गया है। लंदन बरो ऑफ कैमडेन के केंटिश टाउन में साउंडस्टेज, नेशनल फिल्म एंड टीवी स्कूल कैंपस, और घरों और कार्यस्थलों की योजना है। कैमडेन फिल्म क्वार्टर एक ऐसी जगह होगी, जिसमें सुविधाएं, आवास और सार्वजनिक स्थान होंगे। इसमें फिल्म और टीवी मुख्य होंगे। साथ ही इंडस्ट्री के लिए कई स्टूडियो और स्थान होंगे।

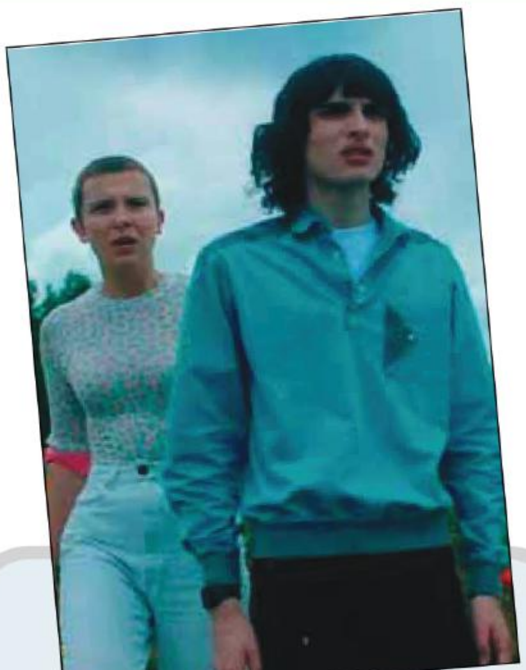

स्ट्रेंजर थिंग्स 5 शो में हुई नए कलाकारों की एंट्री

लॉस एंजिलिस। नेटफ्लिक्स ने स्ट्रेंजर थिंग्स के आगामी पांचवें सीजन को लेकर एक नया ऐलान किया है। दिग्गज ओटीटी प्लेटफॉर्म की ओर से पांचवें सीजन के लिए तीन और कलाकारों के नाम पर मुहर लगा दी गई है। शो में नेल फिशर, जेक कोनेली और एलेक्स ब्रेक्स जल्द ही अपनी अदाकारी का जादू बिखेरते हुए नजर आएंगे। साथ ही, नेटफ्लिक्स ने शो के पर्दे के पीछे के वीडियो के जरिए इन तीनों कलाकारों और लिंडा हैमिल्टन की झलक भी साझा की है। पांचवें सीजन की लगभग आधी शूटिंग खत्म हो चुकी है। जारी किए गए वीडियो में सीजन 4 के फिनाले में हुई भयावह घटना के बाद के कुछ सुराग दिए गए हैं। वीडियो में हॉकिन्स हाई स्कूल जिसमें, शो के मुख्य किरदार पढ़ते हैं, वह काफी हद तक बरकरार दिख रहा है।

ये सात फिल्में कर दी थीं रिजेक्ट

नई दिल्ली। कैटरीना कैफ अपना 41वां बर्थडे मना रही हैं।। वहीं इन दिनों वह प्रेग्नेंसी रुमर्स के चलते सुर्खियों में हैं। लेकिन फिल्मी करियर की बात करें तो वह उन एक्ट्रेसेस में से एक हैं, जिन्होंने बॉलीवुड में कई हिट फिल्में दी। इनमें नमस्ते लंदन से लेकर जिंदगी ना मिलेगी दोबारा और एक था टाइगर जैसी फिल्में हैं। 17 साल के करियर में उन्होंने कई फिल्में रिजेक्ट कीं। लेकिन सात ऐसी फिल्में, जिन्हें रिजेक्ट ना करती तो कटरीना कैफ का रुतबा कुछ अलग ही था। इस लिस्ट में 300 करोड़ से ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म है। पहली फिल्म चेन्नई एक्सप्रेस, दूसरी फिल्म बर्फी, तीसरी फिल्म रामलीला, चौथी फिल्म ये जवानी है दीवानी, पांचवी फिल्म बाजीराव मस्तानी, छठी फिल्म गुंडे, सातवीं फिल्म हाफ गर्लफ्रेंड है, जिसमें श्रद्धा कपूर और अर्जुन कपूर लीड रोल में थे। लेकिन इससे पहले कटरीना कैफ को फिल्म ऑफर हुई थी।

राघव जुयाल की विलेनगिरी ने जीता सबका दिल

नई दिल्ली। कल्कि 2898एडी को टक्कर देने 12 दिन पहले यानी 5 जुलाई को किल रिलीज हुई थी। एक्शन थ्रिलर मूवी में डेब्यू कर रहे एक्टर लक्ष्य और राघव जुयाल नजर आ रहे हैं। जैसा कि आप जानते हैं राघव जुयाल को बॉलीवुड फिल्में और डांस रियलिटी शोज में कॉमेडी को लेकर काफी फेमस हैं। वह किल में विलेन के रोल में नजर आ रहे हैं। इसे दर्शक भी काफी पसंद कर रहे हैं। इसी बीच मेकर्स ने रीमेक को लेकर अपडेट दिया और निखिल नागेश भट निर्देशित फिल्म 'किल' के भारतीय रीमेक के बारे में चल रही अटकलों को साफ किया है। धर्मा प्रोडक्शन ने स्टेटमेंट ने जारी करते हुए लिखा, 'हमारी फिल्म किल के रीमेक को लेकर हाल ही में चल रही अटकलों पर विराम लगाते हुए हम पुष्टि करते हैं कि केवल अंग्रेजी भाषा के रीमेक के अधिकार बेचे गए हैं।

टीवी मसाला

'तारक मेहता...' में फिर टूटी पोपटलाल की सगाई

नई दिल्ली। 'तारक मेहता' में हाल ही पोपटलाल की शादी फिर से कैंसिल हो गई, जिससे फैंस निराश हो गए। पोपटलाल की मधुबाला से सगाई हो रही थी पर थैलेसीमिया के कारण उनकी शादी तोड़नी पड़ी। असित मोदी ने इस पर रिएक्ट किया और बताया कि पोपटलाल की शादी क्यों कैंसिल करनी पड़ी। 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' के लेटेस्ट एपिसोड में दर्शकों को उस वक्त बड़ा झटका लगा जब पोपटलाल और मधुबाला की सगाई टूट गई। दर्शक लंबे वक्त से पोपटलाल की शादी का इंतजार कर रहे थे। डॉ. हाथी ने बताया कि पोपटलाल और मधुबाला में थैलेसीमिया के लक्षण हैं। यह एक जेनेटिक बीमारी है, जिसमें हीमोग्लोबिन का स्तर काफी घट जाता है, जो आगे चलकर घातक साबित हो सकता है। इससे दर्शकों का दिल टूट गया था। फैंस को इस बात से झटका लगा कि पोपटलाल की शादी होते-होते रह गई। अब शो के प्रोड्यूसर असित मोदी ने इस बारे में बात की है। उन्हें पता है कि दर्शक 'तारक मेहता' में पोपटलाल की शादी न होने से कितने निराश हैं। लेकिन वह चाहते हैं कि दर्शक शो की कहानी पर फोकस करें और देखें कि किस तरह थैलेसीमिया जैसी गंभीर बीमारी के प्रति जागरुकता फैलाई जा रही है।

लड़की के चक्कर में हुई थी अदनान शेख की पिटाई?

नई दिल्ली। 'बिग बॉस ओटीटी 3' के पहले वाइल्ड कार्ड प्रतियोगी के रूप में अदनान शेख की एंट्री हुई है। अदनान के घर में आने से हलचल और ज्यादा बढ़ गई है। जहां कुछ नई गतिशीलताएं बन रही हैं तो कुछ पुरानी गतिशीलताएं थोड़ी अस्थिर प्रतीत हो रही हैं।

लेटेस्ट एपिसोड में अरमान मलिक अपनी पत्नी कृतिका मलिक से अदनान शेख के बारे में बात करते नजर आए। इस दौरान उन्होंने एक ऐसा चौंकाने वाला खुलासा किया, जिसे जानकर दर्शक भी दंग रह गए हैं। बातचीत में अरमान, कृतिका के सामने यह खुलासा करते नजर आए कि कुछ साल पहले अदनान की भीड़ ने पिटाई कर दी थी। अरमान ने खुलासा किया, 'फैजू ने एक इंटरव्यू में कहा था कि हम सब में से सबसे ज्यादा गुस्से वाला ये है। खाक गुस्से वाला है, कुछ लोगों ने एक बार इसे घेर कर बहुत मारा था रोड पे।' जब कृतिका ने इसके पीछे का कारण पूछा, तो अरमान ने कहा, 'लड़की के चक्कर में मार खाई थी इसने।' कृतिका तब हैरान रह गईं।

जया के लिए बारिश में छाता पकड़े नजर आए अमिताभ

मुंबई। अमिताभ बच्चन की एक तस्वीर इस वक्त सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही है, जिसमें वह पत्नी जया बच्चन के लिए बारिश में छाता पकड़े नजर आ रहे हैं। फैंस अमिताभ के इस जेस्चर की खूब तारीफ कर रहे हैं, पर उन्हें जया का रवैया पसंद नहीं आ रहा है। कुछ यूजर्स ने तो इस पर सवाल भी करने शुरू कर दिए। 81 वर्षीय अमिताभ बच्चन ने एक्स पर एक तस्वीर शेयर की है, जिसमें वह पत्नी जया बच्चन के सिर पर छाता पकड़े हुए नजर आ रहे हैं। साथ में लिखा है, 'हर रोज बारिश हो रही है। यहां तक कि सेट पर काम पर भी।' तस्वीर में जया हाथ में लड्डू पकड़े हैं और चेहरे पर उदासी नजर आ रही है।' इस तस्वीर पर जहां फैंस ने प्यार लुटाया और अमिताभ बच्चन की तारीफ की, वहीं यूजर्स को जया बच्चन का ऐसा अंदाज रास नहीं आया। यूजर्स ने सवाल किया कि जया हमेशा गुस्से में क्यों रहती हैं? वह इस तस्वीर में गुस्से में क्यों हैं? एक यूजर ने कमेंट किया, 'मैडमजी हमेशा गुस्से में क्यों रहती हैं?' एक और यूजर ने लिखा है, 'जीरो से लेकर शोहरत के चरम तक, हर पुरुष की यही हालत है।'

फिल्मों में नहीं करेंगी काम

नई दिल्ली। इलियाना डिक्रूज अपनी पर्सनल लाइफ पर ध्यान देने के लिए फिल्मों से दूर रह रही हैं। खास तौर पर अपने बेटे कोआ फीनिक्स डोलन के साथ ज्यादा समय बिताने और उन्हें अच्छी परवरिश देने के लिए इलियाना ने काम से ब्रेक के बारे में सोचा। इलियाना एक मां के रूप में अपनी जिंदगी के नए फेज को अपना रही हैं और सही समय आने तक लाइमलाइट से दूर रहना चाहती हैं। उन्होंने इंस्टाग्राम पर आस्क मी एनीथिंग (एएमए) सेशन के दौरान यह खुलासा किया. पिछले साल अगस्त में अपने पार्टनर माइकल डोलन के साथ एक बेटे की मां बनीं इलियाना फिलहाल अपने करियर से ज्यादा अपने परिवार को प्रायौरिटी दे रही हैं। हाल ही में एएमए सेशन के दौरान एक फैन ने उनसे फिल्मों में वापसी के बारे में पूछा। इलियाना ने जवाब दिया, 'जब सही समय आएगा तब आप मुझे फिल्मों में देख पाएंगे, फिलहाल मैं अपने बेटे को अपना समय देना चाहती हूं।' उन्होंने अपनी नींद के शेड्यूल के बारे में भी अपडेट शेयर किया। बताया कि अब जबकि वह एक फुलटाइम मॉम हैं। 'बर्फी' एक्ट्रेस ने एक फैन के कहने पर अपने पति माइकल के साथ एक फोटो भी शेयर की। उन्होंने तस्वीर को कैप्शन दिया, 'प्री-बेबी बेबीज।'

रानी चटर्जी ने मरून कुर्ते में किया कमाल का डांस

नई दिल्ली। बड़की बहू छोटकी बहू की एक्ट्रेस रानी चटर्जी की चर्चा इन दिनों हर ओर है। उनकी भोजपुरी फिल्म बड़की बहू छोटकी बहू यूट्यूब पर फैन्स का खूब दिल जीत रही है। उनकी अगली फिल्म दीदी नंबर वन का ट्रेलर भी रिलीज हो गया है। इस बीच भोजपुरी एक्ट्रेस रानी चटर्जी ने अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें वह मरून कुर्ते में किसी मनोहर पार्क या फिर सेट पर नहीं बल्कि टूटी फूटी बालकनी में डांस कर रही हैं। इस वीडियो में भोजपुरी क्वीन का डांस बहुत ही कमाल का है और फैन्स के भी काफी मजेदार कमेंट आ रहे हैं। भोजपुरी एक्ट्रेस रानी चटर्जी ने जो वीडियो शेयर किया है उसमें वो हिंदी गाने बदमाश दिल तो ठग है बड़ा गाने पर डांस करती दिख रही हैं। उन्होंने एक सिंपल सा मरून कुर्ता पहना हुआ है। बाल भी पीछे की तरफ बहुत सिंपल तरह से टाई किए गए हैं। मेकअप और दूसरी एसेसरीज भी ना के बराबर हैं। लेकिन रानी चटर्जी ने सारा कमाल अपने एक्सप्रेशन और अपने डांस से किया है। गाने की शुरुआत में वो मुंडेर पर हाथ रख कर स्माइल करते हुए गाने के साथ लिप सिंक करती हैं।

इन अभिनेत्रियों का अभिनय देख दर्शकों ने पीटा माथा
ओवरएक्टिंग के हर पायदान पर आईं अव्वल

मुंबई। बॉलीवुड हसीनाओं के लाखों-करोड़ों में चाहने वाले होते हैं। इनके फैंस इनकी एक झलक पाने के लिए उत्सुक दिखाई देते हैं। कई लड़कियां इन अभिनेत्रियों के स्टाइल को भी कॉपी करना पसंद करती हैं। ये हसीनाएं फिल्मों में अपने किरदार को रियल दिखाने के लिए कड़ी मेहनत करती हैं। इसके बावजूद भी कई बार फैंस इनके अभिनय को ओवरएक्टिंग का टैग दे देते हैं। इंडस्ट्री में कई मशहूर अभिनेत्रियां, जिनकी एक्टिंग देखकर दर्शकों ने अपना माथा पीट लिया है। इसके चलते कई बार ये ट्रोलर्स के निशाने पर भी आ जाती हैं।

सारा अली खान

बॉलीवुड अभिनेत्री सारा अली खान का नाम इस लिस्ट में पहले नंबर पर आता है। सारा ने फिल्म केदारनाथ से बॉलीवुड में कदम रखा था। सारा को भी उनके अभिनय प्रदर्शन के लिए कई बार ट्रोलर्स के निशाने पर आना पड़ गया है। यूजर्स सारा को ओवरएक्टिंग का टैग दे चुके हैं।

करीना कपूर खान

बॉलीवुड में बेबो के नाम से मशहूर करीना कपूर खान की फिल्मों के लोग दीवाने हैं। अपनी शानदार अदाकरी से करीना फैंस के दिलों पर राज करती हैं। हाल में करीना क्रू में नजर आई थीं। मगर दर्शकों ने करीना की भी कई फिल्मों में उनके अभिनय को ओवरएक्टिंग करार दिया है।

अनन्या पांडे

अभिनेत्री अनन्या पांडे भी अपने अभिनय प्रदर्शन को लेकर कई बार ट्रोलर्स के निशाने पर आ चुकी हैं। सोशल मीडिया पर नेटीजन्स उनकी एक्टिंग को ओवरएक्टिंग का बता चुके हैं। वह आखिरी बार फिल्म खो गये हम कहां में नजर आई थीं।

जान्हवी कपूर

अभिनेत्री जान्हवी कपूर का नाम इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर आता है। जान्हवी कई फिल्मों में अपनी एक्टिंग का जलवा बिखेर चुकी हैं। अभिनेत्री के फैशन और उनके स्टाइल के लोग दीवाने हैं। मगर अभिनय के में जान्हवी भी कई बार ट्रोल हो चुकी हैं। उनकी कई फिल्मों में दर्शकों ने उनके अभिनय को ओवरएक्टिंग बताया है।

तारा सुतारिया

अभिनेत्री तारा सुतारिया का नाम भी इस लिस्ट में शामिल है। तारा ने फिल्म स्टूडेंट ऑफ द ईयर 2 से बॉलीवुड में कदम रखा था। अभिनेत्री की तस्वीरें और स्टाइल फैंस को काफी पसंद आता है। तारा सुतारिया की एक्टिंग के मामले में कई दर्शक ओवरएक्टिंग का टैग दे चुके हैं।

खबर संक्षेप

सोने में लगातार तेजी 700 रुपए और मजबूत

नई दिल्ली। ताजा घरेलू मांग के साथ साथ रुपये में अवमूल्यन के कारण राष्ट्रीय राजधानी के सराफा बाजार में बृहस्पतिवार को सोना 700 रुपये की बढ़त के साथ 76,400 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ। अखिल भारतीय सराफा संघ ने यह जानकारी दी है। इससे पिछले कारोबारी सत्र में सोना 75,700 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था।

हैवेल्स इंडिया के लाभ में 42 फीसदी का इजाफा

नई दिल्ली। हैवेल्स इंडिया लिमिटेड का चालू वित्त वर्ष (2024-25) की जून में समाप्त पहली तिमाही का एकीकृत शुद्ध लाभ 42 प्रतिशत के उछाल के साथ 407.51 करोड़ रुपये रहा है। कंपनी ने बृहस्पतिवार को बताया कि शुद्ध लाभ में यह बढ़त चिलचिलाती गर्मी के कारण उसके उपकरणों की बिक्री में मजबूत वृद्धि से हुई।

विप्रो यूके ने विप्रो सर्विसेज यूके को पूरी हिस्सेदारी दी

नई दिल्ली। विप्रो होल्डिंग्स (यूके) ने विप्रो फाइनेंशियल आउटसोर्सिंग सर्विसेज लिमिटेड में अपनी पूरी शेयरधारिता विप्रो आईटी सर्विसेज यूके सोसाइटास को हस्तांतरित कर दी है। सरल बनाने के प्रयासों के तहत उठाया गया है। इसके साथ ही विप्रो आईटी सर्विसेज यूके सोसाइटास की विप्रो फाइनेंशियल आउटसोर्सिंग सर्विसेज में 100 प्रतिशत हिस्सेदारी हो जाएगी।

टाटा टेक्नोलॉजीज के लाभ में 15 फीसदी की गिरावट

नई दिल्ली। वैश्विक इंजीनियरिंग और उत्पाद विकास डिजिटल सेवा कंपनी टाटा टेक्नोलॉजीज लिमिटेड का एकीकृत शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष (2024-25) की अप्रैल-जून तिमाही में 15.4 प्रतिशत की गिरावट के साथ 162.03 करोड़ रुपये रहा है। कंपनी ने बृहस्पतिवार को बताया कि शुद्ध लाभ में यह गिरावट अधिक खर्चों के कारण हुई है।

एएसके प्रापर्टी फंड ने किया कल्पतरु में निवेश

नई दिल्ली। एएसके प्रॉपर्टी फंड ने मुंबई में कल्पतरु द्वारा विकसित की जा रही एक रियल एस्टेट परियोजना में 190 करोड़ रुपये का निवेश करने की बृहस्पतिवार को घोषणा की। ब्लैकस्टोन समर्थित एएसके एसेट एंड वेल्थ मैनेजमेंट समूह की एक रियल एस्टेट निजी इक्विटी शाखा है। कल्पतरु द्वारा विकसित की जा रही एक परियोजना में 190 करोड़ रुपये का निवेश किया है।

वेदांता के क्यूआईपी को तीन गुना अभिदान

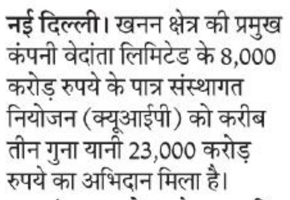

नई दिल्ली। खनन क्षेत्र की प्रमुख कंपनी वेदांता लिमिटेड के 8,000 करोड़ रुपये के पात्र संस्थागत नियोजन (क्यूआईपी) को करीब तीन गुना यानी 23,000 करोड़ रुपये का अभिदान मिला है। एक संस्थागत ब्रोकर ने बताया कि क्यूआईपी में विदेशी संस्थागत निवेशकों,म्यूचुअल फंड, बीमा कंपनियों और अन्य निवेशकों ने काफी उत्साह दिखाया है। निप्पॉन, आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल, एसबीआई, मिराए और व्हाइट ओक जैसे प्रमुख म्यूचुअल फंड कंपनियों ने इसमें बोलियां लगाई हैं।

भविष ने पिचई को दी ऐसी टक्कर, गूगल को 70 फीसदी घटानी पड़ी कीमत

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

ओला के सीईओ भविष अग्रवाल इन दिनों विदेशी टेक कंपनियों को लेकर हमलावर बने हुए हैं। उन्होंने इनकी तुलना ईस्ट इंडिया कंपनी से तक कर दी थी।

- इंडियन डेवलपर्स से ओला मैप्स का फ्री इस्तेमाल करने कहा

साथ ही ओला ने गूगल मैप्स की सेवाओं का इस्तेमाल बंद कर ओला मैप्स का प्रयोग शुरू कर दिया था। सीईओ अग्रवाल ने इंडियन डेवलपर्स से अपील की थी कि वह ओला मैप्स का फ्री में इस्तेमाल कर सकते हैं। भविष अग्रवाल के इस हमले से गूगल के सीईओ सुंदर पिचई को बड़ा झटका लगा और कंपनी ने गूगल मैप्स सर्विस की कीमत में 70 फीसदी की बड़ी कटौती कर दी है। नई कीमत 1 अगस्त से लागू होगी।

ओला ने गूगल मैप्स की सेवाओं का इस्तेमाल बंद कर दिया

ओला मैप्स से गूगल मैप्स को दे रहे चुनौती

इससे पहले भविष अग्रवाल ने अपने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस स्टार्टअप कृत्रिम के जरिए मैपिंग और लोकेशन बेस्ड सर्विस ओला मैप्स एपीआई लांच की थी। साथ ही डेवलपर्स से आग्रह किया था कि वह एक साल तक इन सेवाओं का फ्री इस्तेमाल कर सकते हैं। उन्होंने दावा किया था कि कृत्रिम के जरिए इंडिया फर्स्ट को ध्यान में रखते हुए सेवाएं लांच की जाएंगी। इसके अलावा ओला कैब्स में भी अब ओला मैप्स का ही इस्तेमाल किया जा रहा है। भविष अग्रवाल ने बताया था कि यह कदम उठाकर कंपनी को 100 करोड़ रुपए सालाना बचाने में मदद मिलेगी।

भविष अग्रवाल

सुंदर पिचई

रुपए में पेमेंट होगा स्वीकार

साथ ही बताया कि वह भारतीय रुपए में भी पेमेंट स्वीकार करेगी। अभी तक आपको डॉलर में ही भुगतान करना पड़ता है। कंपनी ने कहा कि गूगल मैप्स प्लेटफॉर्म की सस्ती सर्विस की मदद से भारत के डेवलपर्स को लोकेशन बेस्ड सर्विस बनाने में आसानी होगी।

गूगल 90 फीसदी तक देगी डिस्काउंट

इसके साथ ही गूगल ने ओपन नेटवर्क फॉर डिजिटल कॉमर्स से पार्टनरशिप करने का ऐलान भी किया है। कंपनी ने बताया कि ओएनडीसी पर काम कर रहे डेवलपर्स को 90 फीसदी तक डिस्काउंट दिया जाएगा। कंपनी ने बेंगलुरु में एक कार्यक्रम के दौरान इसकी घोषणा की।

नए रेट का फायदा सिर्फ इंडियन कस्टमर को : गूगल ने बताया कि नए रेट का फायदा सिर्फ इंडिया के कस्टमर को मिलेगा। कंपनी सख्ती से इसकी जांच करेगी कि सस्ती कीमतों का फायदा सिर्फ इंडिया के लोग ही उठा सकें। एक अगस्त ने इनकी बिलिंग भी रुपए में की जाने लगेगी। फिलहाल जो जियोकोडिंग एपीआई 5 डॉलर के रेट में मिल रही थी, वह अब 1. 50 डॉलर में ही मिल जाएगी।

विशेषज्ञों ने बजट से पहले अपने सुझाव में कहा

एमएसएमई के लिए मुद्रा योजना के तहत कर्ज सीमा दोगुनी करे सरकार

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

देश में सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यमों (एमएसएमई) को बढ़ावा देने के लिए आगामी बजट में मुद्रा योजना के तहत कर्ज सीमा बढ़ाकर 20 लाख रुपये करने के साथ कर प्रोत्साहन देने की जरूरत है। साथ ही लागत में कटौती और उत्पादों के बेहतर विपणन के लिए उत्पादक सहकारी समितियों के माध्यम से कच्चे माल तक आसान पहुंच की सुविधा देने आवश्यकता है।

विशेषज्ञों ने बजट से पहले अपने सुझाव में कही है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण लोकसभा में 23 जुलाई को 2024-25 का बजट पेश करेंगी। बजट को लेकर उम्मीदों पर, फिनकैप के मुख्य कारोबार अधिकारी (खुदरा और एमएसएमई) नवीन सैनी ने कहा कि सरकार संभवतः एमएसएमई के लिए एक मजबूत आधार प्रदान करने, उनके विकास को बढ़ावा देने के अपने एजेंडा को जारी रखेगी।

क्रेडिट गारंटी कवर को बढ़ाने पर विचार

सैनी ने कहा, 'इसे हासिल करने के लिए, उन्हें प्रधानमंत्री मुद्रा योजना (पीएमएमवाई) के तहत कर्ज सीमा को 10 लाख रुपये से बढ़ाकर 20 लाख रुपये करने और एमएसएमई के लिए असुरक्षित माने जाने वाले ऋण के लिए क्रेडिट गारंटी कवर को दो करोड़ रुपये से बढ़ाकर पांच करोड़ रुपये करने पर विचार करना चाहिए।'

एमएसएमई अर्थव्यवस्था की रीढ़

सैनी ने कहा, 'ये उपाय एमएसएमई को आवश्यक वित्तीय संसाधनों तक अधिक पहुंच प्रदान करेंगे, जिससे वे आगे बढ़ सकेंगे और अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान दे सकेंगे।' भारतीय युवा शक्ति ट्रस्ट (बीवाईएसटी) की संस्थापक एवं प्रबंध ट्रस्टी लक्ष्मी वेंकटरमन वेंकटेशन ने कहा, एमएसएमई हमारी अर्थव्यवस्था की रीढ़ है।

प्रधानमंत्री मुद्रा योजना तक पहुंच आसान

सरकार को इस क्षेत्र के लिए सहायक नीतियां पेश करना महत्वपूर्ण है। इसमें विशेष रूप से महिलाओं के लिए पीएमईजीपी (प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम), सीजीटीएमएसई (क्रेडिट गारंटी फंड ट्रस्ट फॉर माइक्रो एंड स्मॉल एंटरप्राइजेज) और प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के माध्यम से वित्त तक आसान पहुंच शामिल हो।

- कर्ज सीमा बढ़ाकर 20 लाख रुपए की जाए
- उद्यमों को कर प्रोत्साहन देने की जरूरत
- कच्चे माल तक आसान पहुंच की सुविधा देने की आवश्यकता

एमएसएमई आईपीआर सृजित करने पर केंद्रित

सैटनैव टेक्नोलॉजीज के संस्थापक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) अमित प्रसाद ने कहा कि जो एमएसएमई आईपीआर (बौद्धिक संपदा अधिकार) सृजित करने पर केंद्रित हैं, उनके पास अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बढ़ने के लिए कोई औपचारिक वित्तपोषण प्रक्रिया नहीं है।

विनिर्माण इकाइयों के लिए कर प्रोत्साहन जरूरी

वेंकटेशन ने कहा, 'इसके अलावा, उन विनिर्माण इकाइयों के लिए कर प्रोत्साहन की जरूरत है जिनका सालाना कारोबार एक करोड़ रुपये से कम है। साथ ही लागत में कटौती और अपने उत्पादों के बेहतर विपणन के लिए उत्पादक सहकारी समितियों के माध्यम से कच्चे माल तक आसान पहुंच की सुविधा भी दिये जाने की आवश्यकता है।'

नए कारोबार को विकास का लक्ष्य देना होगा

प्रसाद ने कहा, 'आईपीआर आधारित संस्थाओं पर ध्यान केंद्रित करते हुए उन्हें नये कारोबार के विकास को लक्ष्य देना हमारे देश के लिए उल्लेखनीय कदम साबित हो सकता है...।'

भारत की दो कोल ब्लॉक दुनिया की 10 सबसे बड़ी खदानों में शामिल

▶▶ नई दिल्ली

- गेवरा को दूसरा और कुसमुंडा को चौथा स्थान
- दोनों की ब्लॉक छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में स्थित

दुनिया की 10 सबसे बड़ी कोयला खदानों की सूची में सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) के गेवरा और कुसमुंडा ब्लॉक ने क्रमशः दूसरा और चौथा स्थान हासिल किया है। वर्ल्डएटलस डॉट कॉम ने उत्पादन मात्रा के आधार पर कोयले की सबसे बड़ी खदानों की सूची जारी की है।

एसईसीएल ने बृहस्पतिवार को बयान में कहा कि छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में स्थित दोनों खदानें सालाना 10 करोड़ टन से अधिक कोयला उत्पादन करती हैं। यह भारत के कुल कोयला उत्पादन का लगभग 10 प्रतिशत है। इसमें कहा गया, "वर्ल्डएटलस डॉट कॉम द्वारा जारी दुनिया की 10 सबसे बड़ी कोयला खदानों की सूची में गेवरा और कुसमुंडा कोयला खदानों को क्रमशः दूसरा और चौथा स्थान मिला है।" एसईसीएल ने कहा कि गेवरा खदान की वार्षिक उत्पादन क्षमता सात करोड़ टन है। इस खदान ने पिछले वित्त वर्ष (2023-24) में 5.9 करोड़ टन कोयले का उत्पादन किया।

जबकि कुसमुंडा ने पांच करोड़ टन से अधिक कोयले का उत्पादन किया।

अमेरिका की ब्लैक थंडर माइन पहले स्थान पर

एसईसीएल के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक (सीएमडी) प्रेम सागर मिश्रा ने कहा, 'यह गर्व की बात है कि दुनिया की पांच सबसे बड़ी कोयला खदानों में से दो छत्तीसगढ़ में हैं।'सूची के अनुसार, अमेरिका में ब्लैक थंडर माइन और नॉर्थ एंटेलोप रोशेल माइन ने क्रमशः पहला और तीसरा स्थान हासिल किया, जिसमें 2023 में 6.26 करोड़ टन और 5.62 करोड़ टन कोयला उत्पादन का अनुमान है।

आईटी दिग्गज इंफोसिस का मुनाफा 7.1 फीसदी बढ़ा

एजेंसी ▶▶ बेंगलुरु

- शुद्ध लाभ जून तिमाही के लिए 6,368 करोड़ रुपए
- कंपनी ने चालू वित्त वर्ष के लिए कंपनी का अनुमान बढ़ाया

प्रमुख सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) कंपनी इन्फोसिस का शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष (2024-25) की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में 7.1 प्रतिशत बढ़ा है। कंपनी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी।

कंपनी ने चालू वित्त वर्ष के लिए अपने वृद्धि अनुमान को भी बढ़ा दिया है। इन्फोसिस ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि उसका एकीकृत शुद्ध लाभ जून तिमाही में बढ़कर 6,368 करोड़ रुपये रहा है, जो बीते वित्त वर्ष की समान तिमाही में 5,945 करोड़ रुपये था। हालांकि, तिमाही आधार पर कंपनी का शुद्ध लाभ 20 प्रतिशत घटा है। इससे पिछली मार्च तिमाही में कंपनी ने 7,969 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया था। चालू वित्त वर्ष के लिए कंपनी ने स्थिर मुद्रा में अपनी आमदनी में बढ़ोतरी के अनुमान को एक-तीन से बढ़ाकर तीन-चार प्रतिशत कर दिया है। कंपनी पूरे साल के दौरान वृद्धि के अनुसार 15,000-20,000 नए लोगों को नियुक्ति करेगी। इन्फोसिसस के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) और प्रबंध निदेशक सलिल पारेख ने कहा, हमने चालू वित्त वर्ष की शानदार शुरुआत की है।

इसमें मजबूत और व्यापक आधार वाली वृद्धि, परिचालन मार्जिन में विस्तार, मजबूत बड़े सौदे और अबतक का सबसे ज्यादा नकदी सृजन हुआ है।

इंफोसिस के कर्मचारियों की संख्या छह फीसदी घटी

इन्फोसिस की आमदनी में सबसे अधिक योगदान वित्तीय सेवा खंड का रहता है। तिमाही के दौरान इस खंड का आमदनी में योगदान 0.3 प्रतिशत घटकर 27.5 प्रतिशत रह गया है। जून, 2024 तिमाही में कंपनी के कर्मचारियों की संख्या करीब छह प्रतिशत घटकर 3,15,332 रह गई, जो एक साल पहले 3,36,294 थी। मार्च, 2024 तिमाही में कर्मचारियों की संख्या 3,17,240 थी।

भारत के फिनटेक उद्योग का आकार 2029 तक बढ़ेगा

नई दिल्ली। भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) के गैर-कार्यकारी चेयरमैन और स्वतंत्र निदेशक अजय कुमार चौधरी ने कहा है कि भारतीय वित्तीय प्रौद्योगिकी (फिनटेक) उद्योग का आकार 2024 में लगभग 110 अरब डॉलर का होने का अनुमान है। इसके 2029 तक 420 अरब डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। डिजिटल अर्थव्यवस्था की ओर सरकार का कदम, साथ ही युवा और प्रौद्योगिकी-प्रेमी आबादी की वजह से वित्तीय प्रौद्योगिकी क्षेत्र नई ऊंचाइयों पर जा रहा है। 'चालू वर्ष तक भारतीय वित्तीय प्रौद्योगिकी उद्योग लगभग 110 अरब डॉलर का होने का अनुमान है और 2029 तक यह 31 प्रतिशत की सालाना वृद्धि के साथ लगभग 420 अरब डॉलर पर पहुंच जाएगा।'

शेयर बाजार ने लगातार चौथे दिन बनाया नया रिकॉर्ड

- सेंसेक्स पहली बार 81,000 अंक के पार
- निफ्टी भी 24,800 अंक ने नए शिखर पर

एजेंसी ▶▶ मुंबई

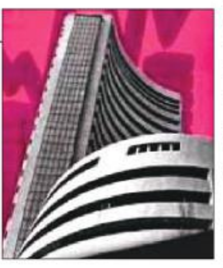

शेयर बाजार में रिकॉर्ड तेजी का सिलसिला बृहस्पतिवार को लगातार चौथे कारोबारी सत्र में भी जारी रहा और बीएसई सेंसेक्स 627 अंक उछलकर पहली बार 81,000 अंक के ऊपर बंद हुआ। निफ्टी भी 24,800 अंक के नये शिखर पर पहुंच गया।

आईटी, तेल एवं गैस तथा दैनिक उपयोग का सामान बनाने वाली कंपनियों के शेयरों में लिवाली से बाजार में तेजी रही। हालांकि, टीसीएस, इन्फोसिस और टेक महिंद्रा जैसे आईटी शेयरों तथा सूचकांक में मजबूत हिस्सेदारी रखने वाली रिलायंस इंडस्ट्रीज में लिवाली से सूचकांक दोपहर के कारोबार में नुकसान से उबर गया।

जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, 'आईटी कंपनियों के शेयरों में लिवाली के साथ प्रमुख कंपनियों के शेयरों में मजबूती से दोपहर के कारोबार में बाजार में तेजी आई और यह नई ऊंचाई पर पहुंच गया।

निर्यात में सुधार से जापान का व्यापार घाटा हुआ कम

टोक्यो। जापान में जून महीने में व्यापार अधिशेष सालाना आधार पर पांच गुना बढ़कर 224 अरब येन (1.4 अरब डॉलर) हो गया। वित्त मंत्रालय की ओर से बृहस्पतिवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, इस वर्ष की पहली छमाही में जापान का व्यापार घाटा पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में आधे से अधिक घटकर 3230 अरब येन (21 अरब डॉलर) रह गया।अमेरिकी डॉलर के मुकाबले येन की कमजोरी ने हाल के महीनों में जापान के निर्यात को बढ़ावा देने में मदद की है। वाहनों तथा कंप्यूटर चिप के बढ़ते निर्यात से जून में व्यापार अधिशेष एक साल पहले की तुलना में पांच गुना बढ़कर 224 अरब येन या 1.4 अरब डॉलर हो गया। कमजोर येन जापान के आयात के लिए नकारात्मक माना जाता है, खास तौर पर मुद्रास्फीति के रुझान और बढ़ती ऊर्जा लागत के बीच...।

गांवों में खर्च बढ़ने से मांग की स्थिति हुई बेहतर

एजेंसी ▶▶ मुंबई

- आरबीआई ने जारी की बुलेटिन
- वस्तुओं तथा सेवाओं में वैश्विक व्यापार गति पकड़ रहा

चालू वित्त वर्ष 2024-25 की दूसरी तिमाही (जून-अगस्त) की शुरुआत अर्थव्यवस्था में तेजी के संकेतों के साथ हुई है। ग्रामीण क्षेत्र में खर्च में सुधार से मांग की स्थिति बेहतर हुई। आरबीआई ने बृहस्पतिवार को बुलेटिन में यह कहा। आरबीआई के बुलेटिन में 'अर्थव्यवस्था की स्थिति' शीर्षक से प्रकाशित एक लेख में कहा गया कि विकसित अर्थव्यवस्थाओं और उभरती बाजार अर्थव्यवस्थाओं (ईएमई) में वैश्विक आर्थिक गतिविधियां मजबूत हो रही है। साथ ही वस्तुओं तथा सेवाओं में वैश्विक व्यापार गति पकड़ रहा है। लेख में कहा गया, '' भारत में 2024-25 की दूसरी तिमाही अर्थव्यवस्था में तेजी के संकेतों के साथ शुरू हुई है।'' कृषि परिदृश्य तथा ग्रामीण व्यय में सुधार, मांग बढ़ाने में प्रमुख बिंदु साबित हुए हैं। इसमें कहा गया कि लगातार तीन महीनों की नरमी के बाद जून 2024 में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति में वृद्धि हुई है। इसकी मुख्य वजह सब्जियों की कीमतों में वृद्धि है। उल्लेखनीय है कि सब्जियों और अन्य खाद्य उत्पादों की कीमतें बढ़ने से जून में खुदरा मुद्रास्फीति बढ़कर चार महीने के उच्चतम स्तर 5.08 प्रतिशत पर पहुंच गई। इससे पिछले महीने मई में यह खुदरा मुद्रास्फीति 4.8 प्रतिशत पर थी हालांकि, केंद्रीय बैंक ने स्पष्ट किया कि बुलेटिन में व्यक्त विचार लेखकों के हैं और भारतीय रिजर्व बैंक के विचारों का प्रतिनिधित्व नहीं करते हैं।

स्कूटर में होंगे कई फीचर्स, पहले से ग्लोबल मार्केट में मौजूद

बीएमडब्ल्यू का पहला प्रीमियम इलेक्ट्रिक स्कूटर जल्द होगा लांच

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

जर्मन ऑटो कंपनी बीएमडब्ल्यू मोटराड इंडियन मार्केट में अपना पहला इलेक्ट्रिक स्कूटर लांच करने वाली है। ये कंपनी का पहला प्रीमियम इलेक्ट्रिक स्कूटर होगा, जिसमें कई सारे फीचर्स मिल सकते हैं। बता दें कि ये इलेक्ट्रिक स्कूटर पहले से ही ग्लोबल मार्केट में मौजूद है और विदेश में इसकी कीमत 11795 डॉलर है।

ऐसा माना जा रहा है कि इंडिया में इस प्रीमियम इलेक्ट्रिक स्कूटर की कीमत 10 लाख के आसपास हो सकती है। मतलब जितनी कीमत का ये इलेक्ट्रिक स्कूटर होगा, उतनी कीमत में एक एंट्री लेवल एसयूवी बड़े आराम से आ जाएगी। कंपनी ने इस प्रीमियम इलेक्ट्रिक स्कूटर की प्री लांच बुकिंग शुरू कर दी है और इसकी आधिकारिक लांच डेट 24 जुलाई है।

प्रीमियम इलेक्ट्रिक स्कूटर की कीमत 10 लाख के आसपास हो सकती

कंपनी ने शुरू की प्री लांच बुकिंग

कंपनी ने इस प्रीमियम इलेक्ट्रिक स्कूटर की प्री लांच बुकिंग शुरू कर दी है। इस स्कूटर की बुकिंग आप बीएमडब्ल्यू के किसी भी डीलरशिप पर जाकर कर सकते हैं। लांच के दौरान इस स्कूटर की कीमत से पर्दा उठेगा। लेकिन जितना महंगा ये इलेक्ट्रिक स्कूटर है, ये बात तय है कि भारत में इसका डायरेक्ट कंपिटिशन कोई नहीं होगा।

कैसी होगी परफॉर्मेंस और बैटरी

स्कूटर में लिक्विड कूल्ड पीएमएस मोटर मिलेगा, जो 41 बीएचपी की पावर और 60 न्यूटन मीटर का टॉर्क जनरेट करता है। स्कूटर की टॉप स्पीड 120 केएमपीएच है और ये स्कूटर मात्र 2.6 सेकंड में 0-50 केएमपीएच की स्पीड पकड़ लेता है। इसमें तीन राइडिंग मोड्स मिलेंगे, जिसमें ईको, रेन और रोड शामिल है।

ये होंगे फीचर्स

डिजाइन की बात करें तो ये इलेक्ट्रिक स्कूटर काफी प्रीमियम होने वाला है। इसकी लंबाई 2 मीटर से भी ज्यादा होगी। डायमेंशन्स की बात करें तो ये इलेक्ट्रिक स्कूटर 2285 एमएम लंबा, 855 एमएम चौड़ा और 1150 एमएम ऊंचा होगा। इसकी सीट हाइट 780 एमएम है। स्कूटर में 15 इंच के व्हील्स मिलेंगे। फ्रंट में टेलिस्कोपिक फॉर्क और दोनों पहियों में डिस्क ब्रेक मिलेगा।

सिंगल चार्ज पर 130 किमी की रेंज

बैटरी की बात करें तो 8.9 केडब्ल्यूएच का बैटरी पैक मिलेगा, जो सिंगल चार्ज पर 130 किमी की रेंज देता है। नॉर्मल चार्जर के जरिए ये व्हीकल 4 घंटे में 0-100 फीसदी चार्ज हो जाएगा और 1.40 घंटे में फुल चार्ज हो जाएगा।

कूट-कूट के भरे हैं फीचर्स

फीचर्स की लिस्ट देखें तो इस प्रीमियम इलेक्ट्रिक स्कूटर में एबीएस, एएससी, इलेक्ट्रॉनिक रिवर्स और ट्रैक्शन कंट्रोल जैसे सेफ्टी फीचर्स मिलेंगे। साथ में टाइप सी यूएसबी पोर्ट मिलेगा। 10.25 इंच की टीएफटी स्क्रीन और कीलैस राइड जैसा सपोर्ट मिलेगा।

यूरोपीय केंद्रीय बैंक ने प्रमुख ब्याज दर 3.75 प्रतिशत पर कायम रखा

एजेंसी ▶▶ फ्रैंकफर्ट

- घरेलू महंगाई अभी भी ऊंचे स्तर पर

यूरोपीय केंद्रीय बैंक (ईसीबी) ने बृहस्पतिवार को अपनी प्रमुख ब्याज दर को 3.75 प्रतिशत पर यथावत रखा है। बैंक की अध्यक्ष क्रिस्टीन लेगार्ड और ब्याज दर निर्धारण समिति ब्याज दर को घटाने से पहले सुनिश्चित करना चाहते हैं कि महंगाई दर पूरी तरह नियंत्रण में हो। इस तरह ईसीबी की प्रमुख ब्याज दर 3.75 प्रतिशत पर कायम रहेगी। यूरोपीय केंद्रीय बैंक ने बयान में कहा, 'घरेलू महंगाई अभी ऊंचे स्तर पर है, कुल मुद्रास्फीति के अगले साल तक लक्ष्य से ऊपर रहने की संभावना है।' यूरोप में कम ब्याज दरों की उम्मीद कर रहे घर खरीदारों और कारोबारियों को सस्ते कर्ज के लिए कम से कम सितंबर में होने वाली बैंक की बैठक तक और संभवतः उससे भी ज्यादा इंतजार करना होगा। फिलहाल ईसीबी का रुख अमेरिकी फेडरल रिजर्व के रुख से मिलता-जुलता है, जिसके 30-31 जुलाई को होने वाली अपनी अगली बैठक में ब्याज दरों में कटौती करने से बचने की संभावना है। हालांकि ऐसा लगता है कि ईसीबी की तुलना में अमेरिकी केंद्रीय बैंक के पास ब्याज दरों में कटौती की अधिक गुंजाइश है।

पाकिस्तान और चीन की बढ़ेगी टेंशन

भारत के लिए खतरनाक जंगी जहाज बना रहा है रूस, जल्द मिलेगी महाविनाशक युद्धपोतों की खेप

भारत के दो तलवार क्लास के स्टील्थ फ्रिगेट जंगी जहाज रूस में तैयार हो रहे हैं, जिनमें से एक जल्द ही आ सकता है। भारतीय नेवी के लगभग 200 कर्मी इस समय रूस में हैं, जो इस जहाज की स्वीकृति परीक्षण कर रहे हैं। दूसरा जहाज 2025 की शुरुआत में आ सकता है।

एजेंसी ▶▶ मॉस्को

भारतीय नौसेना की ताकत बढ़ाने के लिए दो जहाज रूस में तैयार किए जा रहे हैं। ये तलवार क्लास के स्टील्थ फ्रिगेट जहाज हैं। 2.5 बिलियन डॉलर की लागत से इन्हें बनाया जा रहा है। रूस के कलिनिनग्राद में यह यंतर शिपयार्ड में बनाए जा रहे। पहले शिपयार्ड का नाम तुशिल और दूसरे का तमाल है। दो स्टील्थ फ्रिगेट में से पहले तुशि की स्वीकृति परीक्षण के लिए इंडियन नेवी के लगभग 200 कर्मी इस समय रूस में मौजूद हैं। अगर सब कुछ ठीक रहा तो पहला जहाज सितंबर के मध्य तक भारत में आ सकता है। मिली जानकारी के अनुसार 'तमाल' अगले साल की शुरुआत में भारत को सौंपा जा सकता है। रिपोर्ट में कहा गया कि रूस के साथ समझौते के तहत गोवा शिपयार्ड में बनाए जा रहे दो और युद्धपोत प्रगति पर हैं।

जल्द ही लॉन्च होगा पहला जहाज

इसमें से भी पहला जहाज जल्द ही लॉन्च किया जाएगा। दोनों जहाजों की डिलीवरी मूल रूप से 2022 के अंत में होनी थी। लेकिन कोविड संकट और यूक्रेन युद्ध की शुरुआत के बाद भुगतान न हो पाने के कारण इसमें देरी हुई है। देरी का एक खास कारण यूक्रेन के जोर्या-मशप्रोएक्ट से गैस टरबाइन इंजन की खरीद थी। 2014 में रूस ने क्रीमिया पर कब्जे के बाद यूक्रेन से इंजन आयात करना बंद कर दिया था।

क्या है खासियत

- *ये युद्धपोत समुद्र में 59 किलोमीटर प्रति घंटे की स्पीड से चलने में सक्षम है।*
- *इस युद्धपोत पर 18 अधिकारियों के साथ 180 सैनिक 30 दिन तक समुद्र में तैनात रह सकते हैं।*
- *यह एक स्टील्थ युद्धपोत है। यानी इसे रडार से ट्रैक करना मुश्किल है। पानी के नीचे का शोर बेहद कम होता है, पनडुब्बियां इनका जल्दी पता नहीं लगा सकतीं।*
- *जहाज गैस टरबाइन इंजन के जरिए चलता है।*
- *जहाज खतरनाक हथियारों से लैस है। यह जमीन से हवा में मार - करने वाली मिसाइल हैं।*

रूस-भारत का हुआ था समझौता

अब तक तलवार क्लास के 7 युद्धपोत बन चुके हैं। 6 एक्टिव हैं। चार नए जंगी जहाज बनाए जा रहे हैं। दो रूस में और दो भारत में बनेंगे। इन जंगी जहाजों का समंदर में डिस्प्लेसमेंट 3850 टन है। भारत ने चार तलवार श्रेणी के जहाजों के लिए रूस के साथ एक अंतर-सरकारी समझौता किया था और इस डील पर 2018 में हस्ताक्षर किया गया था। समझौते के मुताबिक दो जहाज पूरी तरह रूस में बनेंगे। वहीं दो जहाज रूस के तकनीकी सहयोग से भारत के गोवा शिपयार्ड में बनाए जाएंगे। यंतर शिपयार्ड ने छह तलवार के छह एक्टिव युद्धपोतों में से तीन का निर्माण किया है।

खबर संक्षेप

चीन के शॉपिंग मॉल में लगी आग, 16 की मौत

बीजिंग। दक्षिण-पश्चिमी चीन के एक शॉपिंग मॉल में आग लगने से कम से कम 16 लोगों की मौत हो गई है। आग बुधवार देर रात को सिचुआन प्रांत के जिगोंग शहर में 14 मंजिला व्यावसायिक इमारत में लगी। जानकारी के अनुसार, अग्निशमन कर्मियों और बचाव दल ने 75 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। इमारत के निचले हिस्से में आग लगी, जिसमें एक डिपार्टमेंटल स्टोर, कार्यालय, रेस्तरां और एक मूवी थियेटर है।

मोस्ट वांटेड विश्नोई इटली में गिरफ्तार

जयपुर। राजस्थान पुलिस ने पहली बार विदेश में एक गैंगस्टर को गिरफ्तार करवाया है। यह पुलिस की ऐसी पहली कार्रवाई है, जब राजस्थान पुलिस की सूचना पर इटली पुलिस ने एक्शन लिया है। एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स की सूचना पर इटली पुलिस ने 8 जुलाई को मोस्ट वॉटेड अमरजीत सिंह विश्नोई को गिरफ्तार कर लिया। जानकारी के अनुसार यह सूचना अब सार्वजनिक की गई है। एडीजी क्राइम दिनेश एमएन ने बताया कि कुख्यात गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई जो बठिंडा जेल में बंद है ।

भारत ने मॉरीशस में खोला पहला सेंटर

अब विदेशों में भी बजेगा भारतीय जनऔषधि केंद्र की दवाओं का डंका

एजेंसी ▶▶ पोर्ट लुई

भारतीय जनऔषधि परियोजना का न सिर्फ भारत में बल्कि अब विदेशों में भी डंका बजने लगा है। देश भर के मरीजों को सस्ती जेनरिक दवाएं उपलब्ध कराने वाला भारतीय जन औषधि केंद्र का अब मॉरीशस तक विस्तार किया गया है।

इसके तहत मॉरीशस में पहला भारतीय जन औषधि केंद्र खोला गया है, जो वहां के लोगों को सस्ते में जीवन रक्षक दवाएं उपलब्ध कराएगा। इस केंद्र को खोलने का वादा पीएम मोदी ने किया था। इसके बाद अब विदेश मंत्री एस.जयशंकर ने मॉरीशस में पहले विदेशी जन औषधि केंद्र का उद्घाटन किया है। बता दें कि जयशंकर 16 से 17 जुलाई तक दो दिवसीय यात्रा पर मॉरीशस में थे। इस दौरान मॉरीशस के लोगों के लिए सस्ती दवाओं वाला यह जन औषधि केंद्र समर्पित किया गया। उद्घाटन के मौके पर मॉरीशस के प्रधानमंत्री प्रविंद कुमार जगन्नाथ भी मौजूद रहे। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि मॉरीशस के प्रधानमंत्री प्रविंद कुमार जगन्नाथ के साथ भारत के पहले विदेशी जन औषधि केंद्र का उद्घाटन "दोनों देशों के बीच विशेष रूप से स्वास्थ्य के महत्वपूर्ण क्षेत्र में घनिष्ठ सहयोग" का प्रमाण है। सभी को सस्ती जेनेरिक दवाइयां उपलब्ध कराने के लिए जन औषधि केन्द्र स थापित किए गए हैं।

जयशंकर ने कहा पीएम मोदी ने पूरा किया वादा

विदेश मंत्री जयशंकर ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, प्रधानमंत्री कुमार जगन्नाथ के साथ मॉरीशस में पहले विदेशी जन औषधि केंद्र का उद्घाटन करते हुए प्रसन्नता हो रही है। यह औषधि केंद्र प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के वादे के तहत शुरू किया गया है। उन्होंने कहा, भारत-मॉरीशस स्वास्थ्य साझेदारी परियोजना के तहत सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवा को बेहतर बनाने के लिए किफायती, भारत में निर्मित दवाओं की आपूर्ति की जाएगी।

जल्द ही आतंकियों का होगा सफाया

कुपवाड़ा में मुठभेड़, सुरक्षाबलों ने दो आतंकी किए ढेर, डोडा में भी सर्च ऑपरेशन जारी

जम्मू-कश्मीर के जिला कुपवाड़ा के सीमांत क्षेत्र केरन में आतंकियों और सुरक्षाबलों के बीच गोलीबारी हुई। सुरक्षाबलों ने दो आतंकियों को मार गिराया।

एजेंसी ▶▶ जम्मू

उत्तरी कश्मीर के जिला कुपवाड़ा के केरन सेक्टर में सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ हुई। सुरक्षाबलों ने यहां दो पाकिस्तानी आतंकियों को मार गिराया है, जो नियंत्रण रेखा से घुसपैठ कर प्रदेश में अशांति फैलाने के इरादा रखे हुए थे। सीमांत क्षेत्र केरन में भारत-पाकिस्तान नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास आतंकियों और सुरक्षाबलों के बीच गोलीबारी हुई। सेना की 6 आरआर और पुलिस के एसओजी के जवानों ने दो आतंकियों को मार गिराया। उधर, जम्मू संभाग के जिला डोडा में भी मुठभेड़ हो रही है। जम्मू कश्मीर में गुरुवार को मौसम बिगड़ा हुआ है। कई इलाकों में बारिश हुई है। बादल छाए हुए हैं। इससे पहाड़ी इलाके धुंध से घिर जाते हैं। इसी बीच सुरक्षाबल आतंकियों से लोहा ले रहे हैं। डोडा में भी मुठभेड़ चल रही है। बिगड़े मौसम के बीच रुक-रुक कर गोलीबारी हो रही है। डोडा में सोमवार से आतंकियों की तलाश के लिए अभियान चल रहा है। डोडा में चार दिनों में ये तीसरी मुठभेड़ है, लेकिन अभी सुरक्षाबलों को सफलता नहीं मिल पाई है। घने जंगल, ऊंचे पहाड़ और बिगड़ा हुआ मौसम सुरक्षाबलों के लिए चुनौती बना हुआ है, लेकिन जवान डटे हुए हैं।

सुरक्षा को लेकर हुआ मंथन

कैबिनेट की सुरक्षा मामलों की समिति सीडीएस की बृहस्पतिवार को बैठक हुई। इस बैठक में पीएम मोदी के साथ रक्षामंत्री राजनाथ सिंह और गृहमंत्री अमित शाह भी मौजूद रहे। सूत्रों के मुताबिक बैठक में देश के ताजा सुरक्षा हालातों पर चर्चा की गई है। साथ ही जम्मू में पिछले कुछ वक्त में बढ़ते हुए आंतकी हमलों को लेकर भी इस बैठक में चर्चा की गई है। बता दे कि बैठक में आतंकियों पर कड़े प्रहार की तैयारी को लेकर चर्चा की गई है।

करगिल युद्ध की 25वीं वर्षगांठ पर सीडीएस ने कहा

रक्तपात से सीखे सबक सेना में समाहित रहने चाहिए

चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान ने करगिल युद्ध की 25वीं वर्षगांठ पर कहा कि किसी भी युद्ध में देश और उसके लोगों की नियति को हमेशा के लिए बदलने की क्षमता होती है। सैनिकों के बलिदान की यादें हमारी राष्ट्रीय लोककथा का हिस्सा बननी चाहिए, जैसा कि करगिल युद्ध के साथ हुआ। करगिल युद्ध की वर्षगांठ पर आयोजित कार्यक्रम में सीडीएस ने कहा कि रक्तपात से सीखा गया सबक हमारी सेना में समाहित रहने चाहिए। युद्ध, युद्ध-पद्धति का तेजी से विकास हो रहा है।

सेना के वरिष्ठ अधिकारी पहुंचे और लिया जायजा

ऑपरेशन का जायजा लेने के लिए सेना के वरिष्ठ अधिकारी गुरुवार को मौके पर पहुंचे हैं। इसके बावजूद जम्मू-कश्मीर में डोडा जिले के एक वन क्षेत्र में चार घंटे के अंतराल में सुरक्षाबलों और आतंकवादियों के बीच दो बार गोलीबारी हुई है। डोडा जिले के एक जंगल में गुरुवार तड़के आतंकवादियों के साथ मुठभेड़ में दो जवान घायल हो गए हैं। कुपवाड़ा जिले के केरन इलाके में गुरुवार को सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच मुठभेड़ हुई। जिसमें सुरक्षाबलों ने दो आतंकवादियों को मार गिराया है।

सेना ने पीर पंजाल की पहाड़ियों में शुरू किया 'सर्प विनाश' ऑपरेशन

जम्मू संभाग के डोडा जिले में एक कर्नल और तीन जवानों की शहादत के बाद सेना ने सीमा पार से घुसपैठ करके जंगलों में छिपे आतंकवादियों पर कार्रवाई के लिए ऑपरेशन 'सर्प विनाश' शुरू कर दिया है। कश्मीर घाटी के सपाट इलाकों को छोड़कर इस बार आतंकवादियों ने पीर पंजाल की दक्षिणी पहाड़ियों में नया ठिकाना बनाया है। यहां के घने जंगलों की प्राकृतिक गुफाओं और सुरंगों में छिपकर आतंकी लगातार सेना को निशाना बना रहे हैं। पीर पंजाल की दक्षिणी पहाड़ियों में बड़ी-बड़ी चट्टानों से सुरंग और गुफाएं बनी हैं।

अब तक 19 मृतकों को खोजा गया

नेपाल बस हादसे में अभी तक सिर्फ 4 भारतीयों के शव बरामद

एजेंसी ▶▶ काठमांडू

नेपाल के चितवन जिले में पिछले सप्ताह दो बसों के भूस्खलन के मलबे के साथ नदी में बहने के बाद बचावकर्मियों ने अब तक 19 शव बरामद किए हैं, जिनमें चार भारतीय भी शामिल हैं। सूत्रों ने गुरुवार को यह जानकारी दी। भूस्खलन की यह घटना शुक्रवार को चितवन जिले के नारायणघाट-मुगलिंग मार्ग पर सिमलताल इलाके में हुई थी। 54 लोगों में से तीन लोग घटना के तुरंत बाद तैरकर सुरक्षित निकल गए। बीरगंज से काठमांडू जा रही पहली बस में सात भारतीय नागरिकों समेत 24 यात्री थे। काठमांडू से गौर जा रही दूसरी बस में 30 लोग सवार थे। भारी भूस्खलन की वजह से दोनों बसें त्रिशूली नदी में गिर गई थीं। दोनों बसों से जुड़े हादसे में दुर्घटना स्थल से अब तक 19 लोगों के शव बरामद किए गए हैं। सशस्त्र पुलिस बल (एसएसबी) के सूत्रों के अनुसार, 19 में से चार शव भारतीय नागरिकों के हैं। पांच पुरुष शवों की अभी तक पहचान नहीं हुई है।

यूएस में हुआ बड़ा एक्शन

भारतीय छात्रा कंडुला की मौत के मामले में हंसने वाला अधिकारी बर्खास्त हुआ

एजेंसी ▶▶ न्यूयॉर्क/सिएटल

अमेरिका में भारतीय छात्रा की मौत के बाद असंवेदनशील टिप्पणियां करने और हंसने वाले एक पुलिस अधिकारी को बर्खास्त कर दिया गया है। वाशिंगटन के नॉर्थईस्टर्न यूनिवर्सिटी की छात्रा जाह्नवी कंडुला (23) जब 23 जनवरी को सड़क पार कर रही थीं, तब पुलिस के एक वाहन ने उसे टक्कर मार दी थी। इस वाहन को केविन डेव नाम का अधिकारी चला रहा था और वह एक अन्य मामले की जांच के लिए तेजी से वाहन चलाते हुए जा रहा था। वाहन के टक्कर मारने के बाद कंडुला 100 फुट दूर जा कर गिरी थी। सिएटल पुलिस विभाग द्वारा जारी 'बॉडीकैम फुटेज' में अधिकारी डैनियल ऑडरर भीषण दुर्घटना पर हंसते हुए और यह कहते सुनाई दिया कि 'ओह, मुझे लगता है कि वह बोनट पर आ गिरी, आगे के शीशे से टकराई और फिर जब उसने (पुलिस वाहन के चालक ने) ब्रेक मारे तो कार से दूर जाकर गिरी... वह मर चुकी है। अनुशासनात्मक कार्रवाई रिपोर्ट में कहा गया कि ये असंवेदनशील टिप्पणियां करने के बाद ऑडरर 'चार सेकंड तक जोर-जोर से हंसा।

भारत ने की एडवाइजरी जारी

बांग्लादेश में आरक्षण विरोधी हिंसा, 6 लोगों की हुई मौत

एजेंसी ▶▶ ढाका

बांग्लादेश में पिछले 5 दिनों से आरक्षण खत्म करने की मांग को विरोध प्रदर्शन जारी है। इस प्रदर्शन ने अब हिंसक रूप ले लिया है। बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना ने इसको रोकने के लिए सड़कों पर सेना को तैनात कर दिया है। पुलिस के साथ झड़प में 6 लोगों की मौत हो गई है। वहीं, 400 से ज्यादा प्रदर्शनकारी घायल बताए जा रहे हैं। जानकारी के अनुसार राजधानी ढाका में आंदोलन के दौरान प्रदर्शनकारी छात्रों और पुलिस के बीच हिंसक झड़प में एक बच्चे समेत छह लोगों को गोली लगी है। हालात इतने ज्यादा खराब हो गए हैं।

बेवजह घरों से न निकलें हेल्पलाइन नंबर जारी

इस बीच भारत ने वहां रहने वाले अपने नागरिकों के लिए एडवाइजरी जारी की है। उन्हें बेवजह घरों से बाहर न निकलने को कहा है। भारतीय दूतावास ने कहा है कि बांग्लादेश में चल रही स्थिति को देखते हुए, बांग्लादेश में रहने वाले भारतीय समुदाय के सदस्यों और छात्रों को यात्रा से बचने और अपने आवासीय परिसर से बाहर कम से कम आने-जाने की सलाह दी जाती है।' दूतावास ने किसी भी सहायता के लिए 24 घंटे जारी रहने वाला आपातकालीन नंबर भी दिए हैं। भारतीय नागरिक उच्चायोग ढाका के नंबर +880-1937400591 और भारतीय सहायक उच्चायोग, चटगांव +880-1814654797 / +880-1814654799 पर संपर्क कर सकते हैं।

यूएनएससी की खुली बहस में राजदूत रवींद्र ने कहा

विश्व संस्था की बहुपक्षीय प्रणाली नाकाम, वजह यह अभी भी 1945 के नजरिए में फंसी

एजेंसी ▶▶ न्यूयार्क

भारत ने एक बार फिर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) से उसके सुधार पर समयबद्ध बातचीत के लिए प्रतिबद्ध होने का आह्वान किया है। भारत ने स्पष्ट तौर पर प्रमुख देशों और समूहों द्वारा परिषद के तंत्र में हेरफेर को बहुपक्षीय भावना के लिए 'हानिकारक' बताया है। बता दें, चीन नहीं चाहता कि सुरक्षा परिषद में सुधार हों और भारत को इसका स्थायी सदस्य बनने का मौका मिले। संयुक्त राष्ट्र में भारत के राजदूत आर रवींद्र ने सुरक्षा परिषद की खुली बहस में कहा कि विश्व संस्था के बहुपक्षीय प्रणाली के नाकाम रहने का प्राथमिक कारण इसका अभी भी 1945 के पुराने नजरिए में फंसा होना है। यह सुरक्षा परिषद की संरचना में स्पष्ट रूप से परिलक्षित होता है। इसलिए, सुधारित बहुपक्षवाद पर भारत की स्थिति का मूल, सुरक्षा परिषद में सुधार के आह्वान में निहित है, जो समकालीन वास्तविकताओं को प्रतिबिंबित करता है। सुधारों पर समयबद्ध वार्ता के लिए पुनः प्रतिबद्धता का आह्वान करते हुए, आर रवींद्र ने कहा, बड़े देशों या समूहों द्वारा अपने संकीर्ण हित में बातचीत प्रक्रियाओं और तंत्रों में तोड़फोड़ की जा रही है। यह बहुपक्षीय भावना के लिए हानिकारक है और जहां भी जरूरी हो, इसका विरोध होना चाहिए।

विकास साझेदारी से शांति-निर्माण में जुटा भारत

सैन्य सलाहकार कर्नल आशीष भल्ला ने संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) में कहा कि भारत ने हमेशा शांति स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। वह वैश्विक दक्षिण के देशों के साथ व्यापक विकास साझेदारी के माध्यम से शांति स्थापना में अपनी भागीदारी निभाने को तत्पर है। 'शांति निर्माण आयोग की रिपोर्ट' पर संयुक्त बहस में भारत का वक्तव्य देते हुए कर्नल भल्ला ने कहा- शिक्षा, शांति-निर्माण के लिए एक प्रमुख घटक है और शांति बनाए रखने में भारत ने हमेशा शांति स्थापना तथा शांति निर्माण दोनों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

चुनौतियों के जवाब में संयुक्त राष्ट्र असमर्थ

भारतीय दूत ने कहा कि हम एक और विश्व युद्ध रोक सकते हैं, लेकिन यह आतंकवाद, महामारी, जलवायु परिवर्तन, उभरती प्रौद्योगिकियों से पैदा खतरों व साइबर हमलों जैसी जटिल वैश्विक चुनौतियों का जवाब देने में संयुक्त राष्ट्र की असमर्थता को नहीं छिपाता है।

लाभों को समेकित करना आवश्यक

कर्नल भल्ला ने कहा, भारत की विकासात्मक परियोजनाओं का संचयी मूल्य अब 40 अरब डॉलर से अधिक है। उन्होंने 2023 की पीबीसी रिपोर्ट को आयोग द्वारा की गई सकारात्मक पहल का प्रमाण बताया। सैन्य सलाहकार कर्नल भल्ला ने कहा, हमारा मानना है कि इन लाभों को और अधिक चर्चा के साथ समेकित करने की आवश्यकता है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक राजेश मीणा द्वारा अम्बर ऑफसेट प्रा. लि., डी एल टॉवर, 3-ए, विद्याआश्रम संस्थानिक क्षेत्र, जेएलएन मार्ग, जयपुर से मुद्रित एवं बी-66, कुसुम विहार, जगतपुरा, मालवीया नगर, जयपुर से प्रकाशित।
सम्पादक-राजेश मीणा, Email : sanjeevnitoday@gmail.com मो: 8094811115, (पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी)